@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

गुरूवार, 14 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 275 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

‘मतदाता हितैषी है मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया’

बिहार एसआईआर पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने फिर से सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में मतदाताओं से मांगे गए दस्तावेजों की संख्या 11 है, जबकि मतदाता सूची के सारांश पुनरीक्षण में 7 दस्तावेजों पर विचार किया जाता था। यह दर्शाता है कि यह मतदाता हितैषी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए मतदाता के पास 11 दस्तावेजों

का विकल्प है, जबकि पहले किए गए संक्षिप्त पुनरीक्षण में सात दस्तावेज मांगे गए थे, इससे यह साफ दिखता है कि प्रक्रिया मतदाताओं के लिए अनुकूल है।

● सिंघवी की दलील

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने इस बात से असहमति जताई। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों की संख्या भले ही ज्यादा हो, लेकिन उनका कवरेज सबसे कम है। उन्होंने मतदाताओं के पास पासपोर्ट की उपलब्धता का उदाहरण दिया। सिंघवी ने कहा कि बिहार में यह केवल एक से दो प्रतिशत है। राज्य में स्थायी निवासी प्रमाण पत्र देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा, ‘अगर हम बिहार की आबादी के पास दस्तावेजों की उपलब्धता देखें, तो पता चलता है कि कवरेज बहुत कम है।’

बिहार चुनाव में अपनी हार देख कांग्रेस झूठे आरोप लगा रही : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने ‘मतदाता सूची’ को लेकर विपक्ष के आरोपों पर पलटवार किया है। अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी हार देखकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दल झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आत्मचिंतन करने की बजाय कांग्रेस ने हर हार के बाद नया बहाना ढूंढने का काम किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर आरोपों के बाद भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, ‘अगर किसी के नेतृत्व में 90 बार चुनाव हारने का रिकॉर्ड है, तो वह राहुल गांधी का नेतृत्व है। जब चुनाव हारते हैं, तो वे ईवीएम पर सवाल उठाते हैं या मतदाताओं को दोष देते हैं। पार्टी के भीतर भी राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाए जाते हैं।’ अनुराग ठाकुर बोले, ‘कांग्रेस ने पहले कहा कि ईवीएम मशीन के साथ हेराफेरी होती है, ईवीएम बैन करो, बैलेट पेपर लाओ।

‘भारतीय नागरिक बनने से पहले मतदाता सूची में था सोनिया गांधी का नाम’, भाजपा का कांग्रेस पर पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वोटर लिस्ट में गड़बड़ी में आरोपों के बीच भाजपा की आईटी सेल के हेड अमिल मालवीय ने बुधवार को दावा किया कि सोनिया गांधी का नाम भारत की वोटर लिस्ट में दो बार तब शामिल हुआ, जब वह भारतीय नागरिक भी नहीं थीं। वहीं मालवीय ने एक्स पर लिखा कि यह पूरा मामला चुनावी कानून के स्पष्ट उल्लंघन का उदाहरण है। शायद यही कारण है कि राहुल गांधी भी ऐसे मतदाताओं को वैध करने के पक्ष में रहते हैं, जो अयोग्य या अवैध हैं और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में सोनिया का नाम पहली बार 1980 में जोड़ा गया। उस समय वे इटली की नागरिक थीं। तब गांधी परिवार 1, सफदरजंग रोड, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सरकारी निवास पर रहता था। इसके बाद 1982 में विरोध के बाद उनका नाम लिस्ट से हटा दिया गया था और 1983 में उनका नाम पोलिंग स्टेशन 140 में क्रम संख्या 236 पर फिर से जोड़ दिया गया। समस्या यह थी कि इस संशोधित सूची के लिए योग्यता की तारीख 1 जनवरी 1983 थी, जबकि सोनिया गांधी को भारतीय नागरिकता 30 अप्रैल 1983 को मिली थी। यानी उस समय भी वे भारतीय नागरिक नहीं थीं। मालवीय ने यह सवाल भी उठाया कि सोनिया गांधी ने राजीव गांधी से शादी के 15 साल बाद जाकर ही भारतीय नागरिकता क्यों ली। उन्होंने कहा कि एक ही व्यक्ति का नाम दो बार बिना नागरिकता के वोटर लिस्ट में आना चुनावी गड़बड़ी (Electoral Malpractice) का गंभीर मामला है।

डोभाल के बाद जयशंकर भी रूस जाएंगे

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत और रूस के संबंधों में नई ऊर्जा देखी जा रही है। हाल ही में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी। अब खबर आई है कि भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर भी रूस दौरे पर जाएंगे और वहां रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव से मुलाकात करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर सुबह 4: 00 बजे शुरू होंगी मेट्रो सेवाएं

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुक्रवार को लाल किले पर आयोजित होने वाले समारोह में आने वाले विशेष अतिथियों, आमंत्रितों और आम जनता की सुविधा के लिए दिल्ली मेट्रो अपनी सभी लाइनों और सभी टर्मिनल स्टेशनों से सुबह 4:00 बजे अपनी सेवाएं शुरू करेगी। दिल्ली मेट्रो की ओर से बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 15 अगस्त को सुबह 6:00 बजे तक सभी लाइनों पर 30 मिनट के अंतराल पर रेल सेवाएं उपलब्ध रहेंगी और उसके बाद शेष दिन नियमित समय सारिणी के अनुसार चलेंगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए जिन लोगों के पास रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किया गया वास्तविक निमंत्रण पत्र होगा, उन्हें डीएमआरसी द्वारा उपलब्ध कराए गये विशेष क्यूआर टिकटों का उपयोग कर समारोह स्थल तक आने-जाने की सुविधा प्रदान की जाएगी। लाल किला, जामा मस्जिद और दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन समारोह स्थल के सबसे निकट हैं। इस यात्रा का खर्च रक्षा मंत्रालय द्वारा डीएमआरसी को प्रतिपूर्ति किया जाएगा।

भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव है तिरंगा यात्रा : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश आजादी के 78 वर्ष पूरे कर रहा है। आजादी के इस अमृतकाल में हर भारतीय के मन में संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रीयता, क्रांतिकारियों-महापुरुषों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव और प्रगाढ़ हो। यह हर जन, हर घर तक पहुंचे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ‘हर घर तिरंगा’ और ‘तिरंगा यात्रा’ के माध्यम से इसे हम सभी देख रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता भी है। हर गांव, नगर, जनपद में तिरंगा यात्रा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी में भी हर घर तिरंगा, ‘सेल्फी विद तिरंगा’ से जुड़ रहे हैं। देश और सैनिकों के सम्मान तथा आन-बान-शान का प्रतीक तिरंगा हर भारतीय के घर में लहराया जाना चाहिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को ‘हर घर तिरंगा’ अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ किया। राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के बीच मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया, फिर अपने आवास से यात्रा को रवाना किया। सीएम ने युवाओं का अभिनंदन करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दी।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करेंगी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को राष्ट्र को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति का संबोधन शाम छह बजे से आकाशवाणी के संपूर्ण राष्ट्रीय नेटवर्क पर और दूरदर्शन के सभी चैनलों पर हिंदी और अंग्रेजी में प्रसारित होगा। दूरदर्शन पर हिंदी और अंग्रेजी में संबोधन के प्रसारण के बाद दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनलों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका प्रसारण किया जाएगा। आकाशवाणी अपने संबंधित क्षेत्रीय नेटवर्क पर रात 11 बजकर 30 मिनट पर क्षेत्रीय भाषाओं में इसका प्रसारण करेगा।

तिरंगा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का साक्षी है: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 13 अगस्त। भारत मंडपम में आयोजित ‘हर घर तिरंगा’ संगीत समारोह में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने देश के प्रति सम्मान, प्रेम और समर्पण की भावना प्रकट की। उन्होंने कहा कि सैकड़ों की संख्या में राजधानी के नागरिक इस उत्सव में देशभक्ति की भावना के साथ सम्मिलित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि स्वतंत्रता के प्रति अपने भाव को कुछ शब्दों में व्यक्त करना हो तो यही कहना चाहूंगी कि तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित। मुख्यमंत्री ने देश के लिए और अधिक योगदान देने की अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि जीवन में हमें और अवसर प्राप्त हों ताकि हम राष्ट्र की सेवा कर सकें। मुख्यमंत्री गुप्ता ने यह भी कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को केवल अपने अधिकारों की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि अपने कर्तव्यों का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का यह अवसर हमें यही याद दिलाता है कि देश के प्रति हमारी निष्ठा, त्याग और सेवा ही सबसे बड़ा सौभाग्य है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी को यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि तिरंगे की शान कभी झुकेगी नहीं और भारत की संस्कृति, विरासत तथा विकास यात्रा को आगे बढ़ाते हुए हर भारतवासी के हृदय में केसरी का साहस, सफ़ेद की शांति और हरे का समृद्ध भविष्य सदैव लहराता रहेगा। मुख्यमंत्री ने 15 अगस्त 1947 के ऐतिहासिक क्षण को स्मरण करते हुए कहा कि तिरंगा

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का साक्षी और भविष्य के भारत का वादा था। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों की अमर पंक्ति सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है का उल्लेख कर उपस्थित जनों को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि ‘हर घर तिरंगा’ अभियान और भारत मंडपम के इस तिरंगा कॉन्सर्ट में वही जज़्बा नए युग में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर उन्होंने लोकप्रिय गायक शान का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनें यहां मौजूद हर दिल को एक साथ धड़कने पर विवश कर देंगी। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि तिरंगे की असली ताक़त उसके धागों में नहीं, बल्कि उसमें निहित उस भावना में है जो हमें एकजुट करती है और हर चुनौती का सामना करने का साहस देती है। उन्होंने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सीमाओं की रक्षा, विज्ञान और खेल की उपलब्धियों तक, हर मोड़ पर तिरंगा हमारे साहस और एकता का प्रतीक रहा है। मुख्यमंत्री ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को अभिवादन करते हुए कहा कि उनके अटूट संकल्प और दूरदृष्टि के कारण आज पूरा देश स्वतंत्रता दिवस को अभूतपूर्व उत्साह और राष्ट्रीय एकजुटता के साथ मना रहा है। प्रधानमंत्री ने राजनीति से ऊपर उठकर पूरे देश को एक राष्ट्रभाव में जोड़ा है, साथ ही भारत को आर्थिक महाशक्ति और सांस्कृतिक महिमा के साथ विश्व मंच पर पुनः स्थापित किया है।

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास गोलीबारी में सैनिक शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा के पास हुयी मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि उरी सेक्टर के चुरंडा इलाके में बुधवार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे गोलीबारी हुई। इस मुठभेड़ में एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गयी। यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह बॉर्डर एक्शन टीम का हमला था या चुरंडा इलाके में घुसपैठ की नाकाम कोशिश थी। इस घटना पर सेना या पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक विस्तृत बयान नहीं आया है।

‘राहुल गांधी के संपर्क में हैं चंद्रबाबू नायडू’

▶▶ पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और वाईएसआरसीपी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया है कि सीएम चंद्रबाबू नायडू तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के जरिए राहुल गांधी के संपर्क में हैं। जगन मोहन रेड्डी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और सवाल किया कि राहुल गांधी, वोट चोरी का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहे हैं, लेकिन वे आंध्र प्रदेश में वोट चोरी का मुद्दा क्यों नहीं उठा रहे हैं? जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया कि इसकी वजह ये है कि राहुल गांधी, चंद्रबाबू नायडू के संपर्क में हैं।

क्या बोले जगन मोहन रेड्डी

जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि, ‘जब राहुल गांधी वोट चोरी की बात करते हैं, तो वे आंध्र प्रदेश के बारे में बयान क्यों नहीं देते? जहां घोषित नतीजों और मतगणना के दिन के नतीजों के बीच 12.5 प्रतिशत वोटों का अंतर रहा। वे अरविंद केजरीवाल के बारे में क्यों नहीं बोलते? जबकि अरविंद केजरीवाल खुद विधायक का चुनाव हार गए थे, लेकिन राहुल गांधी आंध्र प्रदेश के बारे में बात नहीं करते क्योंकि चंद्रबाबू नायडू रेवंत रेड्डी के जरिए हॉटलाइन पर राहुल गांधी के संपर्क में हैं। मैं राहुल गांधी जैसे व्यक्ति पर क्या टिप्पणी करूं, जो खुद अपने काम के प्रति ईमानदार नहीं हैं?’

● जगन मोहन रेड्डी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब 3500 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में आंध्र प्रदेश पुलिस ने जो आरोपपत्र दायर किया है, उसमें पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी का भी नाम है।

दौसा हादसे के पीड़ितों को राहत राशि देने की मोदी की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के दौसा में एक हादसे में हुए जान माल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने इस हादसे में अपने प्रियजन खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना में मारे गये लोगों के परिजनों तथा घायलों को प्रधानमंत्री राहत कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा ‘राजस्थान के दौसा में हुए एक हादसे में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुःखी हूँ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों

के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।’ उन्होंने कहा ‘प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएँगे।’

श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास गठन के अध्यादेश को विधानसभा की मंजूरी

▶▶ चढ़ावा, संपत्ति और प्रशासन का मिला हक

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन बांके बिहारी मंदिर निर्माण आर्डिनेंस को मंजूरी मिल गई। सदन में बुधवार सुबह 11 बजे विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्युमेंट 2047 पर लगातार 24 घंटे की चर्चा शुरू हो गई है। इसमें सरकार विभागवार उपलब्धियां और विजन रख रही है जबकि विपक्ष के सवालों का दौर भी जारी है। इस दौरान सत्र में बांके बिहारी कॉरिडोर आर्डिनेंस विधेयक भी पास हो गया है।

अध्यादेश स्पष्ट करता है कि मंदिर के चढ़ावे, दान और सभी चल-अचल संपत्तियों पर न्यास का अधिकार होगा। इसमें मंदिर में स्थापित मूर्तियां, मंदिर परिसर और प्रसीमा के भीतर देवताओं के लिए दी गई भेंट/उपहार, किसी भी पूजा-सेवा-कर्मकांड-समारोह-धार्मिक अनुष्ठान के समर्थन में दी गई संपत्ति, नकद या वस्तु रूपी अर्पण, तथा मंदिर परिसर के उपयोग के लिए डाक/तार से भेजे गए बैंक ड्राफ्ट और चेक तक शामिल हैं। मंदिर की

संपत्तियों में आभूषण, अनुदान, योगदान, हुंडी संग्रह सहित श्री बांके बिहारी जी मंदिर की सभी चल एवं अचल संपत्तियां सम्मिलित मानी जाएंगी। सरकार ने कहा है कि न्यास का गठन स्वामी हरिदास की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। स्वामी हरिदास के समय से चली आ रही रीति-रिवाज, त्योहार, समारोह और अनुष्ठान बिना किसी हस्तक्षेप या परिवर्तन के जारी रहेंगे। न्यास दर्शन का समय तय करेगा, पुजारियों की नियुक्ति करेगा और वेतन, भत्ते/प्रतिकर निर्धारित करेगा। साथ ही भक्तों और आगंतुकों की सुरक्षा तथा मंदिर के प्रभावी प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी न्यास पर होगी।

मृत लोगों के साथ चाय पीने का अनुभव कराने के लिए आयोग का धन्यवाद : राहुल

● कांग्रेस ने कहा कि बेंगलुरु में वोट चोरी का पर्दाफाश होने के बाद, यह स्पष्ट है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में भी समझौता किया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा है कि उसके कारण उन्हें मृत लोगों के साथ चाय पीने का अनुभव हुआ है। गांधी ने बिहार में मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में कथितरूप से मृत घोषित लोगों के साथ फोटो खिंचवाने और चाय पीने के बाद आयोग पर इस तरह का तंज कसा है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ‘जीवन में बहुत दिलचस्प अनुभव हुए हैं, लेकिन कभी ‘मृत लोगों’ के साथ चाय पीने का मौका नहीं मिला था। इस अनोखे अनुभव के लिए, धन्यवाद चुनाव आयोग। कांग्रेस ने एक बयान में कहा, बिहार के उन सात मतदाताओं के साथ पार्टी नेता चुनाव आयोग की आंतरिक जानकारी प्राप्त करने में कामयाब रहीं। ये सात मतदाता उस

राहुल गांधी चाय पी रहे हैं जिन्हें चुनाव आयोग मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मृत घोषित हैं। चुनाव आयोग की एसआईआर सूची में उन्हें ‘मृत’ बताया गया है।’ पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग ने मृत, प्रवासी आदि घोषित लोगों की सूची सार्वजनिक रूप से प्रकाशित नहीं की है। ज़मीनी स्तर पर हमारी टीमें इन लोगों की पहचान केवल इसलिए कर पायी क्योंकि वे अनौपचारिक रूप से दो-तीन मतदान केंद्रों में निर्वाचन क्षेत्र के दो-तीन मतदान केंद्रों में अन्यायपूर्ण तरीके से हटाए गए मतदाताओं का केवल एक छोटा सा हिस्सा हैं। यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है - यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक मताधिकार का हनन है। कांग्रेस ने कहा कि बेंगलुरु में वोट चोरी का पर्दाफाश होने के बाद, यह स्पष्ट है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में भी समझौता किया गया है। जब जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया जाता है।

सिंधु नदी जल समझौते को लेकर उछल रहे, पाकिस्तान को भारत ने दिया दूसरा दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को झटका दिया है। सिंधु नदी जल समझौते को स्थगित करने और पश्चिमी नदियों पर बनाई जाने वालीं जल विद्युत परियोजनाओं के डिजायन की व्याख्या करने वाले अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले से पाकिस्तान बहुत खुश था और उछल रहा था लेकिन भारत ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के कथित फैसले को यह कहकर खारिज कर दिया है कि यह उसके अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है।

अक्टूबर 2022 में, विश्व बैंक ने भारत की इस चिंता को स्वीकार करने के बावजूद कि दो जगहों पर एक ही समय एक ही मुद्दे पर कार्यवाही व्यावहारिक और कानूनी चुनौतियाँ पैदा कर सकती है, एक तटस्थ विशेषज्ञ और एक मध्यस्थता न्यायालय, दोनों की नियुक्ति की थी। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के बाद पाकिस्तान फिर से भारत के सामने गिड़गिड़ा रहा है कि सिंधु जल संधि को लागू किया जाए। दूसरी तरफ, भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता, तब तक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी।

दरअसल, पाकिस्तान पश्चिम की तीन नदियों (चिनाब, झेलम और सिंधु) पर बनाए जाने वाले नए रन-ऑफ-रिवर जलविद्युत

परियोजनाओं के लिए डिजाइन मानदंडों की व्याख्या करने वाले अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के फैसले से गदगद था और वह कहता फिर रहा था कि यह सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) पर उसके रुख को पुष्ट करता है, जिसे भारत ने पहलगाम हमले के बाद स्थगित कर दिया था। लेकिन अब भारत ने पाकिस्तान की खुशियों पर फिर से पानी फेर दिया है। भारत ने कभी भी मध्यस्थता न्यायालय को मान्यता नहीं दी है, जिसने कथित तौर पर यह फैसला सुनाया था कि भारत को पश्चिमी नदियों के पानी को पाकिस्तान के उपयोग के लिए बिना रोक-टोक और किसी प्रतिबंध के बहने देना चाहिए। भारत ने मध्यस्थता न्यायालय की जगह तटस्थ विशेषज्ञ तंत्र पर ध्यान केंद्रित किया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा था, भारत द्वारा स्थापित होने वाले जल विद्युत संयंत्र सिंधु जल संधि में निर्धारित आवश्यकताओं और निर्दिष्ट अपवादों के अनुरूप ही होना चाहिए, न कि भारत द्वारा आदर्श या सर्वोत्तम प्रथाओं के दृष्टिकोण के अनुरूप होना चाहिए। हालांकि, इस पर अभी भारत की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है और उसे बुधवार को आने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूत्रों ने पाकिस्तान को याद दिलाया है कि जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा और रतले परियोजनाओं पर लंबे समय से चल रहे विवादों के बीच सिंधु जल संधि में संशोधन की अधिसूचना पहले ही जारी कर दी गई थी। सूत्रों ने यह भी बताया कि भारत ने विश्व बैंक के उस फैसले को कभी स्वीकार ही नहीं किया, जिसमें एक ही मुद्दे पर तटस्थ विशेषज्ञ तंत्र और पाकिस्तान के आग्रह पर मध्यस्थता न्यायालय, दोनों को एक साथ सक्रिय किया गया था। यही कारण है कि संधि विवाद समाधान प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग की गई है।

केजरीवाल और सिसोदिया की याचिका पर सुनवाई 12 नवंबर तक टली

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज केस को रद्द करने की मांग कर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले की सुनवाई 12 नवंबर तक के लिए टाल दी गई है।

अपनी याचिका में केजरीवाल और सिसोदिया ने तर्क दिया कि ईडी ने इस मामले में केस चलाने के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली थी, इसलिए केस को रद्द कर देना चाहिए। वहीं ईडी की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने बताया कि केस चलाने की अनुमति ले ली गई थी और इस निचली अदालत में पेश भी किया गया था। आम आदमी पार्टी की वकील रेबेका जॉन ने ईडी के दावे का खंडन कर कहा कि नई अनुमति 14 फरवरी 2025 को रिकॉर्ड पर रखी गई थी, जिससे उनका मूल आधार नहीं बदलता। ईडी ने पिछले साल जुलाई में केजरीवाल के खिलाफ 7वीं चार्जशीट दायर की थी, जिस पर निचली अदालत ने 9 जुलाई को संज्ञान लेकर कहा था कि केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 6 नवंबर को फैसला सुनाया था कि सरकारी कर्मचारी पर सरकार की अनुमति के बिना मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) के तहत केस नहीं चलाया जा सकता। यह फैसला सीबीआई और राज्य पुलिस पर भी लागू होता है। इस फैसले के बाद ईडी ने दिल्ली के उपराज्यपाल से अनुमति मांगी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 12 नवंबर को होगी।

लुधियाना सेंट्रल जेल में आधी रात को हुई चेकिंग...15 मोबाइल फोन और 1 वाईफाई डोंगल मिला

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब की लुधियाना सेंट्रल जेल में बंद हवालाती किसी न किसी जुगाड़ से मोबाइल फोन बैरकों तक पहुंचा रहे हैं। इसके बाद जेल प्रशासन द्वारा अक्सर जांच-पड़ताल की जाती है, कई बार आधी रात को भी अचानक चेकिंग होती है। हाल ही में दो अलग-अलग मामलों में कुल 15 मोबाइल फोन और 1 वाईफाई डोंगल हवालातियों से बरामद हुए हैं। मामले में जेल प्रशासन ने थाना डिवीजन नंबर 7 में एफआईआर दर्ज करवा दी है। सहायक सुपरिटेंडेंट राजीव कुमार ने जेल के विभिन्न ब्लॉकों में अचानक चेकिंग अभियान चलाया, इसमें अलग-अलग बैरकों और बाथरूम की भी जांच की गई। इस जांच के बाद अधिकारियों को कुल 15 मोबाइल फोन मिले, जो विभिन्न कंपनियों के थे। वहीं एक वाईफाई डोंगल भी मिली है। बदमाश हवालाती वाईफाई डोंगल की मदद से जेल के अंदर से इंटरनेट का इस्तेमाल करते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी मोबाइल और वाईफाई डोंगल की मदद से किन लोगों के संपर्क में थे। जो मोबाइल सिम इनके मोबाइल से मिले है वह किन लोगों के नाम पर चल रहे है। बता दें कि मान सरकार में जेल मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर ने भी जेल का निरीक्षण कर प्रशासन को सख्त आदेश दिए थे कि जेल में आए दिन चैकिंग अभियान चलाते रहे। वहीं कई हवालातियों ने समस्याएं भी उन्होंने सुनी थी। पुलिस ने आरोपी अर्जुन भाटी, महम्मद अफजल, कमलजीत सिंह, शरणजीत सिंह, धन्जय उर्फ दीपू, अनीकेत बुरी पर धारा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

दिल्ली पुलिस आर्म सप्लायर सलीम पिस्टल को नेपाल से लाई भारत

-बिश्नोई, हाशिम बाबा गैंग को करता था हथियार सप्लाई, पाक से है कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के पहले दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। भारत के मोस्ट वांटेड आर्म सप्लायर सलीम पिस्टल को नेपाल से भारत लाया गया है। पुलिस की स्पेशल सेल सलीम पिस्टल को बुधवार को दिल्ली लेकर पहुंची। अब दिल्ली पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसी भी उससे पूछताछ करेगी। उसे जनकपुरी स्थित सेप्शल सेल दफ्तर में रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सलीम पिस्टल यूपी के कई बाहुबली से टच में था। पाकिस्तान से भारत आने वाले अत्याधुनिक हथियारों की खेप का सबसे बड़ा मास्टरमाइंड भी सलीम है। सलीम पिछले कई सालों से पाकिस्तान से हथियार की सप्लाई भारत में करवाता था। सलीम पिस्टल पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोपी का गुरु भी है। सुरक्षा एजेंसियों को सलीम के पाकिस्तान आईएसआई और डी कंपनी से लिंक के सुराग मिले हैं। सलीम पिस्टल साल 2018 में एक बार दिल्ली में गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद से वह विदेश भाग गया था। बता दें मुंबई के बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में भी सलीम पिस्टल का नाम सामने आया था। लॉरेश बिश्नोई, हाशिम बाबा समेत देश के कई गैंगस्टर को सलीम पाकिस्तान से आने वाले अत्याधुनिक हथियारों की खेप सप्लाई करता था। वह दिल्ली के सीलमपुर का रहने वाला है।

मूक-बधिर युवती के साथ गैंगरेप, मुठभेड़ के बाद दो आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में 22 वर्षीय मूक-बधिर युवती के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 11 अगस्त की रात बलरामपुर के बहादुरपुर देहात में एक 22 वर्षीय मूक-बधिर युवती के साथ गैंगरेप किया गया। पीड़िता रात करीब 8 बजे अपने नाना-नानी के घर से लौट रही थी, तभी युवती को अगवा कर एक सुनसान खेत में ले जाया गया। रात 9 बजे तक घर न पहुंचने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और फिर युवती को खेत में बेहोशी की हालत में पाया। इसके बाद तुरंत जिला महिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर है। घटना का पता तब चला जब पीड़िता का एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह परेशान हालत में सड़क पर भागती हुई दिख रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने तुरंत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबरों की मदद से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने अंकुर वर्मा (21) और हर्षित पांडे (22) को संदिग्धों के रूप में चिह्नित किया। बुधवार रात करीब 12:30 बजे, पुलिस ने दोनों संदिग्धों को बाहरी इलाके में देखा, जो कथित तौर पर नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस से सामना होने पर आरोपियों ने गोलीबारी की, जिसका पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में जवाब दिया। इस मुठभेड़ में दोनों संदिग्ध घायल हो गए, जिसके बाद उन्होंने आत्मसमर्पण कर अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस इस मामले में अन्य संभावित आरोपियों की भी जांच कर रही है और विशेषज्ञों की मदद से पीड़िता से मिली जानकारी को समझने का प्रयास कर रही है। यह मामला अभी भी पुलिस जांच के दायरे में है।

नशे की हालत में सीएचसी अधीक्षक ने डॉक्टर को जड़ा थप्पड़, वीडियो वायरल

प्रयागराज (एजेंसी)। जिले के कौड़िहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में विगत रात एक शर्मनाक घटना घटित हो गई जबकि अधीक्षक डॉ. अनुराग तिवारी ने कथित तौर पर शराब के नशे में जूनियर डॉक्टर के साथ मारपीट और अभद्रता की। घटना का वीडियो वायरल हो गया, जिसमें अधीक्षक लड़खड़ाते हुए जूनियर डॉक्टर रविंद्र पांडेय के पास जाते हैं और उसके चेहरे पर थप्पड़ मारते नजर आते हैं। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 10 बजे डॉ. अनुराग ने नशे में हंगामा किया, गालियां दीं और अस्पताल परिसर में खड़ी बाइक को लात मारकर गिरा दिया। फार्मासिस्ट पंकज सिंह भी उनके साथ मौजूद था और उसने भी शराब पी रखी थी। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जूनियर डॉक्टर हाथ जोड़कर बार-बार छोड़ने की गुहार लगा रहा है, लेकिन अधीक्षक अभद्रता जारी रखते हैं।

वर्ल्ड बैंक के डेटा से खुलासा, भारत में जनसंख्या में बढ़ोतरी पर लगा ब्रेक

-साउथ कोरिया, जापान, रूस, इटली में हालात खराब, जन्मदर काफी नीचे

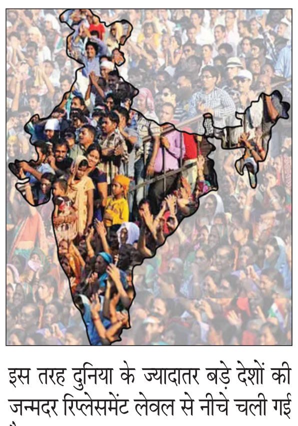

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश भी बन गया है। अब जनसंख्या में बढ़ोतरी पर अचानक ब्रेक लग गया है। इसका असर अगले कुछ दशकों में दिख सकता है। वर्ल्ड बैंक के 2023 के डेटा के मुताबिक भारत में आबादी की ग्रोथ अब हम दो हमारे दो की नीति से भी पीछे चला गया है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत में जन्मदर अब 1.98 है, जबकि रिप्लेसमेंट लेवल के लिए माना जाता है कि यह 2.1 होनी चाहिए। भारत में ऐसे परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिनके एक ही संतान है या फिर वह संतान पैदा नहीं करना चाहते। इसका असर अब दिखने लगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साउथ कोरिया, जापान, रूस, इटली जैसे देशों में हालात बदल गए हैं। यहां रिप्लेसमेंट लेवल से काफी नीचे जन्मदर चल गई है। हैरान करने वाला आंकड़ा साउथ कोरिया का है, यहां जन्मदर अब महज 0.72 है। इसका अर्थ है कि एक कपल अब औसतन एक बच्चा भी पैदा नहीं कर रहा है। इसके अलावा चीन में भी आंकड़ा 1 का है और जापान में यह 1.2 है। सिंगापुर में 0.97 है और अमेरिका में 1.62 और फ्रांस में 1.66 है। इस तरह दुनिया के ज्यादातर बड़े देशों की जन्मदर रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे चली गई है।

पूरी दुनिया में यह औसत 2.2 था, जो रिप्लेसमेंट लेवल से महज थोड़ा ही प्लस है। फिलहाल अफ्रीकी देशों और पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे देशों में ही जन्मदर रिप्लेसमेंट लेवल से काफी ज्यादा है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में घटती जन्मदर के चलते बाजार कमजोर पड़ने, श्रम शक्ति के कम होने और वृद्ध आबादी के ज्यादा बोझ की चिंता बढ़ रही है। यही कारण है कि जापान, रूस और चीन जैसे देश बच्चे पैदा करने पर सरकारी लाभों का भी ऐलान कर रहे हैं। इसके बाद भी लोग परिवार बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। साउथ कोरिया में तो अलग से एक मंत्रालय बनाया गया है, जो फैमिली प्लानिंग के मसलों पर काम करता है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को इंडी गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता उपराष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को बैठक कर सकते हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इंडिया ब्लॉक के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी और शाम को मतगणना भी होगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

भाजपा की ओर से थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार इस बीच, भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है। फिलहाल जिन नामों पर पार्टी में विचार चल रहा है, उसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। अन्य नाम सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी है।

लोकसभा और राज्यसभा का गणित

लोकसभा में कुल 542 सदस्यों में से एनडीए के पास 293 और इंडी गठबंधन के पास 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में 240 सदस्यों की प्रभावी संख्या में से एनडीए को करीब 130 और इंडी गठबंधन को 79 सांसदों का समर्थन है।

कुल मिलाकर एनडीए के पास 423 और इंडिया ब्लॉक के पास 313 सांसदों का समर्थन है।

गहलोत अभी कर्नाटक के राज्यपाल हैं। 77 वर्षीय गहलोत राज्यसभा में सदन के नेता रह चुके हैं साथ ही केंद्रीय मंत्री का पद भी संभाल चुके हैं। भाजपा में वे सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं। जातीय समीकरण (दलित) में भी वे फिट बैठते हैं। वे मध्य प्रदेश से हैं। उनके पास प्रशासनिक अनुभव भी है।

वहीं ओम माथुर अभी सिक्किम के राज्यपाल हैं। 73 वर्षीय माथुर पार्टी के कद्दावर नेता हैं और राजस्थान से आते हैं। वे गुजरात के चुनाव प्रभारी तब रहे हैं, जब पीएम मोदी वहां

के मुख्यमंत्री थे। वे मोदी के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी करीबी हैं। माथुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक रह चुके हैं। हरिवंश नारायण सिंह का जन्म 30 जून 1956 को यूपी के बलिया के सिताबदियारा गांव में हुआ। पेशे से पत्रकार रहे। 2014 में जदयू के टिकट पर बिहार से राज्यसभा सांसद चुने गए।

यूपी में बर्ड फ्लू का प्रकोप : रामपुर में 15,000 मुर्गियों की मौत, पूरे राज्य में अलर्ट

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में बर्ड फ्लू (एच5एन1) का गंभीर प्रकोप देखने को मिला है, जहाँ सीहोर गाँव के एक पोल्ट्री फार्म में करीब 15,000 मुर्गियों की मौत हो गई है। यह जानकारी बरेली के भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) और भोपाल की हाई-सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लेबोरेटरी (एचएसएडीएल) में भेजे गए नमूनों में वायरस की पुष्टि होने के बाद सामने आई है। इसके बाद योगी सरकार ने पूरे रामपुर जिले में अगले तीन हफ्तों तक चिकन और अंडों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। साथ ही प्रभावित पोल्ट्री फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को सील कर दिया गया है, जबकि 10 किलोमीटर के क्षेत्र को निगरानी जोन घोषित किया गया है। संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए मृत पक्षियों को बड़े गड्ढों में डालकर दफनाया जा रहा है। सुरक्षा मानकों के तहत इन गड्ढों को चूने और केमिकल से ढकने की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है, ताकि वायरस के फैलाव को पूरी तरह से रोका जा सके।

एसआईआर विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने बिहार को बदनाम करने पर भी नाराजगी जाहिर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मामले की सुनवाई कर कहा कि एसआईआर वोटर फ्रेंडली है और यह वोटरों के खिलाफ नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार को बदनाम करने पर भी नाराजगी जाहिर की। विशेष रूप से प्रशासनिक सेवाओं में बिहार मूल के लोगों की भारी उपस्थिति के संदर्भ में।

दरअसल एसआईआर को लेकर बुधवार को दूसरे दिन सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई चल रही थी। तभी अभिषेक मनु सिंघवी इस मामले को लेकर अलग-अलग दलीलें दे रहे थे। तभी जस्टिस बागची ने सिंघवी से कहा कि उनका आधार बहिष्कार का तर्क समझ में आता है, लेकिन अन्य दस्तावेजों की संख्या का मुद्दा वास्तव में मतदाताओं के अनुकूल है और उनके खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि नागरिकता

साबित करने वाले दस्तावेजों की संख्या पर भी विचार किया जाना चाहिए।

बता दें, बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर बदलाव का मामला चर्चा में है। चुनाव आयोग ने 65 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाने का प्रस्ताव रखा, जिसमें 22 लाख मृत, 36 लाख स्थानांतरित, और 7 लाख दोहरे पंजीकरण वाले मतदाता शामिल हैं। विपक्षी दलों ने आयोग की इस कार्रवाई को 'वोट चोरी' और बीजेपी के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में बिहार की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई जारी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनीं। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन और डॉ.सिंघवी ने याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा। जबकि राकेश द्विवेदी ने चुनाव आयोग का बचाव किया।

सिंघवी ने लाल बाबू हुसैन मामले का हवाला देकर कहा कि पूर्व में मतदाता सूची में शामिल लोगों को हटाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन जरूरी है। उन्होंने चुनाव आयोग की गाइडलाइंस का जिक्र कर कहा कि आयोग ने पहले झारखंड में भी यही रुख अपनाया था।

बंगाल में मेरा पड़ोस, मेरा समाधान प्रोजेक्ट को मिल रही बड़ी सफलता: ममता

प्रोजेक्स का मकसद, सरकार सीधे जनता की जरूरतों के मुताबिक काम कर सके

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने राज्य में चल रहे मेरा पड़ोस, मेरा समाधान प्रोजेक्ट की अब तक की प्रगति की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट को पूरे राज्य में लोगों का समर्थन मिल रहा है और लाखों लोग इससे जुड़ रहे हैं। सीएम ममता के मुताबिक मंगलवार शाम तक के आंकड़े के मुताबिक अब तक 14,265 बूथ कवर किए गए हैं और कुल 80,681 बूथ कवर किए जाना हैं। इसके तहत 28,753 कैंप लगाए जाने हैं, जिनमें से अब तक 5,428 कैंप लगाए जा चुके हैं। अब तक कैंप में भाग लेने वाले लोगों की संख्या 29,51,164 है। प्रति कैंप औसतन प्रतिभागी 544 लोगों की है। अब तक प्राथमिकता के आधार पर चुने गए प्रोजेक्ट 1,36,415 हैं।

सीएम ममता ने एक्स पोस्ट के जरिए बताया कि अब तक करीब 30 लाख लोग इन कैंपों में शामिल हुए हैं, जो इस योजना की सफलता का बड़ा प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि बंगाल के लोगों ने इस प्रोजेक्ट को दिल से अपनाया। यह हमारी सरकार की जनसेवा और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में जुटे सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की मेहनत की सराहना की।

सीएम ममता ने कहा कि मैं उन सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देती हूं, जो दिन-रात मेहनत कर इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में लगे हैं। मेरा पड़ोस, मेरा समाधान प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समाधान करना और प्राथमिकता के आधार पर जरूरी प्रोजेक्ट शुरू करना है। इसके तहत प्रदेश भर में कैंप लगाकर लोगों से उनकी समस्याएं और सुझाव लिए जा रहे हैं, ताकि सरकार सीधे जनता की जरूरतों के मुताबिक काम कर सके।

बदलने लगा मानसून का स्वभाव: अब लंबे समय तक टिके रहने के पड़ रही है आदत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमूमन एक जून को भारत में आने वाला मानसून 15 अक्टूबर तक रहता है। इसके बाद विदा हो जाता है। लेकिन अब मानसून को थोड़ा ज्यादा टिकने की आदत पड़ रही है। एक दशक में 1.6 दिन ज्यादा रुकने लगा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिकों ने 1971 से 2020 के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस अध्ययन से पता चला है कि मॉनसून की अवधि हर दशक औसतन 1.6 दिन बढ़ रही है। यानी अब मॉनसून पहले से ज्यादा देर तक रहता है। इसकी विदाई भी देर से होती है। सामान्य तौर पर मॉनसून 1 जून को केरल में शुरू होता है। 15 जुलाई तक पूरे भारत में फैलता है। 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक वापस चला जाता है। लेकिन अब यह समय बढ़ रहा है, खासकर उत्तर-पश्चिम भारत से विदाई में देरी हो रही है।

अध्ययन में पाया गया कि मॉनसून के सक्रिय दिनों की संख्या भी हर दशक 3.1 दिन बढ़ रही है। जून से सितंबर के बीच होने वाली बारिश साल की कुल बारिश का 75 प्रतिशत होती है, जबकि जून से अक्टूबर तक यह 79 प्रतिशत तक पहुंचती है। 1971-2020 के बीच बारिश के आंकड़ों में अंतर भी दिखा। खास तौर पर जून से अक्टूबर तक की बारिश फसलों पर ज्यादा असर डालती है, जो खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। मॉनसून अब सिर्फ मौसम का मुद्दा नहीं, बल्कि नीति बनाने का भी विषय बन गया है। सिंचाई, जलाशयों का प्रबंधन, और खाद्य सुरक्षा रणनीति को इसके हिसाब से बदलना होगा। मौसम विज्ञानियों, कृषि विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को मिलकर नई योजनाएं बनानी चाहिए, जो इस बदलते मानसून के साथ तालमेल बिठा सकें। वैज्ञानिकों का कहना है कि मॉनसून के बदलते स्वरूप को समझने के लिए और गहराई से अध्ययन की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पेड़ लगाना, प्रदूषण कम करना और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देना जरूरी है। किसानों को नई तकनीक और बीज उपलब्ध कराने चाहिए, ताकि वे बदलते मौसम का सामना कर सकें। मॉनसून की देरी और लंबी अवधि खेती की समय-सारणी को बिगाड़ सकती है। बुवाई और कटाई का समय गड़बड़ा सकता है, जिससे किसानों को नुकसान हो सकता है। ज्यादा बारिश से बाढ़ और कम बारिश से सूखा का खतरा बढ़ रहा है। यह बदलाव जल प्रबंधन, बांधों की योजना और खाद्य भंडारण पर भी असर डालता है। उत्तर-पश्चिम भारत में देर से विदाई होने से वहां की फसलों को और चुनौती मिल रही है।

क्यों हो रहा यह बदलाव?

वैज्ञानिकों का मानना है कि क्लाइमेट चेंज और बढ़ते तापमान इसके पीछे की बड़ी वजह हैं। 1986 से 2015 के बीच भारत का औसत तापमान हर दशक में 0.15 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। आने वाले सालों में यह और तेज हो सकता है। ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल (सीएमआईपी6) के अनुसार, तापमान में

एक डिग्री की बढ़ोतरी से मानसून की बारिश में 6 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। अल नीनो (समुद्री तापमान में बदलाव) भी बारिश के पैटर्न को प्रभावित कर रहा है।

ब्रीफकेस में गांजा छिपाकर पश्चिम बंगाल से लाती थी महिला, गिरफ्तार

नई दिल्ली। अपराध शाखा ने पश्चिम बंगाल व ओडिशा से गांजा लाकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करने वाली महिला अर्चन मन्ना को गिरफ्तार किया है। वह गांजे को ब्रीफकेस में छिपाकर ट्रेन के जरिये लाती थी। उसके कब्जे से ब्रीफकेस में रखा 12 पैकेटों में पैक 12.55 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाला गांजा बरामद किया गया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक करोड़ रुपये से अधिक है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि आरोपी महिला व उसके गिरोह के साथी गांजा सप्लाई करने के लिए विशेष एप का इस्तेमाल करते थे। इस एप से कॉल लॉग को तुरंत डिलीट कर दिया जाता था। आरोपी के फोन में गांजा खरीदते समय उसकी गुणवत्ता के बारे में बात करते हुए वीडियो मिले हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि महिला एसआई रंजना को ओडिशा-पश्चिम बंगाल-दिल्ली मार्ग से दिल्ली में ट्रेन के माध्यम से गांजा की आपूर्ति में शामिल व्यक्ति के बारे में 16 जून को सूचना मिली। इंस्पेक्टर पवन कुमार व महिला एसआई रंजना की टीम ने आरोपी महिला पर कश्मीरी गेट रेलवे स्टेशन पर नजर रखना शुरू किया। आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर रेलवे प्लेटफॉर्म से निकल गई थी। अर्चन मन्ना को उसकी बेटी व बेटी के बच्चों के साथ आश्रम फ्लाईओवर पर एक ऑटो में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह अपने घर गोविंदपुरी जा रही थी। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर गिरोह के अन्य बदमाशों की जानकारी जुटा रही है। मूल रूप से कोलकाता निवासी आरोपी अर्चना मन्ना के पति का देहांत 20 साल पहले हो गया था। वह 2014 में अपने चाचा के साथ दिल्ली आई और यहां काम करने लगी। गोविंदपुरी में रहने वाली उसकी एक सहेली के माध्यम से उसे गांजा सप्लाई पर आसानी से पैसे कमाने के बारे में पता चला। उसे प्रत्येक सप्लाई के लिए 10,000 रुपये की पेशकश की गई थी। जून 2025 में उसने गांजा सप्लाई शुरू कर दी थी।

एनजीओ के भरोसे है लावारिस कुत्तों को पकड़कर नसबंदी कराने का काम

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। राजधानी में लावारिस कुत्तों को पकड़ने की पूरी जिम्मेदारी फिलहाल गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के कंधों पर है। एमसीडी इनके माध्यम से कुत्तों की नसबंदी करवाता है और उन्हें पकड़ने में इनकी मदद लेता है। एमसीडी के पास खुद वाहन और कर्मचारी हैं, लेकिन संख्या बेहद कम होने के कारण बड़ी संख्या में शिकायतें आने पर उसको एनजीओ पर ही निर्भर रहना पड़ता है। एमसीडी ने कुत्तों की नसबंदी के लिए 20 केंद्र बना रखे हैं, जिनमें से फिलहाल 13 केंद्रों पर काम चल रहा है। यह सभी केंद्र एनजीओ की देखरेख में संचालित हो रहे हैं। एमसीडी अधिकारियों के मुताबिक तीनों नगर निगम के एकीकरण के बाद वर्ष 2022-23 में 60 हजार कुत्तों की नसबंदी की गई थी। उसके बाद वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 80 हजार तक पहुंचा, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1.30 लाख कुत्तों की नसबंदी की गई। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक अप्रैल से 31 जुलाई तक ही 40 हजार कुत्तों की नसबंदी हो चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान प्रतिमाह लगभग 10 हजार कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी की जा रही है। वर्तमान नियमों के तहत नसबंदी के बाद कुत्तों को उसी इलाके में छोड़ दिया जाता है, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के सोमवार को आए आदेश ने स्थिति बदल दी है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि कुत्तों को पकड़ कर शेल्टर में रखा जाए। इस आदेश को लागू करने के लिए एमसीडी को बड़े पैमाने पर संसाधन जुटाने होंगे। इसका मतलब है कि अब न सिर्फ कुत्तों को पकड़ना और नसबंदी करना होगा, बल्कि उनके लिए स्थायी या दीर्घकालिक आश्रय स्थलों की भी व्यवस्था करनी होगी। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा ढांचे और संसाधनों के आधार पर यदि सिर्फ एनजीओ पर निर्भर रहा जाए तो सभी कुत्तों को पकड़ने और नसबंदी करने में कई साल लग जाएंगे। इस कारण उसका अपनी टीम बढ़ानी होगी, वाहन बढ़ाने होंगे और नसबंदी केंद्रों की क्षमता में विस्तार करना होगा। एमसीडी के सामने अब दोहरी चुनौती है। पहली, तेजी से नसबंदी अभियान चलाकर कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण पाना और दूसरी, कोर्ट के आदेश के तहत उनके लिए पर्याप्त आश्रय स्थलों की व्यवस्था करना। सुप्रीम कोर्ट के सोमवार को आए आदेश के मद्देनजर एमसीडी ने लावारिस कुत्तों को पकड़कर सुरक्षित रखने के लिए काम शुरू कर दिया है। पशु विभाग फिलहाल ऐसे स्थानों की तलाश में जुटा है जो खाली हो और अगले कुछ वर्षों तक अन्य किसी काम में उपयोग होने की संभावना नहीं है। इन स्थानों को अस्थायी रूप से कुत्तों को रखने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। एमसीडी के सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार से भी ऐसे स्थल उपलब्ध कराने पर बातचीत शुरू की गई है, जहां बड़ी संख्या में पकड़े गए कुत्तों को अस्थायी रूप से रखा जा सके। बताया जा रहा है कि कुत्तों को पकड़ने का अभियान आने वाले दिनों में मौजूदा गति से कहीं अधिक तेज होगा। सुप्रीम कोर्ट ने एमसीडी को आठ सप्ताह में 5,000 कुत्ते पकड़ने का लक्ष्य दिया है, जिसे पूरा करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। स्वतंत्रता दिवस समारोह को देखते हुए फिलहाल एमसीडी की सभी टीमें लाल किले और उसके आसपास के इलाकों में केंद्रित हैं। केंद्र सरकार ने सुरक्षा कारणों से इस क्षेत्र से कुत्तों को तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, विशेष अभियान के तहत सबसे पहले उन कुत्तों को पकड़ा जाएगा जिनके बारे में स्थानीय लोगों की ओर से शिकायतें दर्ज कराई जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के मद्देनजर लाल किला और आसपास के क्षेत्रों में कुत्तों की मौजूदगी पर सख्ती से कार्रवाई हो रही है। यहां से मंगलवार को 60 कुत्ते पकड़े हैं। इसके बाद अभियान पूरे शहर में चलाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, अभी जो अभियान चल रहा है उसमें प्रतिदिन सीमित संख्या में कुत्ते पकड़े जा रहे हैं। आने वाले दिनों में टीमों की संख्या और पकड़ने की गति बढ़ाई जाएंगी। इसके लिए अधिक वाहन, पिंजरे और प्रशिक्षित स्टाफ की व्यवस्था की जा रही है। उनका कहना है कि आठ सप्ताह में पांच हजार कुत्ते पकड़ने का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल नहीं है, क्योंकि एमसीडी ने गत चार माह में करीब 40 हजार कुत्ते पकड़े हैं। उनके समक्ष पकड़े जाने वाले कुत्तों को रखने और उनके खाने की व्यवस्था करना चुनौती है। इसी वजह से एमसीडी ऐसे स्थानों की तलाश में है, जहां न केवल कुत्तों को रखा जा सके। इस बीच नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने भी घोषणा की है कि वह बुधवार से आवारा कुत्तों को पकड़ने का अभियान शुरू करेगी। एनडीएमसी का फोकस सरकारी दफ्तरों, बाजारों और पार्कों के आसपास के क्षेत्रों पर रहेगा।

देर रात फाइनेंसर पर चली ताबड़तोड़ गोलियां

पूर्वी दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस को लेकर दिल्ली पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद होने के दावे किए जा रहे हैं। मंगलवार को इन दावों को ताक में रखकर बदमाशों ने एक फाइनेंसर पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गनीमत यह रही कि फाइनेंसर शिवम शर्मा (28) ने किसी तरह अपनी जान बचाई। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग निकले। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। शिवम शर्मा का बयान लेकर पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। शिवम ने दावा किया है कि उसने ब्याज पर सोनू और उसकी पत्नी शीतल को 25 लाख रुपये दिए हुए थे। बार-बार मांगने पर भी वह रुपये वापस नहीं कर रहे थे। मंगलवार को इसी बात पर उसका दंपती से विवाद हुआ था। देर रात शादाब, हर्षु और रमन नामक लड़कों ने उस पर जानलेवा कर दिया। क्राइम टीम और एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। सीसीटीवी कैमरों से पुलिस पड़ताल कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिवम पर दो राउंड गोलियां चलीं, वहीं शिवम सात से आठ गोली चलने की बात कर रहा है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10.53 बजे उनकी टीम को गीता कालोनी के ताज एंक्लेव के पास गोली चलने की सूचना मिली। खबर मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पीड़ित ओल्ड अर्जुन नगर निवासी शिवम से बातचीत हुई तो उसने रुपयों की लेनदेन में गोली चलने की बात की। शिवम ने बताया कि कुंदन नगर निवासी सोनू एम्स में डॉक्टर है। उसने काफी समय पहले उससे 25 लाख रुपये ब्याज पर लिए थे। अब वह पैसे नहीं लौटा रहा था। शिवम ने बताया कि मंगलवार को जगतपुरी लाल बत्ती पर वह अपने दोस्त जतिन नागपाल के साथ था। वहां उसकी शीतल और सोनू से रुपयों को लेकर बहस हुई थी। रात 10.30 बजे शिवम व जतिन बातचीत के लिए सोनू के पास आए थे। वहां पर शादाम, हर्षु व रमन पहले से मौजूद थे। बातचीत के दौरान अचानक शादाब ने पिस्टल निकालकर गोलियां चलाना शुरू कर दीं। बाद में वह अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

तालड़ा गांव में ग्रेनो प्राधिकरण ने खाली कराई 100 करोड़ की जमीन

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से मंगलवार को तालड़ा-झालड़ा गांव में वर्क सर्कल -8 के अन्तर्गत जेसीबी चला कर अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान करीब 50 हजार वर्ग मीटर अधिसूचित क्षेत्र को खाली कराया गया। इस दौरान टीम को विरोध का भी सामना करना पड़ा। सुरक्षा के लिए ऐसे में दनकौर कोतवाली की पुलिस मौजूद रही। महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया, ग्राम ताल?ा के खसरा संख्या 270, 286 व 292 की जमीन प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में है। अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण की अनुमति के बिना निर्माण नहीं किया जा सकता है। इसके बावजूद कालोनाइजर चोरी-छिपे प्लॉटिंग कर रहे थे। प्राधिकरण ने अवैध निर्माण तोड़ने के लिए नोटिस जारी किया, लेकिन कोई असर नहीं प?ा। अधिसूचित जमीन पर अवैध रूप से कालोनी काटने का काम हो रहा था। यहां हुए अवैध निर्माण तोड़ने के बाद करीब 100 करो? रुपये की जमीन खाली कराई गई है। सुबह करीब 7 बजे से कार्रवाई शुरू हुई और तीन घंटे तक चली। इस कार्रवाई में 5 जेसीबी और 3 डंफरों का इस्तेमाल किया गया। एसीईओ सुमित यादव ने अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी है कि अधिसूचित क्षेत्र में अनुमति के बिना या फिर बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ क?ी कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण करने वालों ने सीवर लाइन और सड़क के एक हिस्से पर अतिक्रमण कर रखा था। क्षेत्र में सीवर लाइन तथा सड़क बनाने का कार्य चल रहा था। इसमें अतिक्रमण के चलते अवरोध आ रहा था। इस दौरान प्राधिकरण के ओएसडी एस आर रामनारायण सिंह, जीएम एसआर एके सिहं, वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह, नरोत्तम सिंह मौजूद रहे।

NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Mr. Raj Kumar Bansal is the owner of Property bearing municipal old no. 14 and New no. 15, area measuring 85.97 Sq. mtrs., Colony known as Malpura, in the municipal limits, Khurja, Pargana and Tehsil Khurja, Distt. Bulandhshahar, U.P. vide Sale Deed dated 03.01.2015 executed by Mr. Sanjay Kumar and Mrs. Sadhna in favour of Mr. Raj Kumar Bansal in respect of the said property, as Doc. no. 168, That Original Family GPA dated 08.10.2013 executed by Mr. Manish Kumar, Mr. Ramakant and Mrs. Rekha in favour of Mr. Sanjay Kumar all L'rs of Late Mrs. Satywati in respect of the said property. As doc no. 12987 was lost on 10/11/2009 duly reported to Police as per Police complaint dated 13/08/2025, LR No. 3110518/2025 in the P.S. Crime Branch, Delhi. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 13/8/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients Smt. Rinku, Smt. Reena and Sh. Uttam Kumar are the owners of Property No. B-207, area of 260 sq. yds., Khasra No. 535, Nawada, Delhi, Mohan Garden, in Block-B, Uttam Nagar, New Delhi. That, original owner Sh. Rattan Singh, Sh. Sube Singh executed GPA dated 18.06.1984 in favour of Sh. Sabha Chand and Sh. Ram Chander, Later, GPA, ATS dated 10.12.1986 executed by Sh. Rattan Singh, Sh. Sube Singh, Sh. Subha Chand, Sh. Ram Chander in favour of Sh. Balwan Singh, Later, who executed Sale Deed dated 25.09.2003 in favour of Sh. Krishan Kumar Gahlot, as Doc. No. 14670., Later, who executed Sale Deed dated 10.11.2003 in favour of Smt. Rinku, Sh. Sanjeev Kumar and Sh. Uttam Kumar as Doc. No. 16530, later, Sh. Sanjeev Kumar died on 30.10.2011 leaving behind legal heirs Smt. Reena, Nancy Gahlot and Sh. Prateek Gahlot. finally, Relinquishment Deed 01.02.2019 executed by Miss Nancy Gahlot and Sh. Prateek Gahlot in favour of Smt. Reena, as Doc. No. 2803. (as per this Document the said colony falls under the Unauthorized Colony vide Order dated 24.07.2013 and provisionally regularised colony), that (1) Original and Copy of GPA, ATS, Will and sale receipt dated 18.06.1984 executed by Sh. Rattan Singh & Sh. Subhey Singh in favour of Sh. Sabha Chand and Sh. Ram Chander and (2) Original ATS, Will and Receipt dated 10.12.1986 executed by Sh. Rattan Singh, Sh. Sube Singh, Sh. Subha Chand and Sh. Ram Chander in favour of Sh. Balwan Singh was lost on 09/04/2001 duly reported to police Station P.S. Crime Branch, Delhi LR No:3110935/2025 as per police complaint dated 13/08/2025. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Mahindra & Mahindra Financial Services Limited Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 13/8/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE

I hitherto known as KABUTARI DEVI alias KASTURI DEVI W/O MUNSHI LAL YADAV R/O L-1st, 2574/3 Asthal Mandir Ekta Chowk, Sangam Vihar, South Delhi, Delhi-110062, have changed my name and shall hereafter be known as KASTURI DEVI.

नाम परिवर्तन

मेरा नं.-2707649, रैंक-नाइक, नाम-खेमराज मेहला, निवासी-ग्राम-बांसड़ा मेहरान, पोस्ट-कुचील, तहसील-किशनगढ़, जिला-अजमेर, (राजस्थान)-305811 मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पिता का नाम नन्द राम जाट दर्ज हो गया है जबकि मेरे पिता के सिविल दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम नन्द राम है मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पिता का नाम नन्द राम दर्ज करवाना चाहता हूँ।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Deepak Sharma S/O PARMOD KUMAR SHARMA, R/O A-1/373, ROHINI SECTOR 6, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110085, declare that name of my father has been wrongly written as Promod Kumar Sharma in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is PARMOD KUMAR SHARMA,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, DEEPAK PAWAR S/o GANGA RAM R/o B-81/5, Deep Vihar, Phase-1, Block-B, Pehlad Pur Bangar, PO: Pehlad Pur Bangar, Dist. North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as DEEPAK and DEEPA in my minor son namely LAVISH PAWAR aged 17 years in his 10th class Educational Documents, and name of mine has been wrongly written as DEEPAK in his Aadhaar Card No. 2141 5382 7417 and SC Caste Certificate No. SC/1/908/2393/ 2/9/2013/905 19089076091/1376. The actual name of mine and my wife are DEEPAK PAWAR and DEEPA PAWAR respectively.

NAME CHANGE

I, PROMILA GUPTA W/O AMIT GOYAL residing at F-184/LG-1 DILSHAD COLONY DELHI-110095. have changed my name to JIYA GOYAL for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल पवित्रा शर्मा पुत्री स्वर्गीय J. P. शर्मा R/O G-56, गली नम्बर 8/3, संगम विहार, नई दिल्ली-110080 ने अपने भतीजे कुलदीप शर्मा को दिनांक 13/08/2025 से पहले की गयी वसीयत मेरे मुवक्किलों के प्रति उसके दुर्व्यवहार/कदाचार के कारण अपने भतीजे कुलदीप शर्मा को वसीयत से विघटित कर दिया है और मेरे मुवक्किल पवित्रा शर्मा ने अपने भतीजे कुलदीप शर्मा से सभी संबंध तोड़ दिए हैं मेरे मुवक्किल पवित्रा शर्मा द्वारा की गयी वसीयत आज दिनांक 13/08/2025 से प्रभावहीन मानी जाये

MUKESH KUMAR
ADVOCATE
CH.NO.80 LAWYERS BLOCK
SAKET COURT, COMPLEX
NEW DELHI-110017
Mob.9717018997

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my clients **Shankar Kumar Singh** is purchasing the Plot no. 304, admeasuring 100 Sq. yards, out of Khasra no. 531, situated in the revenue estate of village Nawada Mazra Hastsal, Delhi abadi Known as Mohan Garden, in Block-B, Uttam Nagar, New Delhi- 110059 from Mrs. Seema Tayal who is the owner of the abovementioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 31.03.2004 and Intend to mortgage the said property with **AAVAS FINANCIERS LIMITED.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

It is for general information that I, VISHEMBER S/O RAM SNEHI R/o A-543, A-Block, Pucca, Shahbad Dairy, Sahibabad Daulat Pur, PO: Samai Pur, Dist.:North West Delhi, Delhi-110042 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as BISHAMBER and USHA in my minor daughter NAINA aged 14 years in her School Records. The actual name of mine and my wife are VISHEMBER and USHA DEVI respectively.

NAME CHANGE

I hitherto known as Pradeep Kumar alias Pradyumna Kumar Swain S/O: Prabhakar Swain , R/O Hno-195/3 Daulatpur Bhatiya Mod Jay Prakash Nagar , Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, Have changed my name and shall hereafter be known as PRADYUMNA KUMAR SWAIN .

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Kanika Sharma D/O PARMOD KUMAR SHARMA, R/O A-1/373A, ROHINI SECTOR 6, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110085, declare that name of my father has been wrongly written as Promod Kumar Sharma in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is PARMOD KUMAR SHARMA,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I EHSHAN S/O MOHAMMAD WAZIR R/O B-300 STREET N0-3, OLD MUSTAFABAD DELHI-110094 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD AHSAN FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, ALKA D/O ROBERT SAMUEL R/ O FLAT NO-2 TH/F, PLOT NO-A-67, KH NO-3/22,23, A-BLK SAINIK NAGAR, UTTAM NAGAR, D K MOHAN GARDEN, WEST DELHI-110059 HAVE CHANGED MY NAME TO ALKA WILLIAM FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, PAWAN SINGH S/o KALVINDER SINGH, R/o House No.76, Ambedkar Nagar, Haiderpur, Shalimar Bagh, Po. Shalimar Bagh Dist. North West Delhi Delhi-110088 declare that name of mine and my father have been wrongly written as PAWAN PASWAN and GUDDU PASWAN in my all Educational Documents and pan card No.GKQPP9746G The actual name of mine and my father are PAWAN SINGH and KALVINDER SINGH respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as NEERAJ SAINI alias SANJU S/O Swami, R/o Rajeev puram colony, dasna, Adhyatmic Nagar, PO: Adhyatmic Nagar B.o, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201015, have changed my name and shall hereafter be known as SANJU.

NAME CHANGE

I hitherto known as Ayush kumar S/o Premchand R/o H-199, Aam Wali Colony Akash Nagar, Indergarhi Dasna Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Vishu.

NAME CHANGE

I Yogendra Tyagi S/o Om Dutt Tyagi R/o H.No-162, Asalatpur Farakh Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201003 have changed the name of my minor son IChitransh Tyagi aged 12 years and he shall hereafter be known as Chitransh Tyagi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Diksha D/O Ashok Kumar Saini, R/O P.O. KHETRI NAGAR TEHSIL KHETRI, MANOTA KHURD, PO: Khetri Nagar, DIST: Jhunjhunun, Rajasthan - 333504, Present adress SF Qtr no 48/4 old chitral line Sadar Bazar Delhi Cantt -110010 , declare that name of my mother has been wrongly written as Kiran Devi in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother is KIRAN DAHIA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Kiran Dahia W/O Ashok Kumar Saini ,R/O P.O. KHETRI NAGAR TEHSIL KHETRI, MANOTA KHURD, PO: Khetri Nagar, DIST: Jhunjhunun, Rajasthan - 333504, Present adress SF Qtr no 48/4 old chitral line Sadar Bazar Delhi Cantt -110010, declare that name of mine has been wrongly written as Kiran Saini in my minor son namely Priyanshu aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is KIRAN DAHIA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Kishori Yadav S/O Harendra Yadav, R/O D-96, LALITA MARG, Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092,have changed the name of my minor daughter namely Nippi Kumari aged15 years and she shall hereafter be known as SUJITA KUMARI.

NAME CHANGE

It is for general information that I KALU RAM S/o BASU DEV R/o 32/20, Block – 32, Gali No. 8, Bhikam Singh Colony, Vishwas Nagar, Shahdara, East Delhi, Delhi - 110032 declare that name of mine and my Father has been wrongly written as KALU and B DEV in my Driving License No. DL1RQ 2466. The actual name of mine and my Father are KALU RAM and BASU DEV which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I MAMTA DEVI W/o MONTO, R/o House No. 227, Gali No. 14, Ajeet Vihar, Mandir Marg, Kamal Pur Majra Burari, North Delhi, Delhi - 110084 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as MAMTA and MONTU in my minor Daughter namely KRITIKA, aged 15 year in her School Record. The actual name of mine and my husband are MAMTA DEVI and MONTO respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I MANISH S/o RAJU YADAV, Residing at E-15/ 44-45, Sector -8, Rohini, PO: Rohini Sector - 7, Dist: North West Delhi, Delhi-110085, declare that name of my Mother has been wrongly written as KIRAN in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Mother is DINA YADAV, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SAD AHMAD S/O MOHD SALIM R/O H NO-A-652, GALI NO-13, NEAR CHOTI MASJID, MANDOLI VILLAGE, MANDOLI, NORTH EAST, DELHI-110093 HAVE CHANGED MY NAME SAD AHMED FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAM BABOO SINGH alias RAM BABU SINGH, S/o Soran Singh, H.N.57, Ground Floor, Gyan Khand 4, Indirapuram, PO: Shipra Sun City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, have changed my name and shall hereafter be known as RAM BABU SINGH

NAME CHANGE

I EHSHAN S/O MOHAMMAD WAZIR R/O B-300 STREET N0-3, OLD MUSTAFABAD DELHI-110094 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD AHSAN FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, AYISHA MALAPUR Wife of No. 16127936K Rank-SPR Name-GANISAHEB NAIKODI Presently residing at BUDNI P D, MAHALINGAPUR, DIST-BAGALKOT, KARNATAKA-587312, have changed my name from AYISHA MALAPUR to AYISHA NAIKODI for all future purposes vide Affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I,MOHD ASLAM S/O NASRUDDIN residing at H.NO.-C-17,STREET NO-10 OLD MUSTAFABAD DAYALPUR DELHI-110094. have changed my name to ASLAM MALIK for all future purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, BIPUL BISWAS Father of No-14849157F Rank-L/NK Name-BIPLAB BISWAS Presently residing at VILL-KHALSI, PO-LASKARHAT, TEH-BALURGHAT, DIST-DAKSHIN DINAJPUR, POLICE STATION-TAPAN, WEST BENGAL-733127, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 16/07/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide Affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, BASANA BISWAS Mother of No-14849157F Rank-L/NK Name-BIPLAB BISWAS Presently residing at VILL-KHALSI, PO-LASKARHAT, TEH-BALURGHAT, DIST-DAKSHIN DINAJPUR, POLICE STATION-TAPAN, WEST BENGAL-733127, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 07/05/1967 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 vide Affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, VANDANA TIWARI Wife of RAJESH KUMAR TIWARI Presently residing at VPO-JANKHAI KALAN, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486223, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/03/1983 instead of my correct date of birth as 06/03/1983 vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, MADHYA PRADESH.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Shyam Tyagi alias Shyam Singh Tyagi S/O Vikram Singh Tyagi R/O 114/B, D.D.A FLAT, MANSAROVER PARK SHAHDARA Shahdara East Delhi Delhi- 110032,have changed my name and shall hereafter be known as Shyam Singh Tyagi.

NAME CHANGE

I hitherto known as MEHTAB ANAND S/O SATISH CHAND ANAND R/O House No. 12-B, 16 Alipur Road Anand Vihar, Civil Lines, North Delhi, Delhi – 110054 have changed my name and shall hereafter be known as MEHTAB CHAND ANAND.

NAME CHANGE

It is for general information that I MOHD. SHOAIB S/o MOHD. AHMED, R/o C-8, C- Block, Village Gokalpur, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi - 110094 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as MD SHOAIB and CHANDNI in my minor Daughter namely FAIZYA, aged 15 year in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my wife are MOHD. SHOAIB and CHANDANI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NIRMA DEVI wife of No.-14445862P, Rank-HAV, Name-DAMOR MUKESH BHAI PRATAP BHAI residing at VPO-BHOJELA, TEHSIL-FATEPURA, DIST-DAHOD, GUJARAT-389190, have changed my name from NIRMA DEVI to DAMOR NIRMA DEVI MUKESHBHAI for all future purposes vide Affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Sarita W/O Mr. Rajender Kumar purchasing Freehold Residential Built up First Floor Portion without roof rights area measuring 23 Sq. Yds., out of Khasra no. 815, bearing property no. C-102, and New No. C-170, Situated in Village Mandawali Fazalpur, in the abadi of Vinod Nagar, Kumaon Square, Illaqa Shahdara, Delhi. from Mr. Sushanta Chatterjee., initially Mr. Surminal Chatterjee S/o Late Sachindra Nath Chatterjee owner by virtue of Sale Deed Dated 15.03.2013 which is duly registered in the office of SR-VIII, Doc. No. 4428, Vol. no. 7263, Book no. 1, Page no. 134 - 140, dated 15.03.2013., thereafter Mr. Surminal Chatterjee S/o Late Sachindra Nath Chatterjee died on 02.04.2019., and same property sold to be Mrs. Sarita W/O Mr. Rajender Kumar our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Sector-02 Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Smt. Geetanjali Jindal in respect to Freehold Built-up Property bearing no. 185, with its Terrace, area measuring 36 Sq. Meter stating that Smt. Geetanjali Jindal has undisputed ownership vide Sale Deed dated 04.04.2025 , executed by Ms. Sandhya Alias Sandhya Mehra , Doc No. 2025/15/I/5695. Now my client intends to sell the property in which SMFG India home finance Co. Ltd will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, hitherto known as Satyendra Singh S/O Chandrapal Singh, Flat No-5 First Floor, Prop No-330, Shiv Apartment, Ward No-4, Mehrauli, South Delhi, Delhi - 110030, have changed my name and shall hereafter be known as SATENDAR SINGH.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Babita W/o Mr. Kuldeep Singh is the owner of Freehold Residential House area measuring 88.88 Sq. Yds. Out of Khasra no. 125 Mi., Situated at Village Sehbiswa Pargana Jalalabad Tehsil Modinagar Distt. Ghaziabad Uttar Pradesh. by virtue of Sale Deed dated 21.08.2018 as Doc no. 9940 in Book no. 1 Vol no. 10314 on Page no. 309-362 SR-Modinagar. till date and has lost/Misplace his Original Sale Deed dated 23.02.2015 executed by Mrs. Jannat Begum in favour of Mr. Krishanpal as Doc no. 2387 in Book no. 1 Vol no. 7638 on Page no. 361-384 SR- Modinagar., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by DCB Bank Ltd. Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, No-17003005H Rank-NK Name-PARASHURAM ASHOK TULASEKAR residing at VPO-SHIRASANGI, TEHSIL-SAUNDATTI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591126, have changed my minor daughter's name from ADIRA TULASEKAR to ADIRA PARASHURAM TULASEKAR for all future purposes vide affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Mrs. Rajbati who is the owner of Residential House area measuring 50 sq. yrds., out of Khasra No.487 Mi, Situated At Jamaipura, Khoda Colony, Pargana Loni, Tehsil and Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh. Initially, Khatoni issued by concerned revenue department showing the name of Mr. Manoj in respect of the entire land. Later, who executed Sale Deed dated 04.03.2013 in favour of Mrs. Lakhmiri in respect of the entire property area measuring 104 sq yards. Later, Mrs. Lakhmiri was died and after her death property devolved legal heirs namely: Mr. Mukesh., later, Gift Deed dated 24.03.2023 executed by Mr. Mukesh Kumar in favour of Mrs. Rajbati in respect of the said property, duly regd. as Doc. no. 2909. That my client intends to mortgage the said immovable property for his bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 13/8/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सलमान खान** पुत्र महबूब खान, निवासी नंदग्राम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 297/2019 धारा 393/398/34 भा.दं.स. तथा 25/27 शस्त्र अधिनियम थाना मयूर विहार, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सलमान खान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सलमान खान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 297/2019 धारा 393/398/34 भा.दं.स. तथा 25/27 शस्त्र अधिनियम थाना मयूर विहार, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **सलमान खान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **15.10.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री अनुराग ठाकुर,
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश,
फास्ट ट्रैक कोर्ट (पूर्व), कोर्ट संख्या 30,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली।

DP/10765/ED/2025

NAME CHANGE

I, PUJA MEHLA is Spouse of No. 15804167P Rank-NK (DMT) Name-RAM DAYAL , Resident of VILL-BANSDA MEHRAN, PO-KUCHEEL, TEH-KISHANGARH, DIST-AJMER (RAJASTHAN)-305811have changed my name from PUJA MEHLA to PUJA PARODA for all future purposes Vide Affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, NAND RAM JAT is legally father of No. 15804167P Rank-NK (DMT) Name-RAM DAYAL, Resident of VILL-BANSDA MEHRAN, PO-KUCHEEL, TEH-KISHANGARH, DIST-AJMER (RAJASTHAN)-305811 have changed my name from NAND RAM JAT to NAND RAM for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13/08/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, GEETA CHARAN is Spouse of No. JC-858597A Rank- NB/SUB (DS)Name-RATHAN DAN, R/o VILL-KAJOI, PO-PHALSUND, TEH-POKRAN , DIST-JAISALMER (RAJASTHAN)-345025 have changed my name from GEETA CHARAN to GEETA KANWAR for all future purposes, Vide Affidavit Dated 13/08/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RAM GOPAL S/o BABASARAN R/o A-93 Sector-1, Pappan Kalan, Dwarka Sec-1, PO: Dwarka Sec.-6, Dist. South West Delhi, Delhi-110075, declare that name of my father has been wrongly written as RAM SHARAN in my Voter Card No. JSJ1219104, PAN Card No. DCUPG8072B, and Driving Licence No. DL-0920110142736. The actual name of my father is BABASARAN.

NAME CHANGE

I, Sanjeev Kumar s/o Harish Chand R/o 2527, Sainik colony, Sector -49, Faridabad, Haryana -121001 have changed my name to Sanjeev Kumar Goyal permanently.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SHRUTI BANSAL D/O RAKESH BANSAL W/O TUSHAR SINGHAL R/O B-2/24-A, YAMUNA VIHAR, PO-BHAJAN PURA, DELHI-110053 have changed my name and shall hereafter be known as SHRUTI SINGHAL.

NAME CHANGE

I, KANAPATHYAMMAL mother of No.15719548Y, Rank-L/NK, Name-KANAGA RAJ M residing at 153, ORIVAYAL, KADALADI, MARANDAI, DISTT-RAMANATHAPURAM, TAMIL NADU-623703, have changed my name from KANAPATHYAMMAL to M GANAPATHYAMMAL for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 01 January 1970 instead of my correct date of birth as 15 February 1970 Vide Affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, MADHURI wife of No-15787407H, Rank-NK Name-MAHESH KUMAR DUBEY residing at- VPO-NAKARAHI, TEHSIL-SADAR, DISTT-SULTANPUR, U.P-228001, have changed my name from MADHURI to MADHURI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BHUTU NATH DAS is legally father of No. 14931786L Rank-HAV Name-UTPAL KUMAR DAS, Unit-4 Mech Inf (1st Sikh) (HQ-COY) C/O 56 APO PRESENTLY resident VILL-BEGUNABERIA, PO-GOLAPCHAK, TEH-HALDIA, DIST-PURBA MEDINIPUR (WB)-721658have changed my name from BHUTU NATH DAS to BHUTNATH DAS for future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 26/09/1950 instead of 01/01/1959.Vide affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, AJIT KUMAR JAIN S/O SUMER CHAND JAIN residing at C-36/2 GALI NO-1/3A BHAJANPURA DELHI-110053 . have changed my name to AJIT JAIN for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों में जुटा पुलिस प्रशासन

एजेंसी

जींद। एसपी कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जींद सोनाक्षी सिंह की देखरेख में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला जींद पुलिस ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम पुलिस लाइन जींद में आयोजित किया जाएगा तथा प्रत्येक उप मंडल स्तर पर भी अलग से स्वत्रंता दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है। सभी थाना प्रभारियों, चौकी इंचार्जो को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि अपने इलाका थाना में लगातार गश्त करें। जिला पुलिस अधीक्षक ने यातायात पुलिस को भी निर्देश दिए हैं कि जिला में स्वंत्रता दिवस के मद्देनजर जिला में यातायात को सुचारु रुप से जारी रखेंगे, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि 15 अगस्त को शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं। यदि कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या 112 नंबर पर सूचित करें।

ग्रुप-डी कर्मचारियों का वेतन विवाद खत्म

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रुप डी के कर्मचारियों के वेतन विवाद का निपटारा कर दिया है। सरकार ने राज्यभर के नए नियुक्त ग्रुप-डी कॉमन कैडर कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत की घोषणा की है। 1-2023 के तहत चयनित और 24 दिसंबर, 2024 को पदस्थापित इन कर्मचारियों को अब ज्वाइनिंग में देरी के कारण अटकी हुई वेतन राशि मिल सकेगी। विभागीय जानकारी के मुताबिक, कई नए नियुक्त कर्मचारी अपने आवंटित विभाग में समय पर जॉइन नहीं कर पाए। एचआरएमएस पर स्वीकृत पदों की कमी, पदनाम में भिन्नता और तकनीकी दिक्कतों की वजह से यह परेशानी सामने आई। नतीजतन, इन कर्मचारियों को उनके मूल डिविजनल कमिश्नर कार्यालय से राहत तो मिल गई। लेकिन नए विभाग में समायोजन और वास्तविक कार्यभार संभालने में समय लग गया। 9 अप्रैल, 2025 को सरकार ने एक आदेश जारी कर इन कर्मचारियों को उसी जिले में उपलब्ध रिक्त पदों पर समायोजित करने या नए पदस्थापन आदेश जारी करने का निर्णय लिया। लेकिन इस दौरान राहत और ज्वाइनिंग के बीच का समय वेतन के लिए 'गैप पीरियड' बन गया, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ा। अब मानव संसाधन विभाग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राहत और समायोजन के बीच की अवधि को भी सेवा अवधि माना जाएगा और उसका वेतन संबंधित प्राप्त करने वाला विभाग देगा। इतना ही नहीं, ज्वाइनिंग की तिथि को डिविजनल कमिश्नर कार्यालय से राहत की तिथि के समान माना जाएगा, जिससे कर्मचारियों की वरिष्ठता और सेवा रिकॉर्ड पर भी कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान को त्यौहार की तरह मनाते हुए जन आंदोलन बनाएं : राजेश जून

झज्जर। मातनहेल स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय परिसर में वन विभाग द्वारा 76 वें जिला स्तरीय वन महोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून व जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना ने पौधारोपण करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समझ में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में पर्यावरण को समृद्ध बनाए जाने की दृष्टि से एक पेड़ मां के नाम से प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधारोपण का जन अभियान चलाया जा रहा है। विधायक जून ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान को त्यौहार की तरह मनाना चाहिए और अपने आसपास के लोगों को भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करते हुए इसे जन आन्दोलन बनाएं। उन्होंने कहा कि वृक्ष के बगैर मानव जीवन की कल्पना भी करना बेकार है। पेड़ों के सहारे ही हम और सभी जीव-जंतु अपना जीवन बिता रहे हैं। इसलिए इनके महत्व को कम ना आंके और एक पेड़ मां के नाम से अवश्य लगाएं। पिछले साल एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेश में एक करोड़ 87 लाख पौधे लगाए गए थे।

सोनीपत में देवडु रोड में दो पशुओं की रहस्यमय मौत, परिवार पर संकट

सोनीपत। सोनीपत के देवडु रोड स्थित ऋषिकुञ्ज कॉलोनी में दो पशुओं की अचानक मौत से पशुपालक परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। घटना के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। देवडु रोड स्थित ऋषिकुञ्ज कॉलोनी में रविवार रात अज्ञात कारणों से दो पशुओं की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और पशुपालन विभाग के डॉक्टर मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पशुपालक पिंकी ने बताया कि रात को पशु पूरी तरह स्वस्थ थे, लेकिन सुबह मृत पाए गए। शक है कि किसी ने जहरीला पदार्थ खिला दिया हो या किसी विषैले जीव ने काट लिया हो। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने निजी कोष से 20 हजार और पार्षद मुकेशसैनी ने 11 हजार रुपये की मदद का आश्वासन दिया। पिंकी मेहनत-मजदूरी और दूध बिक्री स परिवार का गुजारा करती हैं, ऐसे में यह घटना उनके लिए बड़ा आर्थिक आघात है।

एचपीपीसी की बैठक में लगभग 1763 करोड़ रुपये से ज्यादा के कॉन्ट्रैक्ट और वस्तुओं की खरीद को मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न विभागों से जुड़ी लगभग 1763 करोड़ रुपये से ज्यादा की विभिन्न वस्तुओं के खरीद प्रस्तावों एवं रेट कॉन्ट्रैक्ट को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की बचत की गई है। बैठक में ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए

और तय समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार वित्तीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और पारदर्शी खरीद प्रणाली के माध्यम से विकास कार्यों को समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में कानून एवं व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से 29 नई 52 सीटर बसें और 6 मिनी बसें की खरीद को भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा, विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा लगभग 234.19 करोड़ रुपये की लागत से एलटी एक्सएलपीई आर्मर्ड केबल, विभिन्न पोल तथा 20 केवीए ट्रांसफॉर्मर्स की खरीद को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विद्युत केबल की गुणवत्ता की जांच मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में कराई जाए और यदि कोई सैंपल गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता, तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत उपकरणों और सामग्रियों की खरीद में सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए, ताकि सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित हो सके।

टोल पार कर रहे ट्राले में लगी आग, मची अफरा तफरी

एजेंसी

हिसार। नजदीकी गांव लांधड़ी टोल प्लाजा के नजदीक एक ट्राले में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। टोल कर्मियों ने आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्राले में लगी आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्राला काफी हद तक जल चुका था। मिली जानकारी के अनुसार दोपहर बाद लांधड़ी टोल पर ट्राले ने जैसे ही पार करने का प्रयास

किया तो अचानक उसमें धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही टोल कर्मियों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचित किया। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी है, लेकिन ट्राला पूरी तरह जलकर राख हो चुका है। बताया जा रहा है कि घटना के समय ड्राइवर ने किसी तरह वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। ट्रॉली में क्या सामान भरा था और आग लगने का वास्तविक कारण क्या था, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम मामले की जांच कर रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पुलिस लाइन मैदान में हुई रिहर्सल

एजेंसी

जींद। पुलिस लाइन मैदान में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की भव्य रिहर्सल सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस रिहर्सल में सभी विभागों एवं प्रतिभागी संस्थाओं ने अनुशासन, ऊर्जा और उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करते हुए आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। मुख्य समारोह 15 अगस्त को सुबह नौ बजे स्थानीय पुलिस लाइन मैदान में आयोजित होगा।

रिहर्सल में हरियाणा पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी सीनियर एवं जूनियर विंग, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जवानों ने शिरकत की। सभी प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट, परेड गठन और अन्य औपचारिकताओं का बारीकी से अभ्यास कर यह सुनिश्चित किया कि मुख्य दिवस पर समारोह का संचालन पूर्ण गरिमा और सटीकता के साथ हो। नगराधीश मोनिका रानी ने बताया कि जिला

स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित करवाए जाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेंगे। प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के साथ-साथ आधुनिक भारत के प्रगतिशील स्वरूप की झलक देखने को मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने की तिरंगा यात्रा की अगुवाई

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में तिरंगा यात्राओं का आयोजन हो रहा है। देश की सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और इसके बाद पाकिस्तान के घर में घुसकर जो सबक सिखाया है, उससे पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आज तिरंगा यात्रा के माध्यम से हजारों नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, भाईचारा, प्रेम और देश को आगे बढ़ाने की सोच मजबूत हो रही है। गोहाना में आयोजित तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए डॉ. अरविंद शर्मा ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और शहीद स्मारक तक हजारों कार्यकर्ताओं व स्कूली बच्चों के साथ पैदल मार्च करते हुए तिरंगा यात्रा निकाली। इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल वही लोग उठा रहे हैं, जिनका इतिहास

बूथ लूटने और फर्जी मतदान का रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नैरेटिव सेट करने में माहिर है। लोकसभा चुनाव में भी संविधान को बदलने का भ्रम फैलाया गया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार संविधान को मजबूती दे रही है और भारत को वैश्विक पहचान दिला रही है। उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस-मुक्त भारत की ओर बढ़ रहा है, जिससे कांग्रेस बौखलाई हुई है। बिहार चुनाव में एनडीए की मजबूत सरकार बनना तय है, इसलिए कांग्रेस व विपक्ष दुष्प्रचार कर रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा गोहाना जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, योगेश्वर दत्त, प्रदीप सांगवान, डॉ. रीटा शर्मा सहित कार्यकर्ता व स्कूली विद्यार्थी मौजूद रहे।

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर 16 किलोमीटर में लगाए जाएंगे एक लाख एक हजार पौधे

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार द्वारा निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में पहले चरण के तहत केएमपी एक्सप्रेसवे के मानेसर से फरुखनगर तक के हिस्से के दोनों ओर सघन पौधारोपण अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 16 किलोमीटर की दूरी में कुल एक लाख एक हजार पौधे लगाए जाएंगे। यह अभियान सोमवार से प्रारंभ होकर धीरे-धीरे केएमपी एक्सप्रेस-वे के समस्त 135 किलोमीटर क्षेत्र को कवर करेगा। कैबिनेट मंत्री वजीरपुर फरुखनगर रोड स्थित केएमपी एक्सप्रेस-वे के नजदीक वन विभाग द्वारा आयोजित 76वें जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, सोहना से विधायक तेजपाल तंवर तथा पटौदी

से विधायक बिमला चौधरी भी मौजूद रहे। वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि देश में 1950 से वन महोत्सव का आयोजन होता आ रहा है। हरियाणा प्रदेश में पूर्व में यह कार्यक्रम कुछ चिन्हित जिलों तक सीमित था, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों के तहत इस वर्ष से इसे प्रदेश के सभी 22 जिलों में व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। राव ने कहा कि हरियाणा में वन क्षेत्र अत्यंत सीमित है, जो चिंता का विषय है। सौभाग्यवश, दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला अरावली और नवीनतम श्रृंखला शिवालिक हरियाणा से होकर गुजरती हैं, जो प्रदेश के लिए ऑक्सीजन की एक महत्वपूर्ण लाइफलाइन हैं।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी समानांतर रूप से आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह कार्य केवल सरकार के स्तर पर संभव नहीं है, बल्कि इसमें आमजनमानस की पूर्ण सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सहभागी बनकर आप जितने भी पौधे लगाएं, उनका अगले पांच वर्षों तक संरक्षण भी अवश्य करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोहना से विधायक तेजपाल तंवर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण सबसे सरल और प्रभावी उपाय है, इसलिए हमें जीवन के हर महत्वपूर्ण अवसर पर पेड़ अवश्य लगाने चाहिए।

पूर्व आईपीएस व आईएएस ने हरियाणा राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण में कार्यभार संभाला

एजेंसी

चंडीगढ़। वर्ष 1989 बैच के आईपीएस रहे सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी डॉ. आर.सी. मिश्रा ने हरियाणा राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण (एसपीसीए) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पूर्व में हरियाणा पुलिस में वरिष्ठ पदों पर कार्यरत डॉ. मिश्रा ने कहा कि वे निष्पक्ष न्याय, प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और नागरिकों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे। राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण पुलिस के गंभीर कदाचार से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करता है तथा पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ाने के लिए सुधारों का सुझाव देता है।इसी दौरान ललित सिवाच, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने भी आज हरियाणा राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण के सदस्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। सिवाच एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी हैं,जिन्होंने राज्य सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों व हरियाणा पुलिस अधिनियम के प्रावधानों के तहत गठित एक स्वतंत्र निकाय है, जो पुलिस के गंभीर कदाचार की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करता है तथा पारदर्शिता व जवाबदेही के लिए सुधार सुझाता है।

कार्यभार ग्रहण करते हुए सिवाच ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को विश्वास होना चाहिए कि उनकी शिकायतों का निष्पक्ष समाधान होगा और प्राधिकरण जनता व पुलिस के बीच भरोसा कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हरियाणा विधान सभा में रिसर्च सेंटर शुरू, पुस्तकालय का हुआ नवीनीकरण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने विधान भवन में रिसर्च सेंटर और पुस्तकालय के नवीनीकरण का विधिवत उद्घाटन किया। इस विधान सभा रिसर्च सेंटर में विधायकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं शोध का अनुकूल वातावरण और संसाधन उपलब्ध होंगे। सेंटर में उच्चस्तरीय संदर्भ सामग्री, डिजिटल डेटाबेस और संसदीय व विधायी दस्तावेजों का सुव्यवस्थित संकलन उपलब्ध कराया जाएगा। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यहां विधायी कामकाज पर अनुसंधान होंगे तथा यह 'एक राष्ट्र-एक विधान' परियोजना के तहत स्थापित संसद और विभिन्न राज्य विधान मंडलों के डिजिटल प्लेटफॉर्म को सशक्त करने लिए भी प्रभावी पहल साबित होगी। रिसर्च सेंटर के माध्यम से विधायकों और विधायी कामकाज से जुड़े विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए उपयोगी सामग्री उपलब्ध रहेगी। इससे विधायी कार्यों का विश्लेषण व परम्पराओं से जुड़े दस्तावेज प्रामाणिकता के साथ मुहैया करवाए जा सकेंगे। कल्याण ने विश्वास जताया कि यह सेंटर विधायकों व कर्मचारियों को

अध्ययन के लिए प्रेरित करेगा, जिससे वे प्रदेश के लिए नीति निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।इसके साथ ही विधान सभा अध्यक्ष ने विधान सभा पुस्तकालय के नवीनीकरण का भी उद्घाटन किया। अब यह पुस्तकालय अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो गया है। इस अवसर पर विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि ज्ञान ही सशक्त लोकतंत्र की नींव है। विधायी कार्य भी अब इससे अछूता नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लिए यह सौभाग्य की बात है कि 15वीं विधान सभा के विधायकों में बड़ी संख्या में अध्ययनशील प्रवृति के हैं। यह रिसर्च विंग और पुस्तकालय विधायकों को न केवल बेहतर तैयारी में मदद करेगा, बल्कि नीति निर्माण की गुणवत्ता को भी नई दिशा देगा। कार्यक्रम में विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आईटीआई प्रमाणपत्र धारकों की एक साल की अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग को माना जाएगा कार्य अनुभव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में आईटीआई प्रमाणपत्र धारकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश में अब विभिन्न विभागों व संगठनों में रोजगार के उद्देश्य से एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण को एक वर्ष के कार्य अनुभव के बराबर माना जाएगा। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में कौशल आधारित प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के व्यावहारिक अनुभव को मान्यता मिल सकेगी। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में जारी एक पत्र में कहा गया है कि एक वर्ष या उससे अधिक के अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण को उन प्रशिक्षुओं के लिए कार्य अनुभव माना जाएगा, जिनके पास अप्रेंटिसशिप नियम 1992 की अनुसूची-1 के अंतर्गत आईटीआई की योग्यता है और जिनके पास राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र है। संबंधित क्षेत्र के सीधी भर्ती के पदों के लिए इसे एक वर्ष का अनुभव माना जाएगा, जहाँ शैक्षणिक योग्यता के अतिरिक्त, किसी पद के लिए पात्रता मानदंड में अनुभव का प्रावधान भी किया गया है। यह निर्णय निर्देश जारी होने की तिथि से प्रभावी होगा और इससे आईटीआई स्नातकों की रोजगार संभावनाएं मजबूत होंगी। सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, मिशन प्राधिकरणों, विश्वविद्यालयों और अन्य राज्य नियंत्रित संस्थानों को अपने सेवा नियमों और विनियमों में संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि एनएसी धारक अभ्यर्थियों को उनके अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण का उचित लाभ मिल सके। यह निर्णय केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप किया गया है।

जनस्वास्थ्य विभाग शिकायतकर्ता के लंबित मानदेय का शीघ्र करवाएं भुगतान

एजेंसी

रोहतक। डीसी ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ता विजय कुमार को लंबित मानदेय का भुगतान करवाए तथा उन्हें एचकेआरएन में पोर्ट करवाएं। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।बैठक के एजेंडे में शामिल 16 शिकायतों में से 10 शिकायतों का मौके पर निपटारा किया गया तथा 6 शिकायतें लंबित रखते हुए संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने स्थानीय वाल्मीकि बस्ती निवासी विजय कुमार की शिकायत की सुनवाई करते हुए जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे श्रम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय अनुसार शिकायतकर्ता को लंबित मानदेय का भुगतान करवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने विभाग के अधिकारियों को प्रेम नगर में नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करवाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।

उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को हैफेड फिडर से पानी की आपूर्ति करवाने की फिजिबिलिटी जांची जाए। उन्होंने कहा कि सीवर की सफाई सुपर सकर मशीन से करवाने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी रोहतक को आगामी 10 दिन में प्लॉट धारकों को प्लॉटों का कब्जा दिलवाने के निर्देश दिए। धर्मेंद्र सिंह ने गांव दतौड़ निवासी जयभगवान की शिकायत की सुनवाई करते हुए सांपला के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि वे ग्राम पंचायत की गली से अवैध कब्जा हटवाए। उन्होंने गांव समचाना निवासी नरेश कुमार की शिकायत की सुनवाई करते हुए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए

PUBLIC NOTICE

I Mukesh Singla S/o Radheshyam Singla R/o - House no. DC - 69, Ward no. 3, Near nagar Palika ke samne, G.T road, PO: Hodal, DIST: Palwal, Haryana - 121106, have changed the name of my minor Daughter Namely Kanika aged 15 years and she shall hereafter be known as Komal

विभाजन की स्मृतियां केवल अतीत की त्रासदी नहीं, सजग रहने की चेतावनी

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि भारत का इतिहास केवल संस्कृति, अध्यात्म और ज्ञान का ही इतिहास नहीं है, बल्कि यह बाहरी आक्रमणों और उनसे हुई क्षति का भी इतिहास है। लगभग एक हजार वर्षों तक भारत की धरती बार-बार विदेशी आक्रांताओं का सामना करती रही। प्रो. अग्निहोत्री सिरसा के सीडीएलयू में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आठवीं सदी में अरब आक्रमणकारी सिंध तक पहुंचे, 11वीं सदी में महमूद गजनवी ने 17 बार भारत पर हमला कर हमारे मंदिरों, शिक्षा केंद्रों और सांस्कृतिक धरोहर को नष्ट किया। 12वीं सदी में मोहम्मद गौरी ने तराइन की लड़ाई के माध्यम से राजनीतिक पराधीनता की नींव रखी। इसके बाद तुर्क, खिलजी, तुगलक, लोदी और अंततः मुगल साम्राज्य ने यहां सत्ता स्थापित की। 18वीं सदी में जब मुगल साम्राज्य कमजोर हुआ तो यूरोपीय शक्तियों विशेषकर अंग्रेजों ने भारत की आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संरचना को गहराई से प्रभावित किया। इन लंबे आक्रमणों ने न केवल हमारी स्वाधीनता छीनी, बल्कि समाज को विभाजित करने के प्रयास भी किए। 1947 का विभाजन इन आक्रमणों और विदेशी षड्यंत्रों की सबसे भीषण परिणति थी, जिसने लाखों लोगों को विस्थापित किया, लाखों की जान ली और सदियों पुराने रिश्तों को तोड़ दिया। सीडीएलयू के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि विभाजन की पीड़ा को याद रखना आवश्यक है ताकि हम आपसी भाईचारे, सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को मजबूत कर सकें। यह दिन हमें अतीत की त्रासदी से सीख लेकर एक बेहतर और एकजुट भारत के निर्माण का संकल्प दिलाता है।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, VENKATARAMAN ANANTHAKRISHNAN S/o GOVINDARAJAPURAM ANANTHAKRISHNAN VENKATARAMAN R/o 0004, Tower B-4, M3M Woodshire, Dharampur Village, Sector-107, Dharampur (59), Railway Road, Farrukhnagar, Gurgaon, Haryana-122006, declare that names of mine and my father has been wrongly written as ANANTHAKRISHNAN V and G A VENKATARAMAN in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father are VENKATARAMAN ANANTHAKRISHNAN and GOVINDARAJAPURAM ANANTHAKRISHNAN VENKATARAMAN respectively which may be amended accordingly.

क्यूपिड लिमिटेड का 2026 की पहली तिमाही में राजस्व 47 प्रतिशत और शुद्ध लाभ 82 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। क्यूपिड लिमिटेड (क्यूपिड, दी कंपनी), भारत की प्रमुख व्यक्तिगत उत्पाद निर्माता और ब्रांड, ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। क्यूपिड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आदित्य कुमार हलवासिया, ने कहा, हम वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत मजबूत रूप से करते हुए, राजस्व और लाभप्रदता दोनों में स्वस्थ वृद्धि हासिल करने पर प्रसन्न हैं। यह मजबूत प्रदर्शन हमारे इस विश्वास को और मज़बूत करता है कि वित्त वर्ष 2026, क्यूपिड लिमिटेड के इतिहास का अब तक का सबसे मजबूत वर्ष होगा। यह हमारी केंद्रित रणनीति, संचालन में अनुशासन और पूरी क्यूपिड टीम की अटूट प्रतिबद्धता की ताकत को दर्शाता है। मजबूत ऑर्डर बुक के साथ, हम अपने लक्षित टर्नओवर को हासिल करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। रुपये-डॉलर विनिमय दर से मिलने वाले अनुकूल लाभ हमारी गति को और बढ़ावा देंगे, खासतौर पर जब इस वित्त वर्ष में निर्यात हमारे व्यवसाय का एक बड़ा हिस्सा होने का अनुमान है। उत्साहजनक रूप से, हमारा बी2सी सेगमेंट भी खासकर त्योहारी सीज़न के दौरान तेजी पकड़ रहा है और हमें विश्वास है कि हम केवल इस सेगमेंट में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेंगे। हमारा बी2सी एफएमसीजी व्यवसाय पूरे भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए तेज़ गति से बढ़ रहा है, जिससे ब्रांड की दृश्यता और उपभोक्ताओं का विश्वास और मजबूत हो रहा है। ग्राहकों से मिल रही मजबूत प्रतिक्रिया इस सेगमेंट की दीर्घकालिक वृद्धि क्षमता में हमारे विश्वास को और पुख्ता करती है। साथ ही, हम अपने मुख्य बी2सी निर्यात व्यवसाय के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, जो एक बार फिर गति पकड़ रहा है।

वीफिन प्रमोटर्स ने किया 8.43 करोड़ का निवेश

शेयर वारंट्स का पूर्ण रूपांतरण कर वैश्विक विस्तार

मुंबई, एजेंसी। वीफिन सॉल्यूशंस लिमिटेड एक प्रमुख तकनीकी समर्थक जो विश्व की सबसे बड़ी कार्यशील पूंजी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है, ने आज अपने प्रमोटरों को जारी किए गए शेयर वॉरंट्स के लिए अंतिम सब्सक्रिप्शन राशि की सफल प्राप्ति की घोषणा की। यह 4,20,000 कन्वर्टिबल वॉरंट्स को इक्विटी शेयरों में परिवर्तित करके ?8.43 करोड़ की पूंजी प्रविष्टि के पूर्ण होने का संकेत है। मार्च 2024 में मूल रूप से आवंटित किए गए ये वॉरंट्स प्रमोटरों श्री राजा देबनाथ और श्री गौतम उदानी द्वारा सब्सक्राइब किए गए थे। स्थ्व्र्क्ष के नियमों के अनुसार, आवंटन के समय इश्यू मूल्य का 25 प्रतिशत भुगतान किया गया था, जबकि शेष 75 प्रतिशत अब पूरी तरह प्राप्त हो चुका है। इस विकास से प्रमोटरों के वीफिन की दीर्घकालिक रणनीति में निरंतर विश्वास की पुष्टि होती है और कंपनी की पूंजी स्थिति को और मजबूत करते हुए इसके अगले विकास चरण को आगे बढ़ाने में सहायता मिलती है। इस पूंजी प्रविष्टि से वीफिन की वित्तीय लचीलापन बढ़ता है, जिससे प्लेटफॉर्म नवाचार, अंतरराष्ट्रीय बाजार विस्तार और चल रही रणनीतिक एकीकरण में तेज निवेश करना संभव होता है। एपीआई-फर्स्ट उत्पाद सूट और बढ़ते वैश्विक ग्राहक आधार के साथ, वीफिन कार्यशील पूंजी वित्त इकोसिस्टम में उच्च प्रभावी, मॉड्यूलर समाधान प्रदान करते हुए स्थायी रूप से विस्तार करने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह पूंजी प्रविष्टि वीफिन की हाल ही में की गई घोषणा के बाद हुई है, जिसमें उसने अपनी सहायक कंपनियाँ—एस्टोरीफाई और ग्लोबटीएफ—को मूल कंपनी के तहत एकीकृत करने का निर्णय लिया है। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य कंपनी की सेवाओं को सप्लाई चेन फाइनेंस, डिजिटल लेंडिंग, एम्बेडेड फाइनेंस, ट्रेड फाइनेंस और कैश मैनेजमेंट के क्षेत्र में एकसाथ लाना है।

एचडीएफसी बैंक व विनफास्ट ऑटो इंडिया ने इलेक्ट्रिक वाहनों के

ऑटो व इन्वेंटरी फाइनेंसिंग के लिए समझौता किया

- वियतनामी कंपनी की भारतीय सब्सिडियरी के साथ समझौता करने वाला पहला भारतीय बैंक बना

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक और विनफास्ट ऑटो इंडिया ने ग्राहकों और डीलरों के लिए ऑटो और इन्वेंटरी फाइनेंसिंग प्रदान करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विनफास्ट ऑटो इंडिया, वियतनाम की सबसे बड़ी निजी समूह विनग्रुप की वैश्विक ईवी कंपनी विनफास्ट की भारतीय सहायक कंपनी है। यह समझौता भारत में विनफास्ट के लॉन्च से पहले कंपनी द्वारा किसी बैंक के साथ किया गया पहला गठजोड़ है। इस सहयोग का उद्देश्य ग्राहकों और डीलरों के लिए समग्र वित्तीय समाधान प्रदान करना है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद प्रक्रिया अधिक सुगम और सुविधाजनक बन सके। इस समझौते के तहत ग्राहकों को विशेष और अनुकूलित फाइनेंसिंग विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक भारतीय उपभोक्ता ईवी अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। विनफास्ट, एचडीएफसी बैंक के देशभर में फैले ब्रांच नेटवर्क और डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर शहरी और उभरते बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकेगा। यह साझेदारी भारत में टिकाऊ परिवहन के तेजी से बढ़ते बाजार को और बल देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विनफास्ट के आगामी वीएफ-6 और वीएफ-7 मॉडलों के लॉन्च की तैयारी के साथ इस समझौते के अंतर्गत मिलने वाले विशेष लाभ कंपनी की संपूर्ण वाहन श्रृंखला पर लागू होंगे।

फतेहपुर टोंगरा रोड शिवपुरी हादसे पर थिंक गैस ने दी सफाई, साइट से दूर स्थित पाइपलाइन

शिवपुरी, एजेंसी। फतेहपुर क्षेत्र में टोंगरा रोड पर एक ऑनलाइन कंप्यूटर की दुकान के पास गैस जैसी गंध और आग बुझाने के बारे में मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित कुछ रिपोर्टों के प्रकाश मेंए थिंक गैस निम्नलिखित स्पष्टीकरण देना चाहता है। कंपनी के मुताबिकए उसकी इमरजेंसी रिस्पांस टीम को बिजली के खंभे के पास ड्रेनेज एरिया से धुआं निकलने की सूचना मिली थी। निरीक्षण करने परए यह पुष्टि की गई कि जिस स्थान पर गैस की गंध और आग लगने की सूचना मिली थीए वहां थिंक गैस के स्वामित्व या प्रचालित कोई गैसीकृत पाइपलाइन या संबंधित अवसंरचना नहीं है। क्षेत्र में कंपनी की गैस पाइपलाइन विचाराधीन साइट से काफी दूरी पर स्थित है।

जापानी ईवी निर्माता टेरा मोटर्स ने एमपी में की एंट्री

ऑन-रोड कीमत रुपये 3.74 लाख

रीवा। जापान की इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनी टेरा मोटर्स ने मध्य प्रदेश में अपने पहले एल5 हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक ऑटो की डीलरशिप के साथ प्रवेश किया है। यह कदम कंपनी की रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह राज्य में बढ़ती ईवी स्वीकार्यता का लाभ उठाकर भारत के टॉप 5 थ्री-व्हीलर बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। टेरा मोटर्स पिछले एक दशक से भारत के इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर ई-रिक्शा क्षेत्र में सक्रिय है। कंपनी को मध्य प्रदेश में अच्छे व्यापारिक अवसर दिख रहे हैं, खासकर मजबूत डीलर इंटरेस्ट और प्रतिस्पर्धी प्रोडक्ट ऑफरिंग्स के कारण। हाल ही के महीनों में, कई प्रमुख ईवी डीलर्स ने अन्य ओईएम कंपनियों को छोड़कर टेरा मोटर्स से जुड़ने का निर्णय लिया है। इसके पीछे कंपनी की किफायती कीमतें, जापानी ब्रांड पर विश्वास और सशक्त सपोर्ट इंफ्रास्ट्रख मुख्य कारण रहे हैं।इंदौर में नियुक्त किया गया नया डीलर - जो पहले एक अग्रणी ओईएम का टॉप-सेलिंग पार्टनर था - उसने टेरा से जुड़ने का निर्णय लिया, क्योंकि कंपनी किफायती कीमतों, टेरा फाइनेंस के ज़रिए इन-हाउस फाइनेंसिंग, और जापानी ब्रांड पर विश्वास जैसी सुविधाएं दे रही है। टेरा मोटर्स पहले ही उत्तर प्रदेश में कई प्रमुख थ्री-व्हीलर डीलर्स के साथ साझेदारी कर चुकी है और मध्य प्रदेश में भी इसी रणनीति को अपनाने की योजना बना रही है। ऑन-रोड कीमत रुपये 3.74 लाख से शुरू होकर और एक बार चार्ज करने पर 200 किलोमीटर तक की रेंज के साथ, कंपनी का लक्ष्य है कि हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को चालकों और डीलरों दोनों के लिए सुलभ और लाभदायक बनाया जाए। मध्य प्रदेश हमारे लिए एक प्रमुख बाजार है, टेरा मोटर्स के प्रवक्ता ने कहा।

एसएलएटी 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

भावी लॉ प्रोफेशनल्स के लिए सुनहरा मौका

नई दिल्ली। सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह एग्जाम उन स्टूडेंट्स के लिए है जो लॉ एजुकेशन में भविष्य बनाना चाहते हैं। एसएलएटी एग्जाम की तारीख 20 दिसंबर 2025 (शनिवार) और 28 दिसंबर 2025 (रविवार) तय की गई हैं। एसएलएटी एग्जाम का आयोजन सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) द्वारा किया जाता है। यह एग्जाम पुणे, नोएडा, हैदराबाद और नागपुर में स्थित सिम्बायोसिस लॉ स्कूलों में अंडरग्रेजुएट लॉ कोर्सेस में एडिमशन के लिए जरूरी है। एसएलएटी 2026 एग्जाम देश भर के 68 शहरों में आयोजित किया जाएगा और इसे लॉ एजुकेशन के लिए स्टूडेंट्स की योग्यता का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये एग्जाम कंप्यूटर-आधारित टेस्ट होता है, जिसमें 60 मिनट में कुल 60 प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। यह परीक्षा हर साल केवल दिसंबर महीने में आयोजित की जाती है। इसमें लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, एनालिटिकल रीजनिंग, रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, और जनरल नॉलेज जैसे विषयों में हर एक से कुल 12 प्रश्न पूछे जाते हैं।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने एंथे के 16 शानदार वर्षों का जश्न मनाते हुए एंथे 2025 लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। छात्रों के सपनों को कामयाबी में बदलते हुए 16 सफल साल पूरे करने पर, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड जो टेस्ट प्रिपरेशन में देश की अग्रणी संस्था है ने अपने प्रमुख इनिशिएटिव एंथे 2025 की शुरुआत का ऐलान किया है। भारत के एकेडमिक कैलेंडर में हर साल का सबसे बहुप्रतीक्षित इवेंट माने जाने वाले एंथे 2025 का मकसद, कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्रों को चुनौतियों से लड़ने और असली प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाना है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी तक पहुँचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, एंथे 2025 में स्टूडेंट्स को 250 करोड़ तक की स्कॉलरशिप दी जा रही है, जो क्लासरूम, आकाश डिजिटल और इन्विक्टस कोर्सेस पर लागू होगी।

रेमेडियम लाइफकेयर ने 6 की पहली तिमाही में कमाया 464.88 लाख का मुनाफा

5 के वार्षिक लाभ से दोगुना, एक्सपान्शन प्लान्स को मिली रफ्तार

REMEDIUM LIFECARE

मुंबई, एजेंसी। फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन और स्पेशलिटी केमिकल्स सेक्टर में तेजी से उभरता हुई कंपनी रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड, ने 30 जून 2025 को पूरी हुई तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं, जिसमें कंपनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनाफे में जबरदस्त सुधार दर्शाया है।

कंपनी ने क्त्र6 में 464.88 लाख का प्रोफिट आफ्टर टेक्सेशन दर्ज किया, जबकि पिछली तिमाही क्त्र5 में कंपनी को 204.60 लाख का घाटा हुआ था। खास बात यह भी है कि सिर्फ पहली तिमाही का मुनाफा ही पूरे 5 के कुल मुनाफे 212.94 लाख से दोगुना है जो कंपनी का मजबूत ओपरेशनल मोमेन्टम और प्रोफिट में बड़े सुधार को दर्शाता है।

इस तिमाही के दौरान रेमेडियम लाइफकेयर का ओपरेशन्स से राजस्व 11,336.67 लाख रहा, जबकि प्रोफिट बिफोर टेक्स 571.23 लाख तक पहुंच गया। यह उपलब्धि कोस्ट मेनेजमेन्ट और ओपरेशनल एफिशियेन्सी पर कंपनी के द्वारा किये गए फोकस को दर्शाता है। कंपनी ने अपनी रणनीति के द्वारा आने वाले समय के लिए सतत विकास की नींव रख दी है।

इस पर्फोमन्स के बारे में कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आदर्श मुन्जाल ने कहा, यह तिमाही हमारे लिए एक महत्वपूर्ण माईलस्टोन है। ओपरेशनल एफिशियेन्सी और विवेकपूर्ण फायनान्शियल मेनेजमेन्ट पर हमारे फोकस ने हमें मजबूत टर्नअराउंड दिया है।

हमारा क्त्र का मुनाफा पूरे 5 के लाभ से बढ़कर है। हम इस मोमेन्टम को बरकरार रखते हुए अपने शेयरधारकों को सतत मूल्य प्रदान करने और हेल्थकेयर व फार्मास्यूटिकल सेक्टर में ग्रोथ को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टैफे का मैसी डाइनास्टार कॉन्टेस्ट सीज़न 2

विजेता को मिला बिल्कुल नया मैसी फर्ग्यूसन 254 डाइनास्मार्ट 2 डब्ल्यूडी ट्रैक्टर

चेन्नई, एजेंसी। टैफे- ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड, जो दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माताओं में से एक है और भारत में मशहूर मैसी फर्ग्यूसन ट्रैक्टर्स का निर्माता है, ने अपने मैसी डाइनास्टार कॉन्टेस्ट - सीज़न 2, 2025 सबसेबड़ेऑलराउंडर की तलाश का सफल समापन किया। टैफे की यह अग्रणी पहल बहुमुखी मैसी फर्ग्यूसन डाइनाट्रैक 241 ट्रैक्टर की क्षमता से संचालित मौलिक, विस्तार योग्य और सामाजिक रूप से प्रभावशाली विचारों को खोजने और सम्मानित करने का उद्देश्य रखती है।

सीज़न 2 में हुई प्रतियोगिता को लोगों ने बहुत पसंद किया। इसमें 26 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों से 16,000 से भी ज़्यादा एंट्री प्राप्त हुई, जिससे पता चलता है कि हमारे देश में खेती-बाड़ी में कितनी विविधता है। इन सब में से 12 फाइनलिस्ट चुने गए, जो 7 राज्यों - असम, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश - से थे। इस प्रतियोगिता में किसानों, गाँव के उद्यमियों और कृषि-छात्रों ने हिस्सा लिया, जिससे ज़मीनी स्तर पर नवाचार की एक बहुत ही जीवंत संस्कृति देखने को मिली।

हाल ही में हुए ग्रैंड फिनाले में एक प्रतिष्ठित ग्रैंड जूरी थी, जिसमें सेल्स एंड मार्केटिंग, ऑपरेशंस, और प्रोडक्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों के अनुभवी लोग शामिल थे। फाइनलिस्ट का मूल्यांकन नवाचार, व्यावहारिकता, विस्तार की संभावनाओं, आय उत्पन्न करने की क्षमता और सामाजिक प्रभाव के आधार पर किया गया।

शालीमार एजेंसिज़ लिमिटेड ने नाम बदलकर स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स लिमिटेड किया

मुंबई, एजेंसी। स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स लिमिटेड जिसे पहले शालीमार एजेंसिज़ लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने 11 अगस्त 2025 से अपना नाम आधिकारिक रूप से बदल लिया है। कंपनी का बोर्ड 14 अगस्त 2025 को बैठक करेगा, जिसमें 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों पर विचार एवं अनुमोदन किया जाएगा। स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स लिमिटेड ने 11 अगस्त 2025 को अपना नया नाम औपचारिक रूप से अपनाया। स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स, जिसकी स्थापना 2019 में भारत में हुई, एक तेज़ी से विकसित हो रही फूड और टेक कंपनी है, जिसके संचालन भारत, अमेरिका और कनाडा में हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक और ज्योति सीएनसी ने एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए की साझेदारी

पेश किए विशेष रूप से तैयार उपकरण फाइनेंसिंग समाधान

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ने भारत की अग्रणी सीएनसी मशीन निर्माता कंपनी ज्योति सीएनसी के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत, मशीन टूल सेक्टर से जुड़े छोटे और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए उपकरण फाइनेंसिंग समाधान उपलब्ध कराए जाएंगे। ये सुविधाएं स्टैंडअलोन आधार पर दी जाएंगी, जिससे कारोबारियों को सीधे लाभ मिलेगा। इस साझेदारी का उद्देश्य उन्नत सीएनसी मशीनरी में निवेश करने वाले व्यवसायों के लिए पूंजी तक पहुंच को सरल और तेज़ बनाना है। इस व्यवस्था के तहत, कोटक महिंद्रा बैंक डिजिटल माध्यम से 3 करोड़ रुपये तक के उपकरण ऋण प्रदान करेगा, जिससे फाइनेंसिंग प्रक्रिया और तेज़ व सुविधाजनक हो सकेगी। कोटक महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट एवं हेड - बिज़नेस बैंकिंग, एफ़्लुएंट, एनआरआई और चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर, रोहित भसीन ने कहा, यह साझेदारी हर स्तर पर एमएसएमई व्यवसायों को सहयोग देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सैमसंग ने गैलेक्सी जेड फ्लिप7 और जेड फ्लिप7 एफई पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की

गुरुग्राम, भारत - 8 अगस्त 2025 - भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज हाल ही में लॉन्च किए गए गैलेक्सी जेड फ्लिप7 और जेड फ्लिप7 एफई पर सीमित समय के आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की। नए ऑफर्स में, गैलेक्सी जेड फ्लिप7

अधिकतम 12,000 रुपये तक के बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस के साथ केवल 97,999 रुपये में उपलब्ध होगा। इसी तरह, गैलेक्सी जेड फ्लिप7 एफई अधिकतम 10,000 रुपये के बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस के साथ केवल 85,999 रुपये में उपलब्ध होगा।

गैलेक्सी जेड फ्लिप7 और जेड फ्लिप7 एफई खरीदने के इच्छुक उपभोक्ताओं के लिए इस डील को और आकर्षक बनाने के लिए, बैंक कैशबैक और अपग्रेड बोनस ऑफर्स को 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प के साथ जोड़ा जा सकता है।

ट्रांसलाइन टेक्नोलॉजीज लि. ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। विशेष टेक्नोलॉजी-समाधान प्रदाता कंपनी ट्रांसलाइन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। यह कंपनी इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी और सर्विलांस सिस्टम, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन प्लेटफॉर्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित सॉफ्टवेयर उत्पादों के डिजाइन, विकास और डिप्लॉयमेंट पर ध्यान केंद्रित करती है। ंपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से इक्विटी शेयर पूंजी से फंड जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के ऑफर का कुल आकार 1,61,91,500 इक्विटी शेयरों तक की 'बिक्री पेशकश' है, जिसका अंकित मूल्य 2 रुपये प्रति शेयर है। ट्रांसलाइन टेक्नोलॉजीज का बिजनेस मॉडल कई स्रोतों से रेवेन्यू उत्पन्न करता है, जिसमें प्रोजेक्ट-आधारित सिस्टम इंटीग्रेशन कॉन्ट्रैक्ट, सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस (सास) सब्सक्रिप्शन, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उत्पादों की बिक्री और तकनीकी सेवाएं जैसे वार्षिक रखरखाव और मैनेज्ड सपोर्ट शामिल हैं।

डब्ल्यूडी ब्लैक एसएन7100 एनवीएमई एसएसडी भारत में उपलब्ध हुई

मुंबई, एजेंसी। सैनडिस्क की गेमिंग ड्राइव डब्ल्यूडी ब्लैक एसएन7100 एनवीएमई एसएसडी भारत में उपलब्ध हो गई है। हाई परफॉरमेंस डब्ल्यूडी ब्लैक एसएन7100 गेमर्स के लिए बनाई गई है, ताकि वो आज के अत्यधिक विजुअल और इमर्सिव गेम खेल सकें, जो फाईल साईज़ में लगातार बढ़ते रहते हैं।

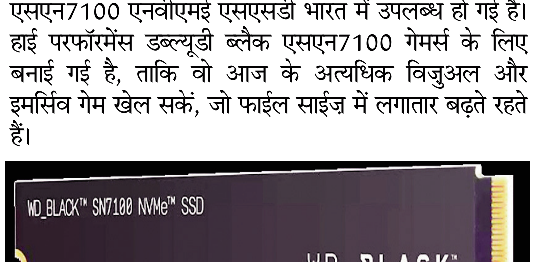

सैनडिस्क के सीनियर डायरेक्टर सेल्स इंडिया, खालिद वानी ने कहा जैसे-जैसे गेम्स की जटिलता बढ़ रही है, और उनके लिए विशाल स्टोरेज की जरूरत पड़ रही है, वैसे-वैसे गेमर्स को उच्च परफॉरमेंस वाली एसएसडी की जरूरत पड़ रही है, ताकि लंबे गेमप्ले के लिए पॉवर एफिशिएंसी मिल सके। एसएन7100 एनवीएमई एसएसडी गेमिंग की अगली जनरेशन के लिए बनाई गई ड्राइव है, जो बेहतरीन परफॉरमेंस, उच्च क्षमता और तेज लोड टाइम प्रदान करती है। यह गेमर्स को अपना सबसे अच्छा गेम दिखाने में मदद करती है।

ओप्पो इंडिया ने पेश की ओप्पो के13 टर्बो सीरीज 5जी

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने ओप्पो के13 टर्बो सीरीज 5जी पेश की है। इस सीरीज़ में दो स्मार्टफोन हैं, ओप्पो के13 टर्बो प्रो 5जी और ओप्पो के13 टर्बो 5जी। ये बिल्ट-इन कूलिंग फैन के साथ आने वाले भारत के पहले स्मार्टफोन हैं, जो स्मार्टफोन थर्मल मैनेजमेंट में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। इन्हें शानदार परफॉर्मेंस और मल्टीटास्किंग के लिए डिज़ाईन किया गया है। इसलिए यह सीरीज़ गेमिंग, हैवी मल्टीटास्किंग, और लंबे समय तक आउटडोर इस्तेमाल के लिए उत्तम है। इसमें आधुनिक एक्टिव और पैसिव थर्मल डिज़ाईन, शक्तिशाली प्रोसेसर, और 80वॉट सुपरवूक फास्ट चार्जिंग के साथ 7,000एमएएच की दमदार बैटरी दी गई है। यह 120हर्ट्ज़ आई-फ्रेंडली ई-स्पोर्ट्स लेवल की

फ्लैट स्क्रीन के साथ आता है। के13 टर्बो सीरीज भारी टास्क के लिए भी सतत और हाई-परफॉर्मेंस अनुभव प्रदान करती है। इसलिए यह आज के डायनामिक और परफॉर्मेंस पर केंद्रित युवाओं के लिए उत्तम सीरीज़ है।

ओप्पो इंडिया के हेड ऑफ प्रोडक्ट कम्युनिकेशन, सैवियो डिसूज़ा ने कहा के13 टर्बो सीरीज हैवी परफॉर्मेंस पसंद करने वाले गेमर्स और हैवी यूज़र्स के लिए बनी है, जो अपने स्मार्टफोन में पॉवर, स्पीड, एंड्योरेंस के साथ बेहतरीन कूलिंग भी चाहते हैं। ये दोनों स्मार्टफोन आधुनिक थर्मल डिज़ाईन, हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट, जीवंत हाई-रिफ्रेश डिस्प्ले, और बड़ी क्षमता की बैटरी के साथ जबरदस्त परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं। जिससे फ्लैगशिप ग्रेड की गेमिंग और पूरे दिन शानदार प्रोडक्टिविटी मिलती है। आम स्मार्टफोन में होने वाली हीटिंग और बैटरी ड्रेन की समस्या इन सीरीज़ में नहीं है।

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

ललित गर्ग

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दशार्ता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है।

भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निमार्ताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है।

नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा ़सेवा और संस्काऱ के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निमार्ता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है। इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है, अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा को लेकर नीतिगत कठोर मानवतापूर्ण बदलाव करें एवं इन्हें मुनाफा कमाने की मशीन न बनने दे। निस्संदेह, भागवत के संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्त्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता, संतुलन एवं सेवा का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

संपादकीय

सड़क पर विरोध

चुनाव आयोग की सत्तारूढ़ दल भाजपा की मिली-भगत को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मचे घमासान के दरम्यान चुनाव आयोग को चुराओ आयोग कहते हुए विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन परिसर से मार्च निकाला। पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया और हिरासत में ले लिया। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत विभिन्न दलों के नेताओं को संसद मार्ग थाने ले जाकर कुछ समय बाद छोड़.दिया गया। गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है। पुलिस ने इस हंगामे पर मीड़िया को स्पष्टीकरण दिया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने से बचाने के लिए उन्हें रोका गया। चूंकि चुनाव आयोग ने तीस सांसदों को मिलने आने को कहा था परंतु दो सौ सांसद मार्च करते हुए सड़क पर निकल पड़े.जो हाथों में तख्तियां लहराते हुए नारेबाजी भी कर रहे थे। आरोप है कि इनके साथ पार्टी कार्यकताओं की भीड़.भी थी। भाजपा ने इसे अराजकता की स्थिति पैदा करने की सोची-समझी रणनीति करार दिया। सत्ता पक्ष ने विपक्ष की आलोचना करते हुए, चुनाव आयोग पर हमले बर्दाश्त न करने की भी बात की। महाराष्ट्र चुनाव परिणामों के बाद से विपक्षी दल वोटों में हेरफेर के आरोप लगा रहे हैं। कर्नाटक लोक सभा चुनाव के दरम्यान भी ऐसी ही बात उठी थी। बिहार में ऐन चुनाव से पहले हुई मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण से इस विवाद को और बल मिला। हालांकि सरकार द्वारा संवैधानिक संस्था को बदनाम करने के प्रयास की आलोचना करना भर संदेह के दायरे को बढ़ाता है। लोकतंत्र में विपक्ष के महत्त्व को कमतर नहीं आंका जा सकता। उनके आरोपों का खंड़न करते हुए, संतोषजनक जवाब देना सरकार तथा आयोग का दायित्व है। सदन में हंगामा करना या सड़कों पर विरोध प्रदर्शन अनूठी बात नहीं है। बेशक, गांधी के दावे न्यायिक दावों पर खरे नहीं उतरते या यह सारा विरोध मात्र जनता का ध्यानाकर्षित करना तथा चर्चा में आना है तो इसका भी खुलासा किया जाना जरूरी है। चुनावी दंगल में आरोप-प्रत्यारोपों का यह दांव नया नहीं है मगर किसी संवैधानिक संस्था पर कीचड़.उछालने को भी जायज नहीं कहा जा सकता।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

अखंड भारत स्मृति दिवस : अखंड भारत के मायने विश्व गुरु

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोडने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है।

विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है।

भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं।

वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोड? का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में डाल रहे हैं ट्रंप

संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के देशों के लिए एक अजीब सी पहेली बनते जा रहे हैं। चीन और रूस जैसे अमेरिका के धुर विरोधियों की बात तो छोड़िए यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप के मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी उन्हें समझ नहीं पा रहे हैं।

एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार हासिल करने के लिए इस कदर बेचैन है कि आतंकवाद की फैक्ट्री के रूप में मशहूर पाकिस्तान जैसे देशों से अपनी पैरवी करवा रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ नापाक पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में भी डाल रहे हैं।

भारत को हर हाल में झुकाने की ऐसी जिद अमेरिकी राष्ट्रपति के सर पर सवार हो गई है कि वो तमाम राजनयिक शिष्टाचार और प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए सीधे पाकिस्तान आर्मी चीफ से बात कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें बार-बार अमेरिका भी बुला रहे हैं। दो महीने के दौरान, पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने दो बार अमेरिका जाकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की है। जाहिर है कि दोनों के बीच चल रही बातचीत इतनी गंभीर और खुफिया है कि टेलीफोन पर करने की बजाय ट्रंप आमने-सामने की बात करने के लिए उन्हें सीधे अपने देश ही बुला लेते हैं। जबकि पाकिस्तान में एक निर्वाचित सरकार है, जिसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। ट्रंप अमेरिका को पाकिस्तान को प्राथमिकता देने वाले पुराने दौर में वापस ले जा रहे हैं जिसका अंजाम अमेरिका को 9/11 के भयानक आतंकवादी हमले के रूप में झेलना पड़ा था। वो इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि पाकिस्तान का साथ देने का मतलब आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों को ही ताकत देना है। मुनीर ने हाल ही में बीजिंग जाकर चीनी नेताओं से भी मुलाकात की थी। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान भी चीन ने पाकिस्तान को भरोसेमंद साझेदार बताते हुए हर तरह से सहयोग देने की बात कही थी। आपको बता दें कि, पाकिस्तान को मिलने वाले 80 प्रतिशत से ज्यादा हथियार चीन से ही आते हैं। मिसाइल से लेकर परमाणु क्षमता तक, पाकिस्तान की हर कामयाबी के पीछे चीन का ही हाथ माना जाता है।

जाहिर सी बात है कि ऐसे में ट्रंप पाकिस्तान के आर्मी चीफ को बढ़ावा देकर या यूं भी कह सकते हैं कि भड़का कर पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, आतंकवादी संगठनों और चीन के एक ऐसे गठजोड़ को मजबूती दे रहे हैं जो न केवल भारतीय उपमहाद्वीप बल्कि एशिया सहित पूरी दुनिया की शांति को भंग कर देगा।

भारत ने परमाणु हथियारों के लिए 'नो फर्स्ट यूज' की नीति घोषित कर रखी है वहीं अमेरिका की धरती पर जाकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख खुलेआम भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे हैं। भारत के खिलाफ बयान देते-देते मुनीर अब भारत के उद्योगपतियों को भी धमकाने लगे हैं। इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि व्यापार को अपनी विदेश नीति का अभिन्न अंग बना चुके ट्रंप के इशारे पर ही मुनीर ने मुकेश अंबानी को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। सारी हदों को पार करते हुए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत के सबसे बड़े उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी का जिक्र करते कहा कि उन्होंने पहले भी ़सूरह फील़ के साथ अंबानी की तस्वीर ट्वीट करवाई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि पाकिस्तान अगली बार क्या करेगा। आपको बता दें कि 'सूरह फील' इस्लामी इतिहास में उस घटना को दशार्ता है, जिसमें अल्लाह ने दुश्मन के हाथियों की फौज पर पक्षियों से पत्थर बरसवाए थे। मुकेश अंबानी भारत के सबसे बड़े उद्योगपति और एशिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक हैं। अमेरिका में पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय को संबोधित करने के दौरान मुकेश अंबानी का नाम और उनकी तस्वीर दिखाकर असीम मुनीर ने ट्रंप के इशारे पर यह बताने की कोशिश की है, कि पाकिस्तान का निशाना सिर्फ सैन्य ठिकाने या इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक प्रतीक और भारत के दिग्गज कारोबारी भी हो सकते हैं।अमेरिका की धरती से ऐसे भड़काऊ बयान देकर असीम मुनीर ये संदेश भी देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन हासिल है।

यह अपने आप में किसी विडंबना से कम नहीं है कि एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी जताते हुए दुनिया भर में पांच युद्धों को रोकने एवं सुलझाने का दावा कर रहे हैं, रूस-यूक्रेन लड़ाई को रोकने के लिए 15 अगस्त को पुतिन के साथ बैठक करने जा रहे हैं और दूसरी तरफ पाकिस्तान को भड़का कर दुनिया को विश्व युद्ध की तरफ ढकेल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कहीं देर न हो जाए, भूख से बिलख रहे बच्चों तक रोशनी पहुंचाएं पोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पॉप सिंगर मैडोना ने पोप लियो चौदहवें से अनुरोध किया है कि वे युद्धग्रस्त गाजा जाएं और वहां संकटग्रस्त बच्चों तक अपनी रोशनी पहुँचाएं। मैडोना ने सोशल मीडिया पर पोप को एक संदेश लिखा है, जिसमें उन्होंने गाजा में बच्चों की पीड़ा को कम करने में मदद करने के लिए गाजा जाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, पोप जल्द वहां पहुंचकर भय-भूख से तड़प रहे बच्चों को रोशनी पहुंचाएं। मैडोना ने लिखा, परम पूज्य फादर, कृपया गाजा जाएँ और बच्चों तक अपनी रोशनी पहुँचाएँ, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। एक माँ होने के नाते, मैं उनकी पीड़ा नहीं देख सकती। दुनिया के बच्चे सबके हैं। 65 वर्षीय गायिका ने आगे लिखा, आप हममें से अकेले हैं जिन्हें वहां प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता। इन मासूम बच्चों को बचाने के लिए हमें मानवीय द्वार पूरी तरह से खोलने की ज़रूरत है। अब और समय नहीं है। मैडोना ने आगे लिखा है, कृपया कहिए कि आप जाएंगे।

इजरायल को दुनिया का ऊर्जा केंद्र कहती हैं मैडोना

मैडोना ने 2005 में अनौपचारिक रूप से अपने नाम में एस्तेर जोड़ लिया था। हालांकि, वह कुछ यहूदी त्योहार मनाती हैं, लेकिन वह यहूदी नहीं हैं। 65 वर्षीय गायिका, शब्बत के कारण शुक्रवार की रात और शनिवार को प्रस्तुति नहीं देतीं । वह इजरायल को दुनिया का ऊर्जा केंद्रकहती रही हैं। मैडोना का तेल अवीव में भी एक घर है। उन्होंने इस देश में तीन संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।

60 हजार फिलिस्तीनियों की हो चुकी है मौत

पिछले 22 महीने से गाजा इजरायली सुरक्षा बलों के हमले में तबाही झेल रहा है। इस दौरान इजरायली सैन्य हमलों में लगभग 60,000 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से आधे महिलाएं और बच्चे हैं। अभी भी वहां रह रहे लोग भय और भूख के साए में हैं। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में 1,200 लोगों की मौत के बाद इजरायल ने गाजा में युद्ध छेड़ दिया था। हमास ने 251 लोगों को बंधक भी बना लिया था।

16 सिंतबर को भारत आएंगे नेपाल के प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली दो दिवसीय दौरे पर 16-17 सिंतबर को भारत आ सकते हैं। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि उनकी यात्रा के दौरान व्यापार, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, संपर्क, जलविद्युत व सीमा समेत कई मुद्दों पर वार्ता होगी। इससे पहले सितंबर के अंत में ओली के आने के कयास लगाए जा रहे थे।

25 अगस्त को अमेरिका दौरे पर जाएंगे दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्युंग इस महीने के अंत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए वाशिंगटन जाएंगे। ली के कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि इस मुलाकात में परमाणु हथियारों से लैस उत्तर कोरिया और अन्य खतरों के साथ ही व्यापार और रक्षा सहयोग पर चर्चा होगी। 25 अगस्त को म्युंग और ट्रंप में होने वाली शिखर वार्ता जुलाई में दोनों देशों के बीच हुए एक व्यापार समझौते के बाद होगी, जिसमें वाशिंगटन ने दक्षिण कोरिया पर अपने पारस्परिक शुल्क को शुरू में प्रस्तावित 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत करने का एलान किया था। दक्षिण कोरियाई कारों पर भी यही कम दर लागू करने पर सहमति बनी थी, जो अमेरिका को दक्षिण कोरिया से होने वाला सबसे बड़ा निर्यात है। ली के प्रवक्ता कांग यू-जंग ने कहा कि दक्षिण कोरिया ने अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र में 100 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद और देश में 350 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर भी सहमति व्यक्त की है। दोनों नेता अपनी बैठक में सेमीकंडक्टर, बैटरी और जहाज निर्माण जैसे प्रमुख उद्योगों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा कर सकते हैं।

पेंटागन के पूर्व अफसर ने उड़ाई खिल्ली, कहा- वर्दी वाले लादेन हैं आसिम मुनीर, ट्रंप को भी लपेटा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तुलना अलकायदा आतंकी ओसामा बिन लादेन से की है। रुबिन ने कहा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर सेना की वर्दी पहने हुए ओसामा बिन लादेन हैं। उनकी यह तीखी टिप्पणी आसिम मुनीर के हालिया परमाणु हमले की टिप्पणी के बाद आई है।

पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाक सेना प्रमुख के रुख की कड़ी निंदा की है और पाकिस्तान पर एक दुष्ट देश की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया। रुबिन ने कहा कि अमेरिकी धरती पर पाकिस्तान की धमकियाँ पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। यह कई लोगों के मन में सवाल खड़ा कर रही है कि क्या पाकिस्तान एक राष्ट्र के रूप में अपनी ज़िम्मेदारियाँ निभा सकता है या उसे ख़त्म करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर का बयान ओसामा बिन लादेन से सुनी बातों की याद दिलाता है।

मुनीर ने कहा था- आधी दुनिया को ले डूबेंगे

बता दें कि अमेरिका दौरे पर गए पाक सेना प्रमुख मुनीर ने भारत के खिलाफ परमाणु हमले की गीदड़भभकी दी थी और कहा था कि आधी दुनिया को ले डूबेंगे। आसिम मुनीर ने पिछले दिनों फ्लोरिडा के टैम्पा में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान कथित तौर पर चेतावनी दी थी कि अगर पाकिस्तान डूबा तो वह अपने साथ आधी दुनिया को भी ले डुबेगा। मुनीर ने कहा था, हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को भी अपने साथ ले डूबेंगे।

अवांछित व्यक्ति घोषित हों आसिम मुनीर

पूर्व पेंटागन अधिकारी ने आगे कहा कि ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन को इस्लामाबाद को गैर-नाटो सहयोगी नहीं मानना चाहिए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान पहला बड़ा गैर-नाटो सहयोगी होना चाहिए जिसे आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देश के रूप में सूचीबद्ध किया जाए और उसे अब अमेरिकी सेंट्रल कमांड का सदस्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुनीर को अमेरिका में अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाना चाहिए और उन्हें तब तक अमेरिकी वीज़ा नहीं मिलना चाहिए जब तक कि वह अपनी सफाई न दें और माफी न मांग लें।

आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों की सूची में डालना चाहिए

रुबिन ने आसिम मुनीर को वर्दी वाला लादेन करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान की सोच और रणनीति में किसी भी तरह के रियायत देने पर भी बदलाव संभव नहीं है। रुबिन ने पाक सेना प्रमुख की इस टिप्पणी पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पाकिस्तान आधी दुनिया को परमाणु हथियारों की धमकी दे रहा है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पाकिस्तान ने एक वैध राज्य होने का अपना अधिकार खो दिया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिका पाकिस्तान के संबंधों पर विचार करे और उसे आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों की सूची में डाला जाना चाहिए।

न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध नृत्य महोत्सव में 15 अगस्त को होगा भारत दिवस

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में 44वें वार्षिक बैटरी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसका आयोजन 12 से 16 अगस्त तक चलेगा। यह सबसे लंबे समय से चला आ रहा सार्वजनिक नृत्य महोत्सव है। भारतीय स्वतंत्रता दिवस के दिन यानी 15 अगस्त को इस नृत्य महोत्सव में शक्ति - स्त्री की दिव्य ऊर्जा - के सार पर केंद्रित नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की जाएंगी। 15 अगस्त को महोत्सव में भारत दिवस का आयोजन होगा, जो शक्ति - दिव्य ऊर्जा का एक मिश्रित कार्यक्रम होगा, जिसमें वैश्विक कलाकारों द्वारा स्त्री के सार और रचनात्मकता को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। बैटरी डांस के संस्थापक और कलात्मक निदेशक जोनाथन हॉलैंडर ने बताया, पिछले दो वर्षों से हमारा ध्यान पुरुष, यानी पुरुष नर्तकों पर केंद्रित था, और इस वर्ष हमने इसे बदल दिया है और हमारा ध्यान शक्ति, दिव्य ऊर्जा पर केंद्रित होगा। हॉलैंडर ने कहा, आज की दुनिया के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, जहां बहुत सारे संघर्ष और विखंडन जारी हैं। भारत दिवस कार्यक्रम को न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास और न्यूयॉर्क स्थित भारतीय स्टेट बैंक ने फंडिंग की है। कार्यक्रम में पिट्सबर्ग के नंदनिक नृत्य दल और कोलकाता के कोरियोग्राफर और एकल कलाकार सुभाजीत खुश दास देवी काली पर एक नई प्रस्तुति देंगे। साथ ही कोरियोग्राफर बिजयिनी सत्पथी, माया कुलकर्णी, सोनाली स्कंदन, स्वाति गुंडापुनीदी-अटलुरी, सुभाजीत खुश दास, रंजीत बाबू और मालिनी श्रीनिवासन द्वारा ओडिसी, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथकली की शैलियों में नृत्य कार्यक्रम किए जाएंगे।

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया में स्टील प्लांट में धमाका, 2 की मौत, 10 घायल

पिट्सबर्ग , एजेंसी। अमेरिकी राज्य पेनसिल्वेनिया पिट्सबर्ग में यूएस स्टील प्लांट में सोमवार को जोरदार धमाका हुआ। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग अस्पताल में भर्ती कराए गए। धमाके के बाद कई छोटे-छोटे विस्फोट भी हुए और काले धुएं का गुबार आसमान में फैल गया।

इस प्लांट में पहले भी हुए हतसे

हादसा सुबह करीब 10:51 बजे हुआ। धमाके के बाद एक घायल कर्मचारी को मलबे से घंटों बाद बाहर निकाला गया। पास के इलाकों में झटका महसूस किया गया, जिससे स्थानीय प्रशासन ने लोगों को घटना स्थल से दूर रहने की अपील की। यूएस स्टील के चीफ मैन्युफैक्चरिंग ऑफिसर स्कॉट बुकिसो ने कहा कि फिलहाल धमाके के कारण और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों ने तेजी से गैस सप्लाई बंद की और फंसे हुए साथियों को बाहर निकाला। कंपनी अब जापान की निप्पॉन स्टील कॉर्प की सहायक इकाई है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर जांच कर रही है। इस प्लांट में 2009 में धमाके में एक मजदूर की मौत हुई थी। 2010 में हुए धमाके में 20 लोग घायल हुए थे। 2014 में एक कर्मचारी की मौत ट्रेंच में गिरने से हुई थी। सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर पहले भी कंपनी पर जुर्माना लग चुका है।

पाकिस्तान ने भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों की गैस सप्लाई रोकी

लोकल वेंडर्स को गैस सिलेंडर न देने के निर्देश, मिनरल वाटर और न्यूज पेपर भी बंद किए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेचें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है। पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तौर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्स्ढ्र की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान बदले की छोटी-छोटी कार्रवाइयां कर रहा है। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है। पाकिस्तान पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका है। 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह परेशान किया था। उस समय, भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया, उप उच्चायुक्त जे.पी. सिंह, और नौसेना सलाहकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा था। इन घटनाओं में लगातार पीछा करना, सुरक्षाकर्मियों से पूछताछ करना और फर्जी फोन कॉल करना जैसी हरकतें शामिल थीं। द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों को परेशान करने की 19 घटनाएं हुईं। राजनयिकों के उत्पीड़न में इस बढ़ोतरी के बाद भारतीय उच्चायोग ने यह मुद्दा पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के सामने उठाया था।

पाकिस्तान का यह कदम वियना कन्वेंशन का उल्लंघन : पाकिस्तान के गैस, पानी और अखबार रोकने का फैसला वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमैटिक रिलेशंस (1961) का उल्लंघन है। कन्वेंशन के आर्टिकल 25 के मुताबिक मेजबान देश को डिप्लोमैटिक मिशन के सुचारू काम के लिए सभी सुविधाएं देनी होती हैं। पाकिस्तान ने जानबूझकर ये बुनियादी सप्लाई रोककर मिशन के काम और राजनयिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट डाली। कन्वेंशन का मकसद है कि डिप्लोमैट बिना भय और हस्तक्षेप के काम कर सकें। पाकिस्तान की ये हरकतें सीधे तौर पर दबाव का माहौल बनाने की कोशिश हैं।

ट्रंप ने ईजे एंटनी को श्रम सांख्यिकी ब्यूरो का प्रमुख बनाया, नौकरी और महंगाई का डेटा रखती है एजेंसी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नौकरी और महंगाई के आंकड़े जारी करने वाली एजेंसी ब्यूरो ऑफ लेबर स्टेटिक्स (श्रम सांख्यिकी ब्यूरो) के प्रमुख के पद पर रूढ़िवादी अर्थशास्त्री ईजे एंटनी की नियुक्ति की है। ईजे एंटनी कंजर्वेटिव हेरिटेज फाउंडेशन के मुख्य अर्थशास्त्री है। अभी एंटनी की नियुक्ति को सीनेट से मंजूरी मिलना बाकी है।

एरिका मैकएंटार्फर की जगह लेंगे एंटनी

ट्रंप ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और ईजे यह सुनिश्चित करेंगे कि जारी किए गए आंकड़े ईमानदारी और पूरी सटीकता के साथ जारी किए जाएं। अगर ईजे एंटनी के

नाम को सीनेट से मंजूरी मिल जाती है, तो वह एरिका मैकएंटार्फर की जगह लेंगे। ईजे एंटनी की सरकारी खर्च, कराधान और केंद्रीय बैंक की नीतियों के गहन विश्लेषण में विशेषज्ञता है। एंटनी ने नॉर्दर्न इलिनोइस विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और कई शैक्षणिक संस्थानों में अध्यापन किया है। एंटनी के व्यापक राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेजों की आलोचनाएं और दीर्घकालिक ऋण संचय के बारे में चेतावनियां जैसे लेख प्रकाशित हुए हैं।

रोजगार के आंकड़ों से ट्रंप ने जताई थी नाराजगी

एरिका को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में श्रम सांख्यिकी ब्यूरो का आयुक्त नियुक्त किया गया था। ट्रंप ने 1 अगस्त को मैकएंटार्फर को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल बीते दिनों मैकएंटार्फर ने जुलाई महीने में रोजगार के आंकड़े जारी किए थे। इन आंकड़ों में बताया गया था कि मई और जून में रोजगार वृद्धि अनुमान से काफी कम रही थी। ट्रंप ने इस रिपोर्ट पर नाराजगी जाहिर की थी और बिना किसी ठोस सबूत के राजनीतिक कारणों से रोजगार के आंकड़ों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया था।

यमन के शीर्ष नेता ने की भारत से दोस्ती की तारीफ

सना , एजेंसी। यमन के शीर्ष नेता रशद अल-अलीमी ने भारतीय राजदूत के साथ एक बैठक में अपने मुल्क की भारत के साथ सहकारी द्विपक्षीय संबंधों और गहरी दोस्ती की खासी तारीफ की। यमन के राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के प्रमुख अल-अलीमी ने रविवार को रियाद में भारतीय राजदूत सुहेल खान से मुलाकात में गर्मजोशी से भरा यह संदेश दिया। भारतीय दूतावास के मुताबिक, भारतीय राजदूत डॉ खान, उप मिशन प्रमुख अबू मैथेन और प्रथम सचिव ऋषि त्रिपाठी के साथ अल-अलीमी से मिले। बैठक में भारत-यमन संबंधों को और मजबूत करने व द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई।

अमेरिका के टेक्सास में टारगेट स्टोर के बाहर फायरिंग, 3 की मौत, आरोपी गिरफ्तार

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिकी राज्य टेक्सास के ऑस्टिन में सोमवार दोपहर एक व्यक्ति ने टारगेट स्टोर की पार्किंग में अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इसमें कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले एक कार चुराकर भागा, फिर उसका एक्सीडेंट हो गया और उसने एक डीलरशिप से दूसरी कार चुरा ली। करीब 32 किलोमीटर दूर साउथ ऑस्टिन में पुलिस ने उसे टेसर का पकड़ लिया। ऑस्टिन पुलिस चीफ लिसा डेविस ने बताया कि आरोपी की उम्र करीब 30 साल है और उसका मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा इतिहास है। फायरिंग की घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:15 बजे हुई।

मौके पर पहुंचे अधिकारियों को 3 लोग गोली लगने से घायल मिले, जिनमें से 2 की मौके पर ही मौत हो गई और तीसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एक अन्य व्यक्ति को मामूली चोटें आईं। डेविस ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। फिलहाल पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की गई है।

इंडोनेशिया : अदालत ने समलैंगिकों को दी बेंत से पीटने की सजा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के रूढ़िवादी आसेह प्रांत में एक इस्लामी शरिया अदालत ने दो पुरुषों को यौन कृत्य में लिप्त रहने के जुर्म में सार्वजनिक रूप से 80-80 बेंत पीटने की सजा सुनाई। प्रांतीय राजधानी बैंडा आसेह की इस्लामी शरिया जिला न्यायालय में यह मुकदमा बंद कमरे में चला। इस समलैंगिक जोड़े (दोनों की उम्र 20-21 साल) को अप्रैल में तमन सारी सिटी पार्क में स्थित एक ही शौचालय में घुसते देखा गया था और तभी इनकी गिरफ्तारी हुई थी।

मुझे 2 मिनट के अंदर पता चल जाएगा कि कोई डील होगी या नहीं: डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होने वाली है। इस मीटिंग को लेकर डोनाल्ड ट्रंप खासे उत्साहित हैं और उन्हें लगता है कि रूस और यूक्रेन के बीच जंग को वे रुकवा सकेंगे। इजरायल और ईरान के बीच जंग से लेकर कई युद्धों को रुकवाने का दावा करने वाले ट्रंप ने एक बार फिर से मजेदार बात की है। उन्होंने कहा कि व्लादिमीर पुतिन के साथ मीटिंग में 2 मिनट के अंदर उन्हें पता चल जाएगा कि कोई डील होगी या नहीं। यूक्रेन से जंग रुकने की डील मुझे दो मिनट में पता चला जाएगी। यदि ऐसा नहीं होना होगा तो वह भी पता चल जाएगा। वाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने यह बात कही। वॉशिंगटन शहर की पुलिस की कमान अपने हाथों में लेने की जानकारी देते हुए ट्रंप ने रूस की भी बात की। ट्रंप ने कहा, मीटिंग के अंत में और जहां तक संभव है शुरुआती दो मिनट में ही पता चल जाएगा कि कोई डील होगी या नहीं। उनकी इस बात पर एक रिपोर्टर ने यह भी पूछा कि आखिर आपको दो मिनट के अंदर कैसे पता चल जाएगा कि डील हो पाएगी या नहीं। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया कि मैं डील ही करता हूं और मेरे पास इसका अनुभव है। शुक्रवार को दोनों नेताओं की बहुप्रतीक्षित मुलाकात होने वाली है। ट्रंप का कहना है कि उन्हें इस मीटिंग से काफी उम्मीदें हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह मीटिंग अच्छी भी हो सकती है और खराब भी। ट्रंप न कहा, बहुत कुछ भाग्य पर निर्भर करता है, लेकिन बढ़ते रहना है। मैं इतना कह सकता हूं कि हम एक अच्छी डील करेंगे। पहले डोनाल्ड ट्रंप चाहते थे कि इस मीटिंग में वोलोदिमीर जेलेंस्की भी आएं, लेकिन उनका आने का इरादा नहीं है। वजह यह भी है कि शायद व्लादिमीर पुतिन नहीं चाहते कि वह जेलेंस्की के साथ कोई डील करें। इस पर ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की तो अपने स्तर पर कई मीटिंग कर चुके हैं।

पुलिसिंग की भूमिका में अमेरिकी सेना के इस्तेमाल पर ट्रंप पर मुकदमा शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के अपने निर्वासन प्रयासों का समर्थन करने और लॉस एंजिल्स में प्रदर्शनों को दबाने के लिए नेशनल गार्ड बलों के इस्तेमाल को लेकर सोमवार को ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हुआ। यह अमेरिकी सड़कों पर सैनिकों की तैनाती के खिलाफ लंबे समय से चले आ रहे मानदंडों को तोड़ने के फैसले को कानूनी चुनौती है। सैन फ्रांसिस्को स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश चार्ल्स ब्रेयर के समक्ष तीन दिवसीय गैर-जूरी यह तय करेगी कि क्या सरकार ने 19वीं सदी के उस कानून का उल्लंघन किया था, जो जून में ट्रंप द्वारा सैनिकों की तैनाती के समय सेना को नागरिक कानून प्रवर्तन से रोकता है। जैसा कैलिफोर्निया ने कानूनी चुनौती में दावा किया है। ब्रेयर ने सोमवार की सुनवाई की शुरुआत में कहा, अदालत को जिस तथ्यात्मक प्रश्न का समाधान करना चाहिए, वह यह है कि क्या घरेलू कानून लागू करने को सेना का इस्तेमाल हुआ था। अगर हां, तो क्या यह खतरा बना है कि ऐसा फिर से किया जा सकता है। प्रशासन इस बात से इन्कार करता है कि सैनिकों का इस्तेमाल नागरिक कानून प्रवर्तन में किया गया था और यह दिखाने की योजना बना रहा कि वे संघीय संपत्ति और अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंटों की सुरक्षा कर रहे थे।

व्यक्तित्व के अनुसार चुनें रंग

- अगर आप मोटे हैं तो गाढ़े रंग पहनिए जो ऊपर से नीचे तक एक ही रंग के हों। इससे आपको देखने वाले का ध्यान आपके मोटापे की ओर न जाकर आपकी लंबाई पर जाएगा।
- अगर आप आधिक लंबी हैं तो पोलका डॉट प्रिंट का चयन करते समय ध्यान दें कि उनका बैकग्राउण्ड हल्के रंग का हो। अगर आप लंबी व पतली दिखना चाहती हैं तो छोटे व हल्के रंग के डॉटस हों पर बैकग्राउण्ड गहरे रंग का हो।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप जिस भी आउटफिट का चयन कर रही हैं, वह कंट्रास्ट न होते हुए एक ही रंग का होना चाहिए जिससे आप देखने वाले को लंबी नजर आएंगी।
- आप शार्ट-स्कर्ट पहनना पसंद करता हैं पर आपकी टांगें बहुक पतली हैं तो यहां भी रंग आपकी मदद कर सकते हैं। एक तो आप अपनी टांगों को सही आकार में दिखाने के लिए हल्के रंग का लेगिंग्स पहनिए और समानान्तर स्ट्राइप्स आपकी टांगों को सही आकार की दिखने में मदद करेगी।

जब सर्दी ये सताये त्वचा रूखी हो जाए

सर्दियों के मौसम में रूखी, चुभती सर्द हवाओं से शरीर की कांति फीकी पड़ जाती है। ऐसे में कुछ आसान से नुस्खे अपना कर आप अपने त्वचा की सार-संभाल कर सकती हैं और तन को खिला-खिला रख सकती है।

- तीन-चार बादाम नित्य सेवन करने से होंठ नहीं फटते तथा होंठ गुलाबी बने रहते हैं।
- इस मौसम में उंगलियों में सूजन आ जाने पर 4 चम्मच सरसों के तेल में एक चम्मच बारीक पिसा हुआ सेंधा नमक मिलाकर गर्म करें तथा रात को इसे उंगलियों पर लगाकर मोजे पहनकर सोएं, आराम मिलेगा।
- सर्द हवाओं से त्वचा को बचाने के लिए दो चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं। कुछ देर धूप में बैठकर साफ पानी से स्नान कर लें।
- बदन का रंग निखारने के लिए दो छोटे चम्मच नींबू का रस और चार छोटे चम्मच दूध मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद हल्के गरम पानी से स्नान करें।
- संतरे के छिलके गोदकर गरम पानी में डाल दें। इसको रातभर पड़े रहने दें। सुबह इस पानी से चेहरा साफ करें। इससे आपकी त्वचा में जबरदस्त निखार आएगा। और त्वचा खिली-खिली हो जाएगी।
- नींबू का रस हल्के गरम पानी में मिलाकर स्नान करें। त्वचा को ताजगी मिलेगी।
- सर्द मौसम में त्वचा का रूखापन दूर करने के लिए सरसों के तेल में टमाटर व नींबू का रस बराबर मात्रा धूप में बैठें, फिर स्नान कर लें।
- शीत के प्रकोप में उबले पालक के पानी को ठंडा कर चेहरा धोने से नई ताजगी मिलेगी साथ ही चेहरा खिला-खिला बना रहेगा।
- चेहरे का सांवलापन दूर करने के लिए एक चम्मक कच्चे दूध में एक ग्राम हल्दी मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाए रखें। कुछ देर बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धोएं। शीत में यह प्रयोग हफ्ते में 4 बार करने से सांवलापन दूर होने लगता है।
- तेलीय त्वचा में निखार लाने व त्वचा को कोमल बनाने के लिए 4 छोटे चम्मच खीरे के रस, 2 चम्मच कच्चा दूध व 2 चम्मच गुलाब जल मिलाकर अच्छी तरह फेंटें। इससे मालिश कर कुनकुने पानी से स्नान करें।
- मुरझाई त्वचा के लिए एक बर्तन में नारंगी के सूखे छिलके डालकर गरम पानी मिलाएं व ढककर रख दें। जब पानी कुछ ठंडा हो जाए तो छानकर शीशी में भरें। रोज सुबह इस पानी की मालिश पूरे बदन पर करें। चंद दिनों में ही मुरझाई त्वचा ताजे गुलाब की तरह खिलकर महक उठेगी।

खूबसूरती के घरेलू टिप्स

डैंड्रफ के लिए पैक

मुल्तानी मिट्टी के घोल में दही, नींबू का रस व अंडे का पीला भाग मिला कर लगभग पच्चीस मिनट तक बालों में लगा रहने दें, फिर शैंपू कर लें।

झड़ते बालों के लिए

बाल यदि तीव्र गति से झड़ रहे हों तो मुल्तानी मिट्टी में दही, टमाटर व नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें और लगभग बीस मिनट तक बालों में लगा रहने दें, और फिर त्वचा को धो ले, इस पैक का प्रयोग बालों के झड़ने की समस्या का समाधान ही नहीं करता बल्कि बालों को पोषणता भी प्रदान करता है।

त्वचा के कालेपन के लिए

चेहरे की त्वचा में यदि कालापन हो तो उसकी समस्या के समाधान करने के लिए मुल्तानी मिट्टी में चन्दन पाउडर मिलाकर उसका पेस्ट तैयार कर लें इस पैक को त्वता पर सूखने तक लगाये।

त्वचा में कसाव लाने के लिए

एक मसले हुए केले में दो चम्मच शहद अच्छी तरह मिक्स कर लें, उपरोक्त मिश्रण को पैक की भांति त्वचा पर लगभग बीस मिनट तक लगाते रहें। इस पैक का प्रयोग त्वचा में कसाव लाकर त्वचा को आकर्षक बनाता है।

दाल पकान

सामग्री: दाल के लिए-

आधा कटोरी भिगोई हुई चना दाल, 1 टेबलस्पून तेल, 1 टीस्पून नमक, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टीस्पून लालमिर्च पाउडर, चुटकीभर हींग, थोड़ी-सी इमली।

पकान के लिए-

100 ग्राम मैदा, नमक स्वादानुसार, आधा टेबलस्पून तेल व तलने के लिए तेल, मीठी चटनी, हरी चटनी, 2 टेबलस्पून बारीक कटी प्याज, 1 टेबलस्पून हरी धनिया।

विधि:

मैदे में नमक और आधा टेबलस्पून तेल मिलाकर सख्त आटा गूंध लें और छोटी-छोटी पूरियां बेलकर सुनहरा होने तक तल लें। (आप चाहें तो मार्केट से रेडीमेड पूरियां भी ले सकती हैं)।

एक पैन में तेल गर्म करें। हींग, चना दाल और दाल वाली सभी सामग्रियां मिलाकर पांच मिनट तक या दाल पकने तक पकाएं।

एक डिश में पूरियां रखें, हर पूरी पर थोड़ी-थोड़ी दाल डालें। हरी-मीठी चटनी, प्याज और हरी धनिया डालकर सर्व करें।

सावधानी से लगाएं बिंदिया

- स्टिकर बिंदी हमेशा लगा कर न रखें। इससे त्वचा को नुक्सान पहुंत सकता है।
- सफर में जाने से कुछ समय पहले ही बिंदी लगाएं।
- नीचे गिरी या कई बार प्रयोग में लायी गयी तथा किसी दूसरे द्वारा प्रयोग में लायी गई बिंदी का इस्तेमाल कभी न करें। इससे संक्रमण होने का भय बना रहता है।
- अच्छी कंपनी की एवं हरेक बार नई बिंदी का ही इस्तेमाल करें।
- बिंदी जिस जगह पर लगायी जाती है उस जगह को साफ करने के बाद कच्चा दूध, मलाई, कोल्ड क्रीम या स्किन आयल जरूर लगाएं।
- अगर बिंदी लगाने के बाद बिंदी लगाने वाली जगह पर खुजली हो तो कुछ दिनों के लिए बिंदी लगाना बंद कर दीजिए।
- किसी की मृत्यु आदि गमी के मौके पर आप जा रही हों तो इसका ध्यान अवश्य रखिए कि बिंदी लाल रंग की न हो। इस अवसर पर आप काली बिंदी लगाकर जा सकती है।

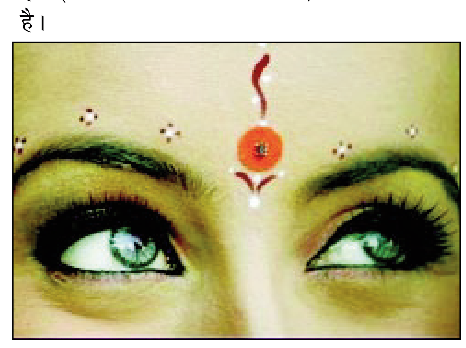

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1928

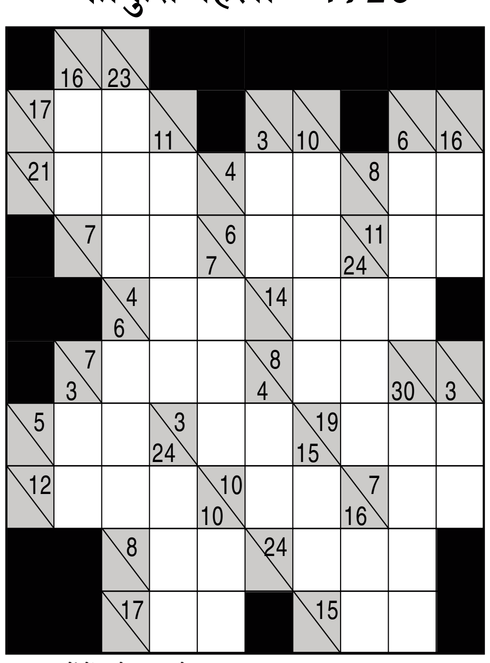

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

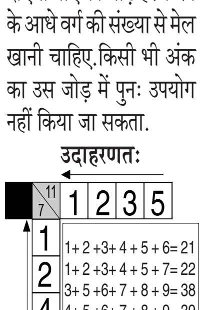

काकुरो - 1927 का हल

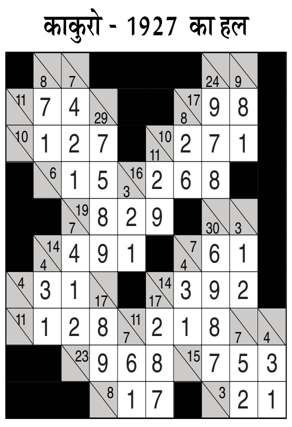

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

▯ ▯ ▯

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 1928

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1927

ह	म	तु	म		बं	दि	श		जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा	जी
	दी		न		र		बी		र
दी	वा	ना		जी	न	त		क	
	र		अं	त		ला	वा	रि	स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा	
क्रो	ध		ज	मी	र		अ		इं
श		आ		रा		ज	मा	न	त
	म	ह	ल		जीं		न		का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त		म

सूडोकु -1928

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1927 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 1928

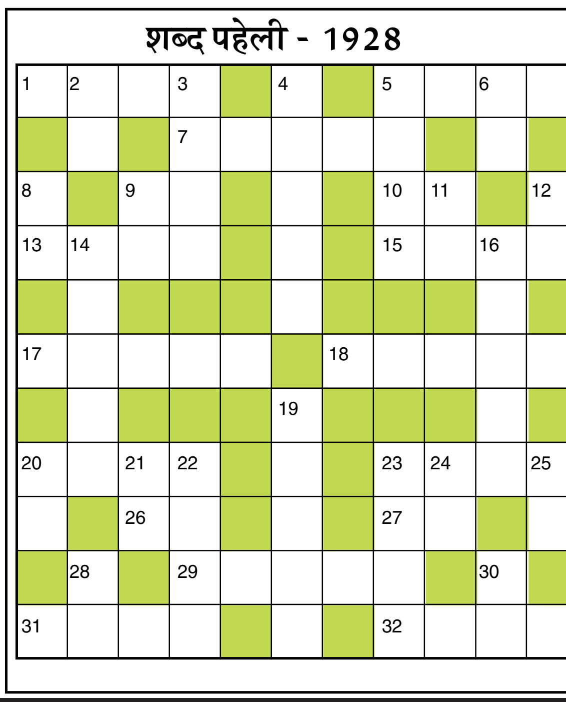

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 1927 का हल

क	ल	ह		म		प	र	दा	न	शी
पू		क	ल	श		छ	बी	ल		त
त	ल			व		ता			सा	ल
	ल		धा	रा	प्र	वा	ह		व	
म	क	ब	रा		था		म	हा	न	ता
			वा	दा		मा	स			
ह	म	रा	ही		पा		फ	र	मा	न
	यू		क	हा	नी	का	र		य	
ख	र			थी		र			का	न
प		ब	र	खा		ना	र	द		य
त	र	स	खा	ना		मा		म	न	न

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पहुंचे नेमरा, शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

रांची। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद अखिलेश यादव झारखंड के रामगढ़ जिला के गोला अंचल अंतर्गत नेमरा गांव पहुंचे। उन्होंने यहां शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री तथा स्वर्गीय शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उनको सांत्वना दी। अखिलेश यादव ने इस मौके पर शिबू सोरेन को आदिवासियों का बड़े नेता बताते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्षों और मजबूत विचारधारा से जुड़ा रहा। शिबू सोरेन का संघर्ष और विचारधारा उनके बेटे और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को विरासत में मिली है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपना जीवन का एक-एक पल आदिवासी, दलित, शोषित, पीड़ित एवं वंचित समुदायों के कल्याण में लगा दिया। गुरुजी के जीवन से हम सभी को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन जी भले ही आज हम सभी के बीच नहीं है। लेकिन उनका संघर्ष, आदर्श एवं व्यक्तित्व को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। गुरुजी एक प्रभावशाली जननेता के रूप में युग-युग तक याद किए जाएंगे, जिन्होंने समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने विश्वास जताया कि हेमंत सोरेन इस विरासत को आगे लेकर जाएंगे और झारखंड के विकास के लिए काम करते रहेंगे।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमाओं पर बीएसएफ अलर्ट : आईजी

जोधपुर। सीमा सुरक्षा बल राजस्थान फ्रंटियर के आईजी एमएल गर्ग ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को लेकर सीमा सुरक्षा बल पूरी तरह से सतर्क है और अलर्ट मोड में काम कर रही है। बीएसएफ दोनों संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमाओं भारत-पाकिस्तान और बांग्लादेश की निगरानी और सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 6500 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जा रही है। स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर दोनों सीमाएं सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील हैं। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा क्षेत्रों में गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, जिसके मद्देनज़र बीएसएफ ने ऑपरेशन अलर्ट को लगातार जारी रखा है। इसके तहत निगरानी और गश्त को तेज़ किया गया है तथा सुरक्षा के हर पहलू को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्ट्रेंथ और सर्विलांस को बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अत्याधुनिक उपकरणों के साथ-साथ मानवीय संसाधनों को भी बढ़ाया गया है। इसके साथ ही सीमा पर बसे लोगों की भागीदारी को भी सुनिश्चित किया गया है। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को सतर्क और सजग रहने की जानकारी दी जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दी जा सके। बीएसएफ देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किसी भी प्रकार की चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

गृह मंत्री शाह से मिले मप्र के मुख्यमंत्री, सहकारिता के क्षेत्र में किए गए नवाचारों से कराया अवगत

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संसद भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री शाह को प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में नए कानून लागू करने और किए गए नवाचारों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि मध्य प्रदेश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में देश की राजधानी बने, इसके निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में देश में प्रदेश की हिस्सेदारी, जो अभी 9 प्रतिशत है, उसको बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। नए कानून लागू करने में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चल रहे नवाचारों के माध्यम से सुशासन के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री शाह से मिल रहे मार्गदर्शन और सहयोग के लिये आभार माना।

बाढ़ के कारण टापू बना भागलपुर का टीएमबीयू

भागलपुर। बिहार के कई जिले इन दिनों बाढ़ की चपेट में हैं। बक्सर से लेकर भागलपुर तक गंगा के निचले इलाकों में बाढ़ का कहर जारी है। भागलपुर का तिलकामांझी विश्वविद्यालय भी इस समय पानी से चारों तरफ से घिरकर टापू में तब्दील हो गया है। बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पठन-पाठन का कार्य फिलहाल रोक दिया है। हालांकि कार्यालय का कामकाज जारी है। हालात ऐसे हैं कि छात्र, शिक्षक और शिक्षिकाएं नाव के सहारे आ-जा रहे हैं। इसी बीच विश्वविद्यालय में तिलकामांझी की मूर्ति का अनावरण करने के लिए राष्ट्रपति का भागलपुर दौरा संभावित है। ऐसे में बाढ़ की इस विकट परिस्थिति में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करना विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। कुलसचिव डॉ रामाशीष पूर्वे ने बताया की अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों के विश्वविद्यालय आने जाने के लिए टीएमबीयू प्रशासन के द्वारा अधिकृत रूप से केवल दो नावों की ही व्यवस्था की गई है। इन नावों पर विश्वविद्यालय नाव का पोस्टर भी लगाया गया है। विभिन्न सूत्रों से जानकारी मिल रही है की विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गए इन दो नावों के अलावे बाहर के भी कई नावों का संचालन अनाधिकृत रूप से विश्वविद्यालय परिसर में किया जा रहा है।

हरियाणा-राजस्थान बॉर्डर पर दो समुदायों में हिंसक झड़प, 10 घायल

एजेंसी

नूंह। हरियाणा के नूंह जिला के गांव मुंडाका और राजस्थान बॉर्डर के हाजीपुर गांव के बीच दो समुदायों के बीच गाड़ी खड़ी करने को लेकर हिंसक झड़प हो गई। देखते ही देखते लोगों ने वाहनों को आग के हवाले कर दिया और तोड़फोड़ शुरू कर दी। गुस्साए लोगों ने दुकानों को आग लगा दी और छतों से पथराव करना शुरू कर दिया। इस हिसंक झड़प में दोनों समुदायों के करीब 10 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही फिरोजपुर झिरका से हरियाणा पुलिस एवं राजस्थान पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर काबू पाया। समाचार लिखे जाने तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा। जानकारी के अनुसार फिरोजपुर झिरका के गांव मुंडाका में शाम के समय सड़क के

बीच गाड़ी खड़ी करके इसरा नामक व्यक्ति कोल्ड ड्रिंक पीने लगा। गांव के समय सिंह ने इसरा से रास्ता से गाड़ी हटाने की बात कही। इसी बात से इसरा ने कार से उतरकर कोल्ड ड्रिंक की बोतल समय सिंह के सिर पर दे मारी। अचानक हुए हमले से समय सिंह का सिर फट गया और खून बहने लगा। आरोप है कि घायल समय सिंह ने अपने भाई को बुलाया तो हालात और बिगड़ गए। इसरा ने समय सिंह के भाई पर भी हमला कर दिया। इस झगड़े की खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और लोग इक्ट्ठा होने लगे। देखते ही देखते झगड़े ने सांप्रदायिक रूप ले लिया। गांव के दोनों पक्षों के लोग छतों पर चढ़ गए और पथराव शुरू कर दिया। कांच की बोतले भी फेंकी जाने लगी। गुस्साएं लोगों ने इसरा के घर में घुसकर बाइक को आग के हवाले कर दिया। दूसरे पक्ष के लोगों ने भी हिंदुओं की दुकानों में आग लगा दी। पूरे क्षेत्र में धुआं-धुआं हो गया। डेढ़ घंटे के करीब पथराव और आगजनी का तांडव चलता रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का काफी प्रयास किया लेकिन स्थिति काबू में नहीं आई।

शुलटंकेश्वर मंडल में 70 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा

एजेंसी

वाराणसी। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के पंचकोशी मार्ग पर स्थित औढ़े तिराहे से शुलटंकेश्वर मंडल अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह के नेतृत्व में एक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह और विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य ने किया। शुलटंकेश्वर मंडल में 70 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा यात्रा में शुलटंकेश्वर मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति गीतों और नारों के साथ तिरंगा झंडा लहराते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष किए। यह यात्रा औढ़े से शुरू होकर भदवर, अष्टभुजा, देऊरा, और काशीपुर पहुंची, जहां क्वीन पीएस कॉन्वेंट स्कूल के बच्चों के सहयोग से 70 मीटर लंबा तिरंगा झंडा यात्रा में शामिल किया गया। यात्रा मातलदेई चौराहे पर समाप्त हुई। मुख्य अतिथि सुरेंद्र नारायण सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 10 से 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करना है। इस भव्य तिरंगा यात्रा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि हमारी एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। यात्रा का संचालन दीपक सिंह और अजय दुबे ने किया, जबकि स्वागत शारदा प्रसाद उर्फ गुड्डू सिंह और धन्यवाद ज्ञापन गोपाल नारायण सिंह ने किया। इस अवसर पर उदयभान सिंह उदल, विकास दुबे, विनोद सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह, अमरनाथ गिरी, अनूप श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश सिंह, आशीष कुमार सिंह, सुभाष पटेल, कमलेश प्रजापति, धर्मेंद्र यादव, पंकज सिंह, शिवलोक सिंह, आशीष पटेल, अमित सिंह, विनोद पटेल, सतीश गौतम सहित सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुस्लिम वर्ग करवा रहा हिन्दू युवतियों का मतांतरण : मिलिंद परांडे

एजेंसी

लखनऊ। विश्व हिन्दू परिषद(विहिप) के अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने निराला नगर स्थित सरस्वती कुंज के सभा कक्ष में संतों के साथ बैठक कर सीधा संवाद किया। उन्होंने हिन्दू समाज की चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के जनजागरण में संत समाज से सहयोग के लिए निवेदन किया।

संतों के साथ सीधा संवाद करते हुए मिलिंद परांडे ने कहा कि एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत मुस्लिमों के एक वर्ग द्वारा हिन्दू युवतियों को फंसाकर उनका मतांतरण कराया जा रहा है, जो केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सांस्कृतिक हमला है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि 2023 में देश की 13 लाख महिलाएं लापता हुई। इनमें से एक बड़ा वर्ग लव जिहाद का शिकार हुआ है। केरल की हजारों लड़कियां लव जिहाद का शिकार हुई। विहिप के अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने कहा कि सीमावर्ती राज्यों जैसे असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अब दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठियों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। आर्थिक प्रलोभन, छल कपट या दबाव के माध्यम से

मुसलमानों एवं ईसाई मिशनरियों के धर्मांतरण ने कई क्षेत्रों में स्थानीय हिन्दू जनसंख्या को कम किया है। इस असंतुलन के पीछे कई अराजक तत्व योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहे हैं, जिनमें विशेष रूप से धार्मिक मतांतरण, लव जिहाद, बांग्लादेश और म्यांमार से हो रही मुस्लिम घुसपैठ, और हिन्दू समाज में घटती जन्मदर शामिल हैं। परांडे ने कहा कि आज परिवारों का विघटन होता जा रहा है। नई पीढ़ी के परिवारों में पारिवारिक कलह बढ़ती जा रही है। यह बहुत ही चिंता का विषय है, इसको लेकर समाज में आ रही कमियों को लेकर परिवार के बीच समन्वय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और आर्थिक दृष्टिकोण से जागरूक हिन्दू समाज में परिवार सीमित रखने की प्रवृत्ति है, परंतु बाकी वर्गों में इस पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिससे असंतुलन और तेज होता जा रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट ने भारत में जनसंख्या वितरण की गहराई से समीक्षा प्रस्तुत की है।

24 अल्पसंख्यक युवा उद्यमियों को मिला डॉ कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0

एजेंसी

नई दिल्ली। कलाम को सलाम अभियान के तहत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस- 2025 के अवसर पर चयनित अल्पसंख्यक युवा उद्यमियों को डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0 वितरित किए गए। भाजपा विस्तार कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी ने कहा कि कमाल साहब की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर मोर्चा द्वारा चलाए जा रहे अभियान कलाम को सलाम मुहिम के तहत आज अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस% के अवसर अल्पसंख्यक युवा उद्यमियों को डॉ कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0 दिया गया। 16 जुलाई से सोशल मीडिया के माध्यम से अवॉर्ड के लिए 6 अगस्त तक देश भर से 22300 अल्पसंख्यक युवाओं ने नॉमिनेशन किया, जिसके लिए राष्ट्रीय स्तर 7 ज़ोन में बांटा गया। प्रत्येक ज़ोन में 3 लोगों का चयन किया गया जिन्हें अवॉर्ड दिया जाएगा, जबकि 3 युवाओं का चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया।राष्ट्रीय स्तर 7 ज़ोन में बांटा गया । प्रत्येक ज़ोन में 3 लोगों का चयन किया गया जिन्हें अवॉर्ड दिया जाएगा, जबकि 3 युवाओं का चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया। इस तरह पूरे देश से 24 लोगों को अवॉर्ड दिए गए हैं। उन्होंने मीडिया को बताया कि 2024 में कलाम साहब की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश के अनुसार कलाम को सलाम ' अभियान के तहत अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा अल्पसंख्यक युवाओं को डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड देने की घोषणा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप को बढ़ावा दिया। स्टार्टअप इंडिया योजना मोदी सरकार की एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य देश में स्टार्टअप और नए विचारों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। इसका लक्ष्य आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना है। मोदी सरकार कोशिश के ज़रिए एक करोड़ लोग रोजगार से जुड़े। इसी सोच के तहत अल्पसंख्यक मोर्चा भी अल्पसंख्यक युवाओं की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने का काम कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर शुजात हैदर जाफरी (उत्तर प्रदेश), मोहम्मद शौकत (तेलंगाना), सैम. पी. फिलिप जबकि ज़ोन स्तर पर इरशाद (उत्तर प्रदेश), करण गुरुदीत्ता (हरियाणा), सैय्यद नायब (उत्तर प्रदेश) , उवैस सिद्दीकी (दिल्ली), अबू सूफियान (दिल्ली), सरवर हुसैन (जम्मू कश्मीर)अनंत विजय लाकड़ा (झारखण्ड), नगीना (मध्यप्रदेश), मोहम्मद इमरान ख़ान (छत्तीसगढ़), रामा अरुण शेजावले (महाराष्ट्र), सोहेल बैग (राजस्थान), एलूरी श्रीधर (गुजरात), आश्विन पॉल (केरल), असमा एम. (कर्नाटक), तबस्सुम (तेलंगाना), बेबोटो एली (पश्चिम बंगाल), तनवीर अख्तार ख़ान (बिहार), संदीप जैन (असम) , शफीकुल इस्लाम (त्रिपुरा), मुगातो सुमी (नागालैंड) को अवॉर्ड दिए गए।

कागज़ फाड़कर चेयर पर फेंकना शर्मनाक : लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर किरेन रिजिजू का तीखा हमला

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) के मुद्दे पर लोकसभा में जोरदार हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने नारेबाज़ी करते हुए पीठासीन अध्यक्ष की ओर कागज़ के टुकड़े फेंके, जिससे सदन की गरिमा पर सवाल उठे। हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 18 अगस्त, सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस घटनाक्रम पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि हम भी विपक्ष में रहे हैं। हमने भी विरोध किया है, लेकिन कभी कागज़ फाड़कर या नाटकबाज़ी करके नहीं किया। आपने (विपक्ष) देश की संसद और लोकतंत्र का अपमान किया है। रिजिजू ने कहा कि संसद देश की

सर्वोच्च संस्था है और उसे कानून के मुताबिक चलाया जाएगा, विपक्ष की मनमानी से नहीं। उन्होंने कहा कि जो सदन देश की सेवा का मंच है, उसी सदन में आज आपने चेयर पर कागज़ फेंका है। यह शर्मनाक है। देश आपको माफ़ नहीं करेगा। इस दौरान भाजपा सांसद जगदंबिका पाल, जो उस समय पीठासीन अधिकारी की भूमिका में थे, ने कहा कि यह घटना कांग्रेस उपनेता गौरव गोगोई के इशारे पर हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई ने स्वयं कागज़ उठाकर सांसदों को दिए और उन्हें फाड़ने को कहा। ऐसे गैर-जिम्मेदाराना आचरण की उम्मीद एक उपनेता से नहीं की जाती। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए पाल ने कहा कि लोकसभा और संसद की मर्यादा होती है। आज पहली बार देखा कि उपनेता खुद कागज़ बांट रहे हैं और सांसदों से कह रहे हैं कि उन्हें फाड़कर चेयर की ओर उछालो। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि पूरा देश संसद की कार्यवाही देखता है।

दिवाला कानून संशोधन विधेयक, 2025 लोकसभा में पेश, प्रवर समिति को भेजा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दिवाला कानून में संशोधन करने के लिए संसद के निचले सदन में दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। वित्त मंत्री के अनुरोध पर इस विधेयक को सदन की प्रवर समिति को भेज दिया गया। प्रवर समिति के सदस्यों के नाम, समिति से संबंधित नियम एवं शर्तें अध्यक्ष द्वारा तय किये जाएंगे। समिति अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। दिवाला कानून का क्रियान्वयन कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय कर रहा है, जिसका प्रभार भी निर्मला सीतारमण के पास है। 2016 में पेश की गई इस संहिता में इसके लागू होने के बाद से छह विधायी हस्तक्षेप हो चुके हैं और अंतिम संशोधन 2021 में किया गया था।

किसानों ने अमेरिकी दबाव में न आने के लिए मोदी सरकार का आभार जताया

एजेंसी

नई दिल्ली। व्यापार समझौते में विदेशी दबाव के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत निर्णयों के लिए देश के किसानों ने आभार जताया बौ। पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में आयोजित कार्यक्रम में देशभर के किसानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत निर्णय का आभार व्यक्त करते हुए समर्थन किया।

बड़ी संख्या में किसान संगठनों के प्रमुखों और देश के कोने से कोने से आए किसान प्रतिनिधियों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सरकार के मजबूत कदम का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट सहित विभिन्न राज्यों के किसान संगठनों के नेता उपस्थित रहे। भारतीय किसान चौधरी चरण सिंह संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों, पशुपालकों और मछुआरों

के हित में अटल संकल्प वाला बयान दिया है। भारत किसी कीमत पर अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। ये घोषणा न केवल करोड़ों अन्नदाताओं को राहत देने वाली है बल्कि कृषि एवं ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान करती है। हम इस दूरदर्शी एवं किसान हितैषी विचार का हृदय से स्वागत और पूर्ण समर्थन करते हैं। कृषि पशुपालन एवं मत्स्य हितों में ये प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी।छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ के किसान विरेन्द्र लोहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी कंपनियों को कृषि और डेयरी सेक्टर में प्रवेश नहीं देने का जो साहसिक निर्णय लिया है, वह हर खेत, हर गांव और हर गौशाला में गूंज रहा है। आपने अमेरिकी कंपनियों को प्रवेश न देकर ये सिद्ध कर दिया है कि भारत का किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि इस राष्ट्र की आत्मा है और इस आत्मा पर कभी कोई विदेशी कब्जा नहीं कर सकता।

दौसा में भीषण सड़क हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित कई नेताओं ने राजस्थान के दौसा में हुए भीषण सड़क हादसे पर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया।

पोस्ट में उन्होंने लिखा, दौसा, राजस्थान में हुई सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों समेत अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार बहुत ही दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं

भारत की यात्रा पर आए ऑस्ट्रेलियाई सेनाध्यक्ष को ऑपरेशन 'सिंदूर' के बारे में जानकारी दी गई

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट ने अपनी भारत यात्रा के दौरान के दूसरे दिन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह से मुलाकात की। भारत के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा हुई और ऑपरेशन 'सिंदूर' से अवगत कराया गया। ऑस्ट्रेलियाई सेना के सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट ने अपनी भारत यात्रा के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान से मुलाकात की। इस बातचीत से चल रहे रक्षा सहयोग की समीक्षा करने और संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण एवं क्षमता वृद्धि के क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। सैन्य नेताओं ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय हित के सुरक्षा मामलों पर चर्चा की, साथ ही भारत-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के अवसरों की

पहचान की। ऑस्ट्रेलियाई सेना के सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। चर्चा में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने, सैन्य संबंधों को गहरा करने और क्षेत्रीय स्थिरता एवं वैश्विक शांति के लिए साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट ने वरिष्ठ सैन्य नेताओं के साथ उच्च-स्तरीय चर्चा भी की, जिसमें उन्हें ऑपरेशन सिंदूर और भारत के सुरक्षा परिप्रेक्ष्य से अवगत कराया गया। उन्होंने भारतीय सेना और ऑस्ट्रेलियाई सेना के बीच चिरस्थायी मित्रता को दर्शाते हुए नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में एक पौधरोपण भी किया। लेफ्टिनेंट जनरल स्टुअर्ट और जनरल उपेंद्र द्विवेदी के बीच हुई मुलाकात के दौरान ऑस्ट्रेलियाई सेना के रेजिमेंटल सार्जेंट मेजर वारंट ऑफिसर किम फेलमिंघम ने भारतीय सेना के सूबेदार मेजर गोपा कुमार एस. के साथ बातचीत की। उन्होंने जूनियर लीडर्स की भूमिका, सैनिकों के सामने आने वाली चुनौतियों और दोनों सेनाओं में अपनाए जा रहे विभिन्न शमन उपायों पर चर्चा की। ऑस्ट्रेलियाई सेनाध्यक्ष को भारतीय सेना ने हाल ही में की जा रही पहलों के बारे में जानकारी दी, जिसमें अत्याधुनिक 'थल सेना भवन' का निर्माण भी शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के थल सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट ने वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने उपयोगी चर्चा की और रक्षा सहयोग को मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस अवसर पर भारतीय वायु सेना के मास्टर वारंट ऑफिसर प्रदीप कुमार यादव और ऑस्ट्रेलियाई सेना के रेजिमेंटल सार्जेंट मेजर वारंट ऑफिसर किम फेलमिंघम ने भी बातचीत की, जिससे दोनों सेनाओं के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर दिया गया।

हिमाचल में 18 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट, 330 सड़कें बंद, पौंग बांध से बाढ़ का खतरा

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का प्रकोप जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 14 अगस्त तक भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि 15 से 18 अगस्त तक येलो अलर्ट रहेगा। आज रात लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर शेष 10 जिलों बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सिरमौर, ऊना, हमीरपुर, चंबा, कुल्लू और सोलन में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट है। 13 व 14 अगस्त को बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है, जबकि ऊना, हमीरपुर, चंबा, कुल्लू और सोलन में येलो अलर्ट रहेगा। 15 व 16 अगस्त को ऊना, चंबा, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा। लगातार बारिश से भूस्खलन और पेड़ गिरने की घटनाओं ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मंगलवार शाम तक नेशनल हाईवे-305 (कुल्लू के जहेड-खनग) और नेशनल हाईवे-505 (लाहौल-स्पीति) भूस्खलन के कारण बंद हैं। इसके अलावा मंडी में 192, कुल्लू में 73, कांगड़ा में 25, चंबा में 15 और शिमला में 7 सड़कें पूरी तरह अवरुद्ध हैं। राज्य में 198 बिजली ट्रांसफार्मर खराब हो गए हैं, जिनमें लाहौल-स्पीति में 139, मंडी में 34 और शिमला में 10 शामिल हैं। इसी तरह 141 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं, जिनमें मंडी की 69 और कांगड़ा की 41 प्रमुख योजनाएं बंद हैं। कांगड़ा जिले में पौंग बांध से छोड़े गए पानी के कारण कई गांवों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। ब्यास नदी के तेज बहाव से फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र के मंड एरिया के बडूखर को हाजीपुर (पंजाब) से जोड़ने वाले पुल को खतरा होने पर बड़े वाहनों की आवाजाही तत्काल रोक दी गई है। एसडीएम फतेहपुर ने छोटे वाहनों के चालकों और स्थानीय लोगों को भी सतर्क रहने व अनावश्यक रूप से पुल पार न करने की सलाह दी है। 12 अगस्त की लैंडस्लाइड मॉनिटरिंग रिपोर्ट के अनुसार कांगड़ा जिला की कोलनी कांगड़ा व धर्मशाला, और मंडी जिला के सनारली-2 में 'लो' स्तर का भूस्खलन खतरा दर्ज किया गया है, जबकि अन्य क्षेत्रों में स्थिति सामान्य है। राजधानी शिमला में सोमवार रात तेज बारिश से कुछ जगह पेड़ गिर गए और वाहनों को नुकसान पहुंचा। हालांकि में बारिश थमने से लोगों ने राहत की सांस ली।

रोहित शर्मा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, पाकिस्तानी बल्लेबाज को पछाड़ा

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पावर-हिटर टिम डेविड और दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने आईसीसी टी20आई रैंकिंग में भारी बढ़त हासिल की है। दूसरी तरफ पाकिस्तान के शीर्ष बल्लेबाज बाबर आजम तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जिससे भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

डेविड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, पुरुषों की टी20ई बल्लेबाजी रैंकिंग में छह स्थानों की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके हमवतन कैमरन ग्रीन भी इसी सूची में छह स्थानों की छलांग लगाकर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के युवा ब्रेविस डार्विन में अपने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की बदौलत 100 रैंकिंग से बाहर रहने के बाद 21वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 125* रनों की धमाकेदार पारी खेलकर प्रोटियाज को तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की। अपने पहले टी20आई शतक के साथ ब्रेविस ने दक्षिण अफ्रीका के लिए किसी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड बनाया। यह उनका इस प्रारूप में अपने देश के लिए नौवां मैच था। उनके साथी ट्रिस्टन स्टब्स टी20आई बल्लेबाजों की सूची में 12 पायदान की छलांग लगाकर 27वें स्थान पर पहुंच गए।

टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड तीन पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा 15 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और लुंगी एनगिडी 14 पायदान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर पहुंच गए।

पुरुषों की टेस्ट रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड के कई खिलाड़ियों ने घर से बाहर जिम्बाब्वे पर 2-0 से सीरीज जीतने के बाद सफलता का स्वाद चखा। अनुभवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी को 9.12 की औसत से 16 विकेट लेने के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की और टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए जिससे ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस चौथे स्थान पर खिसक गए।

बल्लेबाजों की श्रेणी में रचिन रवींद्र (15 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर), डेवोन कॉनवे (सात स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर) और हेनरी निकोल्स (छह स्थान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर) को जिम्बाब्वे में उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला।

वनडे सूची में पाकिस्तान के शीर्ष क्रम के स्टार बाबर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए। अपनी बेहतरीन तकनीक के लिए मशहूर बाबर ने तीन मैचों में 18.66 की औसत से 56 रन बनाए। रोहित शर्मा दूसरे नम्बर पर जबकि शुभमन गिल पहले स्थान पर कायम हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज के स्पिनर गुडाकेश मोती श्रृंखला के पहले दो मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद पांच पायदान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए। उनके साथी और कैरेबियाई टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स 24 पायदान की छलांग लगाकर 33वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अबरार अहमद तीन पायदान चढ़कर 54वें स्थान पर पहुंच गए।

आईओए ने भारत में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए देश की बोली को बुधवार को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। आज यहां आयोजित आईओए की विशेष आम बैठक (AGM) में यह फैसला लिया गया। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही रुचि पत्र जमा कर दिया था और अब उसके पास अंतिम बोली प्रस्ताव दाखिल करने के लिए 31 अगस्त तक का समय है।

बैठक के बाद IOA अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'मुझे खुशी है कि सभी एकमत हैं और यह सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है और हमारी तैयारियां आगे बढ़ेंगी। हम यह नहीं कह सकते कि अहमदाबाद मेजबानी शहर होगा या नहीं। हमारे पास भुवनेश्वर और दिल्ली में भी अच्छी सुविधाएं हैं।' भारत के अलावा, नाइजीरिया, कनाडा और दो अन्य देशों ने भी इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी में रुचि दिखाई थी। हालांकि कनाडा ने इस वर्ष जून में इस दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया था।

खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेलों के अधिकारियों की एक टीम ने हाल ही में प्रस्तावित आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने और गुजरात सरकार के प्रतिनिधियों से मिलने के लिए अहमदाबाद का दौरा किया। इस महीने के आखिर में एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के आने की उम्मीद है। 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अंतिम मेजबान देश का फैसला ग्लासगो में नवंबर के अंतिम सप्ताह में राष्ट्रमंडल खेल की आम बैठक होगा।

जेडन सील्स ने डेल स्टेन का रिकॉर्ड किया ध्वस्त, पाकिस्तान के 6 बल्लेबाजों का लिया विकेट

मैनचेस्टर (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने तीसरे वनडे मैच में पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज टीम ने 3 साल के बाद वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। जेडेन सील्स की कालिताना गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज ने धमाकेदार जीत अपने नाम की। वहीं इस दौरान सील्स ने दिग्गज गेंदबाज डेल स्टेन का 12 साल पुराना बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। जेडेन सील्स ने अपने वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े दर्ज किए। वेस्टइंडीज के इस गेंदबाज ने पाकिस्तान की पूरी टीम को 29.2 ओवर में 92 के स्कोर पर समेट दिया था। जेडेन सील्स ने 7.2 ओवर में 18 रन देकर 6 विकेट लिए। उनकी इस खतरनाक गेंदबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को सिर्फ92 रनों पर ढेर कर दिया। सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में सबसे बेहतर बॉलिंग आंकड़े दर्ज किए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का 2013 में बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ा। डेल स्टेन ने 9 ओवर में 39 रन देकर 6 विकेट लिए थे। 295 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही उसने तीसरे ओवर में मात्र आठ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए। सैम अयूब, अब्दुल्लाह शफीक और कप्तान मोहम्मद

रिजवान को जेडेन सील्स को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। सील्स का अगला शिकार बाबर आजम बने। आगा सलमान ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 30 रनों की पारी खेली। उन्हें गुडाकेश मोती ने अपनी गेंद पर कैच आउट किया। हसन नवाज और नसीम शाह 6 रन बनाकर आउट हुए।

पाकिस्तान को करारी शिकस्त देकर वेस्टइंडीज ने खत्म किया 34 साल का सूखा

टरूबा (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे में पाकिस्तान को 202 रन से रौंद दिया। इसके साथ ही विंडीज टीम ने सीरीज भी 2-1 से अपने नाम की। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप के नाबाद शतक के दम पर 50 ओवर में छह विकेट पर 294 रन बनाए। जवाब में मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान की टीम 29.2 ओवर में 92 रन पर सिमट गई।

तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला पाकिस्तान ने पांच विकेट से जीता था। इसके बाद दूसरे वनडे को वेस्टइंडीज ने डकवर्थ लुईस नियम से पांच विकेट से अपने नाम किया था। इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान से मिली टी20 सीरीज में हार का बदला भी ले लिया। तीन मैचों की टी20 सीरीज पाकिस्तान ने 2-1 से अपने नाम की थी। शतवीर होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, सीरीज में तीन मैचों में सबसे ज्यादा 10 विकेट लेने वाले जेडन सील्स प्लेयर ऑफ द सीरीज बने।

पाकिस्तान के कप्तान रिजवान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही थी। ब्रैंडन किंग पांच रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद एविन लुईस और केसी कार्टी ने दूसरे विकेट के लिए 47 रन जोड़े। लुईस 54 गेंद में एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 37 रन और कार्टी 17 रन बनाकर आउट हुए। फिर कप्तान होप ने शेरफेन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जोड़े। रदरफोर्ड 40 गेंद में 15 रन बना सके। इसके बाद चेज ने होप के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 64 रन जोड़े।

चेज ने 29 गेंद में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 36 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इगुडाकेश मोती पांच रन बना सके। वहीं, होप ने फिर जस्टिन ग्रीव्स के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 110 रन की अटूट साझेदारी कर वेस्टइंडीज को 294 के स्कोर तक पहुंचाया। होप ने वनडे करियर का 18वां शतक पूरा किया। वह 94 गेंद में 10 चौके और पांच छक्कों की मदद से 120 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, ग्रीव्स ने 24 गेंद में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 43 रन की नाबाद पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह और अबरार अहमद को दो-दो विकेट मिले। वहीं, सैम अयूब और मोहम्मद नवाज को एक-एक विकेट मिला।

जवाब में पाकिस्तान के शीर्ष चार फ्लॉप रहे। टीम के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इनमें से पांच बल्लेबाज तो खाता तक नहीं खोल सके। टीम 29.2 ओवर में 92 रन पर सिमट गई। सैम अयूब, अब्दुल्लाह शफीक, कप्तान रिजवान, हसन अली और अबरार अहमद खाता नहीं खोल सके। वहीं, बाबर आजम नौ रन बना सके। सलमान आगा 30 रन, हसन नवाज 13 रन और मोहम्मद नवाज नाबाद 23 रन ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। हुसैन तलत एक रन और नसीम शाह छह रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन सील्स ने 7.2 ओवर में 18 रन देकर छह विकेट लिए। इसके अलावा मोती को दो विकेट मिले। चेज ने एक विकेट लिया।

पाकिस्तान बनाम वेस्टइंडीज : शतक के साथ शाई होप ने हासिल कर ली यह उपलब्धि

टरूबा। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में नाबाद शतक जड़ते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। शाई होप वेस्टइंडीज की ओर से वनडे फॉर्मेट में 18 शतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। वह सर्वाधिक शतकों के मामले में तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। सबसे ज्यादा वनडे शतक जड़ने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की लिस्ट में शाई होप से ऊपर क्रिस गेल और ब्रायन लारा का नाम है। गेल ने 298 मुकाबलों में 25 शतक, जबकि ब्रायान लारा ने 295 मैचों में 19 शतक अपने नाम किए थे। शाई होप ने यह शतकीय पारी उस समय खेली, जब वेस्टइंडीज को इसकी बेहद जरूरत थी। पाकिस्तान तीन मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच अपने नाम कर चुका था, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने अगला मुकाबला जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। ऐसे में

तीसरा और अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया। त्रिनिदाद में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम महज 68 रन तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से शाई होप ने कप्तानी पारी खेलते हुए टीम को संभाला। शाई होप ने शेरफेन रदरफोर्ड (15) के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 रन जोड़े। वहीं, जस्टिन ग्रीव्स के साथ उन्होंने 110 रन की अटूट साझेदारी करते हुए वेस्टइंडीज की पारी को 294/6 के स्कोर तक पहुंचाया। शाई होप ने 83 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके वनडे करियर का 18वां शतक था, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ यह उनका दूसरा वनडे शतक था। शाई होप ने इस पारी में 94 गेंदों का सामना किया, जिसमें पांच छक्कों और 10 चौकों के साथ 120 रन बनाए, जबकि ग्रीव्स 24 गेंदों में 43 रन बनाकर नाबाद रहे।

हरभजन ने एशिया कप में पाकिस्तान से मैच का बहिष्कार करने की अपील की

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने की मांग तेज होती जा रही है। कई क्रिकेट प्रशंसकों के बाद अब पूर्व स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने भी कहा है कि इस मैच को नहीं खेलना चाहिये। एशिया कप में भारत और पाक का मुकाबला 14 सितंबर को होना है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच जारी तनाव के कारण पाक से क्रिकेट मैच का विरोध किया जा रहा है। हरभजन ने कहा, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। हम उनको इतना

महत्व क्यों देते हैं? हमारे जवान घर नहीं आते और हम क्रिकेट खेलने चले जाते हैं। हरभजन ने हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप ऑफ लिजेंड्स में भी पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की मांग की थी और इंडिया चैम्पियंस टीम ने पाक से सभी मैचों का बहिष्कार किया था। इसमें सेमीफाइनल मैच भी शामिल था। इंडिया लिजेंड्स में हरभजन सिंह के अलावा युवराज सिंह, शिखर धवन, इरफान पठान, यूसुफ पठान, सुरेश रैना जैसे पूर्व क्रिकेटर शामिल थे। इन भी ने कहा कि देश पहले है। वह फाइनल भी होता तो पाकिस्तान से नहीं खेलते। वहीं जब हरभजन से यह पूछा गया कि क्या एशिया कप में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करना चाहिए तो उन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने वाले जांबाजों का उदाहरण दिया। उनका जवाब था, 'मेरे लिए हमारे देश का वो जवान जो सीमा पर खड़ा हुआ है, उनका परिवार कई दिनों तक उनको नहीं देख पाता है। उनका सर्वोच्च बलिदान हो जाता है, वो घर वापस नहीं लौट पाते हैं। उनका इतना बड़ा बलिदान होता है, वहीं हम एक क्रिकेट मैच छोड़ने पर भी फैसला नहीं कर पाये हैं।' उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का भी तो यही रुख है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। देश सबसे पहले आता है। क्रिकेट मैच न खेलना बहुत मामूली चीज है देश के सामने। उन्होंने उम्मीद जताई कि सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी।

यास्तिका और राधा चमकी, भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को तीन विकेट से हराया

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। यास्तिका भाटिया के अर्धशतक और कप्तान राधा यादव की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ए ने बुधवार को यहां पहले महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को 48 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हरा दिया। इस जीत से भारत अब तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है।

बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 45 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 47.5 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद भाटिया (70 गेंदों पर 59 रन) की अगुवाई में बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन से 42 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। भाटिया ने

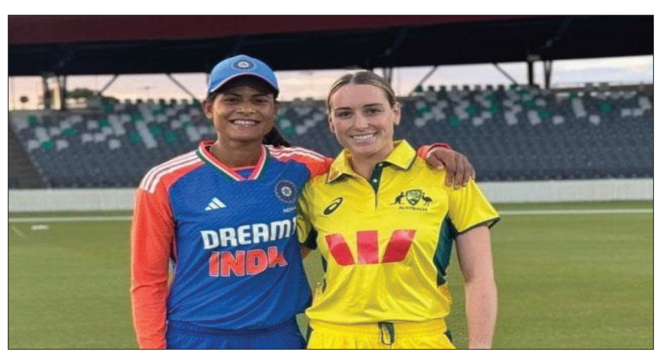

शेफाली वर्मा (31 गेंदों पर 36 रन) के साथ अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए केवल 10.4 ओवर में 77 रन जोड़े।

शेफाली के सियाना जिंजर की गेंद पर आउट होने के बाद भाटिया ने धारा गुज्जर (53 गेंदों पर 31 रन) के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़े जिससे भारत ने 23.3 ओवर में एक विकेट पर 140 रन बना लिए। लेकिन गुज्जर और भाटिया जल्दी-जल्दी आउट हो गई, जिससे भारत ए का स्कोर तीन विकेट पर 157 रन हो गया।

ऑफ स्पिनर एला हेवर्ड (46 रन पर दो विकेट) ने फिर 30वें और 32वें ओवर में तेजल हसब्निस और तनुश्री सरकार को आउट कर दिया, जिससे मेहमान टीम का स्कोर पांच विकेट पर 166 रन हो गया। राघवी बिष्ट (34 गेंदों पर नाबाद 25 रन) ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले अनिका लियरयोड (90 गेंदों पर नाबाद 92 रन) और रशेल ट्रेनमैन (62 गेंदों पर 51 रन) की ठोस पारियों के बावजूद ऑस्ट्रेलिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहा।

ईडी के सामने पेश हुए सुरेश रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रेना बुधवार को ऑनलाइन बेटिंग ऐप (अवैध सट्टेबाजी) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। ईडी ने रैना को पूछताछ के लिए नोटिस दिया था। जिसके बाद ही वह आज पूछताछ के लिए ईडी मुख्यालय पहुंचे। रैना इस ऑनलाइन बेटिंग ऐप के ब्रांड एंबेसडर हैं और ईडी इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। पुलिस ने यह भी पाया है कि ये ऐप्स सीधे तौर पर कानूनों का उल्लंघन करते हैं। ईडी के अनुसार रैना का नाम इस मामले में उनके कुछ विज्ञापनों और एंडोर्समेंट्स के कारण जोड़ा जा रहा है। ईडी की टीम ने पूछताछ में रैना से ऑनलाइन ऐप के साथ उनके संबंधों, एंडोर्समेंट डील और किसी भी वित्तीय लेन-देन की पूरी जानकारी मांगी है। यह पूछताछ 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' के तहत हुई। जांच में यह सामने आया है कि जब ऐप यूजर द्वारा पेमेंट की जाती थी तो रोजाना रिसीवर का नाम और ब्यौरा बदल जाता था, लेकिन बाद में पैसा ऑनलाइन ऐप अकाउंट में पहुंच जाता था। इसी कारण ईडी को संदेह हुआ। इस ऐप के जरिए पैसा विदेश भेजा जा रहा था। इस प्रकार से जुड़े मामलों में रैना के अलावा कई अन्य हस्तियों के नाम भी सामने आए हैं। ईडी की जांच का दायरा कई करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी तक फैला हुआ है। जांच एजेंसी इन प्लेटफॉर्म्स के सभी प्रमोटर्स और उनसे जुड़े तमाम लोगों से पूछताछ कर रही है। वहीं यह प्लेटफॉर्म अपने को कौशल-आधारित खेलों की मेजबानी करने वाला प्लेटफॉर्म बताता है, पर इनमें ऐसे एल्गोरिथम का इस्तेमाल किया गया है, जो मौजूदा भारतीय कानूनों के तहत उन्हें जुए की श्रेणी में रखते हैं। ऑन लाइन ऐप ने भी रैना को गेमिंग एम्बेसडर बनाते हुए उन्हें जिम्मेदारर एंबेसडर बताया था।

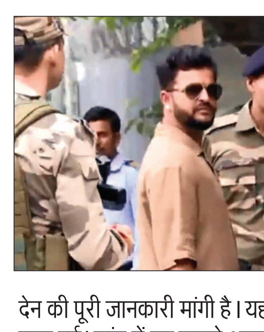

आईसीसी की दो स्तरीय प्रणाली का विरोध करेगा वेस्टइंडीज बोर्ड : क्रिस डेहरिंग

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस बात से चिंतित है कि अगर आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए दो स्तरीय प्रणाली अपनायी तो वह शीर्ष टीमों से बाहर हो जाएगी। इसका कारण है कि अभी तक डब्लयूटीसी के तीनों संस्करणों में वेस्टइंडीज की टीम आठवें स्थान पर रही है और इस बार भी उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीनों टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा है जिससे वह काफी पीछे हो गयी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी क्रिस डेहरिंग ने कहा है कि हितधारककों ने भी इस बारे में अपनी बात रखी है। इस बारे में हुई बैठक के बाद डेहरिंग ने कहा, 'हमें इस बारे में भूमिका अदा करनी होगी, हमें आईसीसी के सामने अपनी बात रखनी होगी। हमें उन तमाम बदलावों को लेकर अधिक सावधान रहना होगा और वेस्टइंडीज क्रिकेट के रूप में हमें यह तय करना होगा कि हम दो स्तरीय प्रणाली का सख्त विरोध करें।

इससे पहले आईसीसी ने न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर टूज के नेतृत्व में एक कार्यसमूह (वर्किंग ग्रुप) का गठन किया था जिसका लक्ष्य 2025-2027 के चक्र से पहले डब्ल्यूटीसी में सुधार सहित अन्य मुद्दों पर विचार करना था। जुलाई में आयोजित आईसीसी की वार्षिक बैठक में दो स्तरीय प्रणाली लागू करने का मामला सबसे अहम पहलू था। वहीं आईसीसी बोर्ड में न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रतिनिधि टूज के बोर्ड को सुझाव देने की उम्मीदें हैं। दो स्तरीय प्रणाली पर पिछले 15 वर्षों से भी अधिक समय पर बहस चल रही है, आईसीसी ने साल 2009 में ही इस पर विचार करने की इच्छा व्यक्त की थी पर तब पूर्ण सदस्य देश विभिन्न कारणों से इस मामले पर सहमत नहीं रहे हैं। वेस्टइंडीज बोर्ड की आपात बैठक में क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और विव रिचर्ड्स जैसे पूर्व क्रिकेटर भी शामिल थे और लॉयड ने आईसीसी द्वारा सदस्य देशों को दिए जाने वाले वित्तीय हिस्से की ओर इशारा करते हुए कहा कि 70 और 80 की दशक में शीर्ष टीम और 90 के दशक में एक सफल टीम रही वेस्टइंडीज अपने प्रदर्शन में आई गिरावट के बाद भी आर्थिक सहायता की अधिकारी है।

लॉयड ने कहा, 'हमें यह देखने होगा कि आईसीसी में पैसे के बंटवारे को लेकर क्या हो रहा है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को 18 करोड़ मिलेंगे जबकि वेस्टइंडीज को अफगानिस्तान और बांग्लादेश की तरह 8 करोड़ मिलेंगे। हम अगले 100 वर्ष तक उस ग्रुप में बने रहने से सिर्फ दो साल दूर हैं। मेरे विचार में यह सही नहीं है और हमें आवाज उठानी होगी क्योंकि जब हम अच्छा खेल रहे थे तो हर कोई हमारे साथ खेलना चाहता था। लॉयड ने आगे कहा, 'हम नियमित तौर पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से खेला करते थे और जब हम भारत या पाकिस्तान जाते थे तो मैदान पर लाखों की भीड़ एकत्रित होती थी। जिसका लाभ हमें अब मिलना चाहिये।

सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द की, एक सप्ताह में सरेंडर करने के आदेश

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया है। सुशील जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मुख्य आरोपी हैं। शीर्ष अदालत की एक पीठ ने सागर के पिता अशोक धनखड़ की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सुशील को दी गई जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने के लिए कहा है। सागर के पिता ने सुशील को जमानत दिये जाने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। सागर की हत्या 4 मई 2021 को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग क्षेत्र में हुए झगड़े में हुई थी। इस दौरान उनके दो दोस्तों पर भी हमला हुआ था। आरोप है कि यह हमला सुशील कुमार और उनके साथियों ने संपत्ति विवाद के कारण किया गया। सागर हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल में उसकी मौत हो गयी थी। वहीं उसके साथी भी गंभीर रुप से घायल हुए। इस मामले के बाद सुशील कुमार फरार हो गये थे। उन्हें दिल्ली पुलिस ने 23 मई 2021 को मुंडका

इलाके से गिरफ्तार किया था। तब सुशील एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी की स्कूटी पर रकम लेने पहुंचे थे। गिरफ्तारी के बाद उनसे उन्हें रेलवे की नौकरी से निलंबित कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अक्टूबर 2022 में कई धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत उनपर आरोप तय किए गए। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में सुशील को साजिश का मास्टरमाइंड बताया। पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने कुश्ती जगत में अपना दबदबा कायम करने के लिएही ये हमला करवाया। वहीं सुशील ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे पहले ही साढ़े तीन साल जेल में रहे हैं। मुकदमे में अब तक 222 में से केवल 31 गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं। इन्हीं आधारों पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मार्च 2024 में उन्हें जमानत दी थी, जिसे शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया है। गौरतलब है कि सुशील कुमार ने बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने लंदन ओलंपिक 2012 में रजत पदक जीता था। वहीं एशियाई खेलों में उनके नाम स्वर्ण पदक है। इसके अलावा भी इस पहलवान के नाम कई कुश्ती स्पर्धाओं में पदक हैं।

वो पल हमेशा यादगार रहेगा, गावस्कर ने साझा किया एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पसंदीदा क्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुई इंग्लैंड और भारत के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी ने प्रशंसको को कई रोमांचक पल दिए। लॉर्ड्स में अंतिम दिन इंग्लैंड की जीत से लेकर ओवल में भारत की जीत तक। यह एक ऐसी सीरीज थी जिसे आने वाले वर्षो तक याद रखा जाएगा। अंततः ट्रॉफी दोनो टीमों ने 2-2 से बराबरी पर साझा की। जिसमें मेन इन ब्लू ने ओवल में पांचवे टेस्ट में 6 रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

मोहम्मद सिराज ही थे जिन्होंने फाइनल मैच में मेहमान टीम के लिए उत्प्रेरक का काम किया। उन्होंने 103 रन देकर 5 विकेट लिए और गस एटकिंसन के रूप में मैच का आखिरी विकेट लिया। सिराज ने एक शानदार यॉर्कर से बल्लेबाज को आउट किया जिससे उनके विकेट बिखर गए और भारत ने एक शानदार जीत दर्ज की। भारत के दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के इस पल को अपना सबसे पसंदीदा पल बताया। उन्होंने कहा कि यह पल भारतीय प्रशंसको को लंबे समय तक याद रहेगा। सुनील गावस्कर ने कहा, 'श्रृंखला में कई यादगार पल होंगे। गिल की बल्लेबाजी बहुत कम ही आपको इतनी शुद्ध बल्लेबाजी देखने को मिलती है और उनकी कप्तानी, स्टोक्स का बल्ले और गेंद दोनों से अद्भुत प्रयास, भारतीय तेज गेंदबाजो के मैराथन स्पैल, जो रूट के शानदार शतक, ऋषभ पंत की बल्लेबाजी, जैसा कि केवल वह कर सकते है, और हैरी ब्रुक की भी, और दोनो की चहचहाहट भी, जैसा कि केवल वे ही कर सकते है।' गावस्कर ने आगे कहा 'लेकिन मोहम्मद सिराज की यॉर्कर हमेशा याद रहेगी जिसने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उड़ा दिया और भारत को जीत दिलाकर सीरीज बराबर कर दी। टेस्ट क्रिकेट में पिछले निराशाजनक सीजन के बाद, यह निस्संदेह भारतीय क्रिकेट प्रेमियो के लिए हाल के दिनो का सबसे खुशी का पल होगा। शुक्रिया, शुभमन और आपके खिलाड़ी।' गौर है कि सिराज गेंदबाजी विभाग में भारतीय टीम के लिए स्टार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 9 पारियो में 23 विकेट अपने नाम किए। बुमराह की अनुपस्थिति में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को बड़े विकेट दिलाने की जिम्मेदारी संभाली।

लेट्स प्ले गेम में नीता का किरदार निभाना बड़ी चुनौती थी

अभिनेत्री युक्ति कपूर ने अपनी आगामी फिल्म लेट्स प्ले गेम में अपने किरदार को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनके किरदार नीता की भावनात्मक दोहरी प्रकृति (एक ही समय में दो अलग-अलग प्रवृत्तियों के लोग) ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया। अभिनेत्री ने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए बतौर कलाकार एक बड़ी चुनौती थी, साथ ही एक सुनहरा मौका भी था, क्योंकि इस रोल में उन्हें कई तरह की भावनाओं को एक साथ जीने का मौका मिला।

युक्ति ने नीता के किरदार को लेकर कहा, नीता एक बहुत ही शांत स्वभाव की महिला है, जो बाहर से बहुत शालीन और नियंत्रित दिखाई देती है, लेकिन उसके अंदर बहुत कुछ चल रहा होता है। वह खुद को दुनिया के सामने मजबूत और सहज दिखाती है। वह अपने दर्द को बखूबी छुपा लेती है, और यही उसकी ताकत है। मुझे इस किरदार की भावनात्मक दोहरी प्रकृति ने आकर्षित किया, वह एक साथ कमजोर और शक्तिशाली है। फिल्म में ताश के खेल से जुड़े दृश्यों की तैयारी के बारे में युक्ति ने बताया, सेट पर ताश खेलना मुझे मेरे परिवार के साथ दिवाली की रातों की याद दिलाता था। बचपन में हम सभी बिना किसी गंभीरता के ताश खेलते थे, लेकिन इस किरदार के लिए मुझे खेल को गहराई से समझना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग के दौरान ब्रेक में हम सब साथ में ताश खेलते थे। यह हमारी कास्ट के लिए एक बंधन का जरिया बन गया। इसने हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी बेहतर बनाया। मैंने ताश इतनी अच्छी तरह सीख लिया कि इस दिवाली अगर मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ खेलूंगी, तो शायद मैं जीत जाऊंगी। फिल्म लेट्स प्ले गेम में अक्षित सुखीजा, डॉली चावला, कंगना शर्मा, एमी एला और रिब्बू मेहरा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म पांच शीर्ष खिलाड़ियों की कहानी है, जिनके रहस्य खेल के तीव्र होने के साथ सामने आते हैं। यह फिल्म 12 अगस्त 2025 से हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। हाल ही में युक्ति पति पत्नी और पड़ोसन नामक क्राइम थ्रिलर में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने प्रतिभा का किरदार निभाया था।

अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करके मुझे एक नया नजरिया मिला

अपूर्वा अरोड़ा ने 13 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। अब तक वह हिंदी, पंजाबी, कन्नड़ और गुजराती फिल्मों में काम कर चुकी हैं बातचीत में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों की चुनौतियों के बारे में बताया। साथ ही यह भी साझा किया कि आने वाले समय में वह किन-किन प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी।

आपने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरुआत की और अब लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम कर रही हैं। यह सफर कैसा रहा?

सच कहूं तो मैंने कभी ये सोचा नहीं था कि चाइल्ड आर्टिस्ट के बाद मैं एक दिन लीड एक्ट्रेस बनूंगी। जब मैंने शुरुआत की थी, तब फिल्मों के बारे में मुझे ज्यादा समझ नहीं थी। बस उस वक्त मैं हर चीज को एंजॉय करती थी। जैसे सुबह जल्दी उठकर सेट पर जाना, मेकअप करवाना, स्क्रिप्ट मिलना और फिर शूट करना। उस समय ये भी दिमाग में चलता था कि क्या मुझे एक्टिंग को करियर के तौर पर आगे जारी रखना है या नहीं। लेकिन धीरे-धीरे जब समझ आई और अनुभव बढ़ा, तब एहसास हुआ कि यही मेरा पैशन है और मुझे एक्टिंग ही करनी है। अब जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो खुशी होती है कि मैंने सही फैसला लिया। ये सफर बहुत कुछ सिखाने वाला रहा है।

आपने कन्नड़, पंजाबी, हिंदी और गुजराती सिनेमा में काम किया है। आपने अपने करियर को किस तरह दिशा दी?

सच कहूं तो मैंने अपने करियर को कोई खास दिशा देने की कोशिश नहीं की। मैं बस काम करती गई और रास्ते में लोग मिलते गए, मौके मिलते गए, और चीजें होती चली गईं। शुरुआत में मेरी सोच ये थी कि किसी भी काम को बिना कोशिश किए मना नहीं करना है। मेरी डिक्शनरी में ना कहना बहुत कम था। हां, जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब कुछ प्रोजेक्ट्स को जरूर मना किया। लेकिन वो भी सोच-समझकर। मेरे लिए ये हमेशा जरूरी रहा कि अगर कोई मौका मिल रहा है, तो मैं उसे हाथ से जाने न दूं, क्योंकि मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं थे। कोई मेरे पास आकर खुद से नहीं कहेगा कि इस प्रोजेक्ट में काम करो, हम तुम्हारे लिए पैसा लगाएंगे। जो सबसे अच्छी बात रही वो ये है कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्रीज में काम करने का मौका मिला। हर भाषा, हर इंडस्ट्री एक नया अनुभव और नई सीख लेकर आई। अलग-अलग कल्चर को समझने और अपनाने का मौका मिला। यही मेरा असली ग्रोथ रहा है। सीखते हुए आगे बढ़ना।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में मी टू मूवमेंट के बाद क्या कुछ बदलाव देखने को मिले हैं?

सच कहूं तो मी टू मूवमेंट के बाद मैंने कन्नड़ इंडस्ट्री में काम नहीं किया है। ये मेरी कोई प्लानिंग नहीं थी, बल्कि मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट नहीं मिला। हालांकि, जब मैं वहां काम कर रही थी, तब माहौल काफी सुरक्षित और प्रोफेशनल था। मेरा आखिरी प्रोजेक्ट भी एक अच्छे अनुभव के साथ खत्म हुआ। उस दौरान मैंने कई फीमेल आर्टिस्ट्स की कहानियां सुनीं, जहां उन्होंने अपने अनुभव शेयर किए कि कैसे उन्हें हैरेसमेंट का सामना करना पड़ा। मुझे उम्मीद है कि मी टू मूवमेंट के बाद इंडस्ट्री में जरूरी बदलाव हुए होंगे।

किन-किन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं?

एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म आने वाली है। इसके अलावा कई प्रोजेक्ट्स ऐसे हैं, जिनकी शूटिंग पूरी हो चुकी है लेकिन वे अभी रिलीज नहीं हुए हैं। जैसे कि एक शो है अनरियल, जो काफी अच्छा होने वाला है। इसी साल एक और फिल्म खामोश नजर आते हैं रिलीज होगी। इसके अलावा ओ मेरी नाम की एक फिल्म भी आएगी।

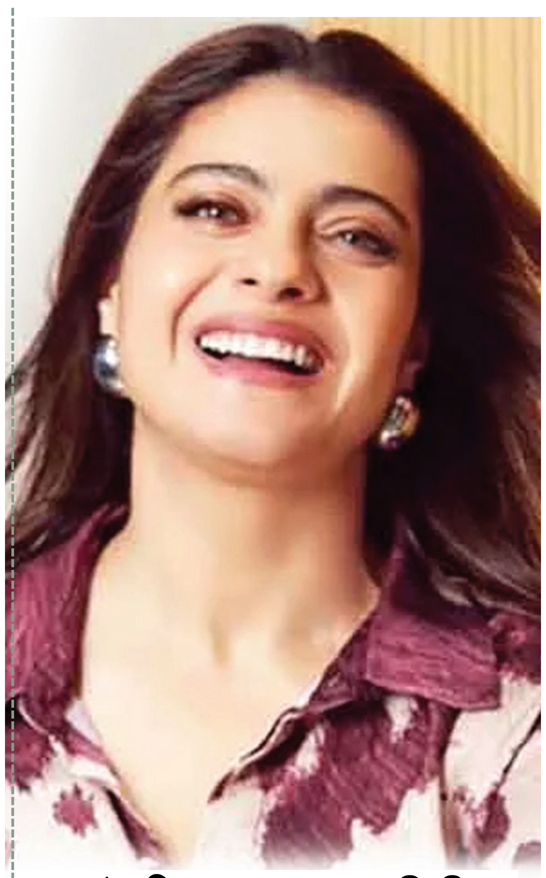

कोर्टरूम ड्रामा सीरीज द ट्रायल 2 काजोल में फिर से नजर आएंगी

काजोल की वेब सीरीज द ट्रायल को काफी पसंद किया गया था। इसमें उनके काम को भी खूब सराहा गया। 14 जुलाई 2023 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई इस सीरीज के जरिए एक्ट्रेस ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था। अब करीब 2 साल बाद द ट्रायल के सीक्वल की अनाउंसमेंट हो गई है, जिसके निर्देशन की कमान उमेश बिष्ट ने संभाली है। काजोल एक बार फिर नयोनिका सेनगुप्ता बनकर लौट रही हैं। पहले सीजन में नयोनिका एक ऐसी महिला के रूप में सामने आई थीं, जिसने अपने पति के लिए अपना वकालत करियर छोड़ दिया था लेकिन जब वही पति एक स्कैम में फंस गया और उसकी सच्चाई सामने आई, तब नोयोनिका को न सिर्फ अपने करियर बल्कि अपनी खुद्दारी के लिए भी लड़ना पड़ा। ये सिर्फ कानूनी लड़ाई नहीं थी, बल्कि आत्मसम्मान, रिश्तों और वफादारी की भी परीक्षा थी। बता दें कि द ट्रायल 2 की रिलीज डेट से भी परदा उठ गया है। ये सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। काजोल की ये वेब सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी ।

सूरज बड़जात्या ने सलमान के साथ फिल्म पर दिया बड़ा अपडेट

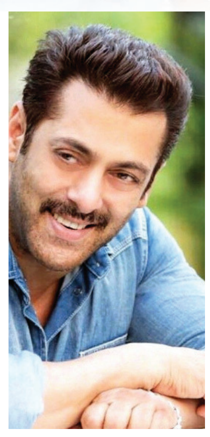

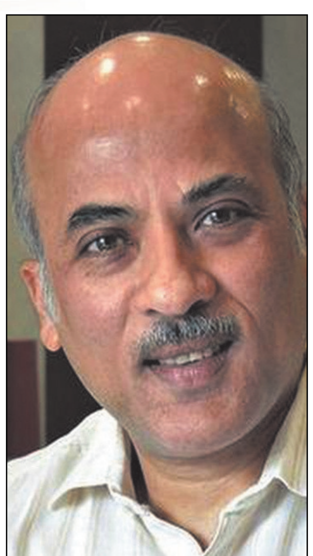

बॉलीवुड की सबसे चहेती एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ियों में से एक सलमान खान और सूरज बड़जात्या एक बार फिर साथ आने को तैयार हैं। 90 के दशक से लेकर अब तक इस जोड़ी ने दर्शकों को 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ साथ हैं' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी पारिवारिक फिल्मों के जरिए खूब एंटरटेन किया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अब ये जोड़ी एक नए पारिवारिक ड्रामा और लवस्टोरी के साथ वापसी कर रही है।

सूरज बड़जात्या ने फिल्म पर की बात

सूरज बड़जात्या ने जूम के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में जानकारी दी कि वो इस फिल्म के जरिए एक बार फिर वही पारिवारिक माहौल, सादगी और छोटे-छोटे पलों में छिपी खुशियों को दिखाने की कोशिश करेंगे, जो उनकी फिल्मों की पहचान रही हैं। उनका मानना है कि दर्शक आज भी ऐसी कहानियों से जुड़ते हैं जो दिल से कही गई हों और जिनमें रिश्तों की गर्माहट हो। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि सलमान खान के लिए फिल्म लिखना इस बार एक चुनौती है क्योंकि वो चाहते हैं कि उनका किरदार उसी मस्तीभरे अंदाज में हो, लेकिन उम्र के अनुसार थोड़ा परिपक्व भी दिखे। इंटरव्यू में सूरज ने बताया है कि फिल्म की आधिकारिक घोषणा नवंबर में की जाएगी।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म को एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा बताया जा रहा है, जो राजश्री प्रोडक्शन की बाकी फिल्मों की ही तरह होगी। हालांकि अभी फिल्म में कौन काम करेगा, उनके नामों का खुलासा नहीं किया गया है। सूरज बड़जात्या ने बस इतना कहा कि ये फिल्म दर्शकों को एक ऐसा अनुभव देगी, जिसमें रिश्ते, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों की झलक मिलेगी।

प्री-प्रोडक्शन फेज में है नैचुरल स्टार नानी की फिल्म ब्लडी रोमियो

साउथ के नैचुरल स्टार नानी जल्द ही एक नई एक्शन ड्रामा फिल्म ब्लडी रोमियो में नजर आएंगे। इसका निर्देशन साहो फेम सुजीत कर रहे हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन फेज में है और अगले साल रिलीज होनी है। नानी फिलहाल श्रीकांत ओडेला की एक और एक्शन ड्रामा फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग कर रहे हैं, वह भी अगले साल गर्मियों में रिलीज होगी। वहीं सुजीत अभी पवन कल्याण की फिल्म हन्न के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। OG की रिलीज के बाद वे इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और अब कास्ट और तकनीकी टीम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नानी खुद इस फिल्म की तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं। श्याम सिंघा रॉय के प्रोड्यूसर वेंकट बोयनापल्ली इस फिल्म को निहारिका एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2026 से शुरू होने की संभावना है। साथ ही नानी ने ये संकेत दिए हैं कि कार्थिक सुब्बराज के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा चल रही है।

तन्वीः द... का विषय ऑटिज्म पर है

अनुपम खेर की फिल्म तन्वीः द ग्रेट ऑटिज़्म और सपनों को लेकर एक संवेदनशील कहानी है, जिसे उन्होंने निर्देशित भी किया है। उन्होंने फिल्म पर प्रतिक्रिया और करियर के अनुभव साझा किए...

क्या फिल्म को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया उम्मीद से बढ़कर रही?

बिल्कुल। दर्शकों से इतनी गहराई से जुड़ी प्रतिक्रियाएं पहले कभी नहीं मिलीं। एक 65 साल की महिला ने इसे अपनी जिंदगी की सबसे बेहतरीन फिल्म बताया। दिल्ली के डीएवी स्कूल जैसे संस्थान इसे छात्रों को दिखा रहे हैं। यह सिर्फ फिल्म नहीं, एक अनुभव बन गई है।

समाज में विशेष बच्चों को लेकर संवेदनशीलता की कमी क्यों है?

हमें किसी एक घटना से पूरे समाज का आकलन नहीं करना चाहिए। कुछ मामलों में मानसिक बीमारी या असहायता हो सकती है। लेकिन अब जागरूकता बढ़ रही है और तन्वी जैसी फिल्में इसी दिशा में बड़ा योगदान दे रही हैं।

सिनेमा क्या लोगों की सोच बदल सकता है?

सिनेमा सिर्फ पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि समाज को प्रभावित करने की ताकत भी है। एक सच्ची और प्रेरणादायक कहानी दर्शकों के जेहन में रह जाती है और सोच में बदलाव लाती है। यह एक ऐसी बेटी की कहानी है जो अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

इस फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर क्या स्थिति है?

हमारे डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी और एक्सेल एंटरटेनमेंट इस पर काम कर रहे हैं। जैसे ही डील फाइनल होगी, फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम होगी।

बतौर निर्देशक अगली फिल्म किस विषय पर होगी?

मेरे पास कुछ अलग-अलग कहानियां हैं जिन पर काम कर रहा हूं। पहले अभिनेता के तौर पर अपने रुके हुए प्रोजेक्ट पूरे करूंगा, फिर अगली डायरेक्शन शुरू करूंगा। निर्देशन में मुझे बहुत आनंद आया। तन्वी: द ग्रेट ने भीतर तक झकझोरा है। फिल्म की स्कूलों में स्क्रीनिंग हो रही। इसे पैसे से नहीं तौल सकते।

अब तक की बायोपिक्स में सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार कौन-सा रहा?

डॉ. मनमोहन सिंह का किरदार सबसे कठिन था। लोग उन्हें रोज टीवी पर देखते हैं, तो एक सीमित दायरे में रहकर गहराई दिखाना आसान नहीं था। इस रोल पर मैंने करीब 8-9 महीने काम किया। बाकी जो किरदार मैंने निभाए हैं, वे आज के दौर में इतने प्रचलित नहीं हैं, जैसे जयप्रकाश नारायण जी का किरदार। अभी मैं एक और किरदार पर काम कर रहा हूं जिसके बारे में जल्दी ही सभी को पता चलेगा।

इसे तारे जमीन पर जैसी शैली में क्यों नहीं दिखाया?

यह कहानी किसी सोच-समझ के तहत नहीं, बल्कि दिल से निकली है। यह सिर्फ ऑटिज्म नहीं, बल्कि पिता-बेटी के रिश्ते, मां के संघर्ष, दादा के सपनों और भारतीय सेना की मदद से एक बच्ची की उड़ान की कहानी है। इसमें संगीत और भावना दोनों हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली कुछ विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

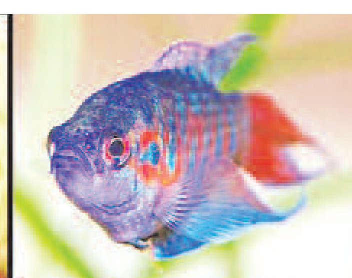

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, "सिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?

सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं।"

राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे। राजा ने आश्चर्य से पूछा, "रेत में सोना! यह कैसे किया?

सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, "हुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।

राजा ने चौंकते हुए कहा, "क्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?

सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।

राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।

इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।

राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।

सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।

देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।

इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।

इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, "सूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।

हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।

सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?

राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है।

अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

बस्तर की जनजातियों से जुड़ी रोचक जानकारी

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है. लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि.अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं.जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है.अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

भारत के बस्तर इलाके में पाई जाने वाली जनजातियां

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है:

1.माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2.दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया)

अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.

इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं.हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ट इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

2.हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं.प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गावो की तरफ भी पलायन कर रहे हैंहलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं ट उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया .जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

3.भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं. प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

4.मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.